



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 17, 1974 (श्रावण 26, 1896)

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 17, 1974 (SRAVANA 26, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जुलाई 1974

सं. 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 मई 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० टी० खुबचन्द्रानी को राष्ट्रपति द्वारा 2 जून 1974 से 8 अगस्त तक 68 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं. ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20 अप्रैल 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक, श्री योगेन्द्र नाथ को, राष्ट्रपति द्वारा 29 मई 1974 से 28 अगस्त 1974 की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेश तक, दोनों में से जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं. ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11 अप्रैल 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को राष्ट्रपति द्वारा

196GI/74

28 मई 1974 से 22 जून 1974 तक 26 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं. ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 अप्रैल 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केंद्रीय संवर्ग के स्थायी महायक श्री वेद प्रकाश को राष्ट्रपति द्वारा 4 जून 1974 से 27 जुलाई 1974 तक 54 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं. ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2 अप्रैल 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केंद्रीय संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० डी० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 7 जून 1974 से 9 मित्तम्बर 1974 तक 95 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 जुलाई 1974

सं. ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड

के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर को, राष्ट्रपति द्वारा 10 जून 1974 में 9 मिनम्बर 1974 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के आने तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग।

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 8 मई 1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 17 जून 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्याकर्तन के बाद श्री बी० आर० वर्मा ने 17 जून 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1974

सं० ए० 32016/7/72-प्रशासन-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय के स्थायी सहायक अधीक्षक (हालस्थित) श्री एम० पी० बनसल को, 1 जून 1974 से 31 जुलाई 1974 तक दो महीनों की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अधीक्षक (हालस्थित) के पद पर स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव,
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्यालय तथा प्रशासनिक मुद्राधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० पी० एफ०/पी०-69/67-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० एन० नम्बीसन, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध संघ, मद्रास न

दिनांक 26 जून 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से प्रोन्ति पर उप-विधि सलाहकार नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 16 जून 1974 के पूर्वाह्न में अपने वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध संघ, मद्रास के पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अप्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

गृह संचालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक जुलाई 1974

सं० ई० 16016/2/74-प्रशा०-I—मंत्रिमंडल सचिवालय, मंत्रिमंडल कार्य विभाग, से स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्त पर, श्री तरलोक लाल, अनुभाग अधिकारी, ने दिनांक 20 जुलाई 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० ई०-38013(2)/7/74-प्रशा०-I—लै० कर्नल एच० एम० बेदी ने दिनांक 20 अप्रैल 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बोकारो स्टील लिंिट, बोकारो स्टील सिटी की 5वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिंिट, बोकारो स्टील सिटी, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/7/74-प्रशा०-I—श्री एम० एल० प्रसाद ने दिनांक 20 अप्रैल 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बोकारो स्टील लिंिटेड, बोकारो स्टील सिटी, के खुफिया संघ के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिंिटेड, बोकारो स्टील सिटी, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/7/74-प्रशा०-I—श्री आर० के० दीक्षित, ने दिनांक 20 अप्रैल 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बोकारो स्टील लिंिटेड, बोकारो स्टील सिटी, की 5वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिंिटेड, बोकारो स्टील सिटी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/7/74-प्रशा०-I—श्री बी० डी० बहुखण्डी, ने दिनांक 20 अप्रैल 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय

श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी, की ५वी बटालियन के महायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनाक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी, के महायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनाक 15 जुलाई 1974

स० ई०-16014(3)/4/73-प्रशा०-I—प्रतिनियुक्ति से अपने राज्य को वापसी पर, श्री डॉ पी० सिंह ने दिनाक 5 जुलाई 1974 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेट नं० 2 बटालियन, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, पन्ना, पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनाक 16 जुलाई 1974

स० ई० 16019(1)/16/73-प्रशा०-I—राजस्थान राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर होने पर, श्री डॉ बी० बहैल ने दिनाक 1 जुलाई 74 के पूर्वाह्न से उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र, नई दिल्ली, के सहायक कमांडेट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 1 जुलाई 74 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल की ८वी बटालियन के कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

स० ई०-38013(2)/7/74-प्रशा०-I—श्री आर० सी० सिंह ने दिनाक 20 अप्रैल 1974 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, रुकेला, की 18वी बटालियन व कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनाक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, रुकेला स्टील प्लाट, के कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनाक 20 जुलाई 1974

स० ई०-38013(2)/3/74-प्रशा०-I—श्री ई० एस० सुन्दरस, ने दिनाक 1 फरवरी 1974 के (पूर्वाह्न) में केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, झरिया, की 19वी बटालियन के कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनाक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल की 17वी बटालियन के कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय झरिया में होगा।

एस० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक।

महानिरेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनाक जुलाई 1974

म० ओ०-९५०/७३-स्थापना—महानिरेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल डाक्टर दीना नाथ दाम की तदर्थ रूप में पहले ग्रंथ वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ निर्धारिता

अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार सम्भालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर दीननाथ दाम की ३५बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैदरगाबाद में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनाक 11-4-74 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

एस० एन० माधुर,
महायक निरेशक,
(प्रशासन)।

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

देवास, दिनाक 16 जुलाई 1974

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/ई०/स्प०/३०—श्री एस० पी० कुलश्रेष्ठ, लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास-455001, (म० प्र०) में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में से की गई स्थानापन्न नियुक्त दिनाक 1 जुलाई 1974 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर 1974 (अपराह्न) तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतर हो, निरन्तर की जाती है।

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/०ई०/स्प०/३६—श्री एन० सी० मेनगुप्ता, नियन्त्रण निरीक्षक, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नामिक रोड की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास-455001 (म० प्र०) में नियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई स्थानापन्न नियुक्ति, दिनाक 1 जुलाई 1974 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर 1974 (अपराह्न) तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पूर्वतर हो, निरन्तर की जाती है।

आर० रामास्वामी,
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी।

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनाक 18 जुलाई 1974

स० 2080/ए०—श्री आर० एन० अडवानी, जिनकी नियुक्ति उप नियन्त्रण अधिकारी (II श्रेणी राजपत्रित पद) पर चलार्थ पत्र मुद्रणालय नासिक रोड में दिनाक 11 दिसम्बर 1971 में तदर्थ रूप में पहली बार एक साल के लिए हुई थी और बाद में अधिसूचना स० 5274/ए० दिनाक 14-2-74 के अनुसार 30-6-74 तक के लिए सेवा जारी रखी गई, आगे इसी तरह 31-10-74 तक काम करते रहे अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित

पद की पूर्ति (केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति में कर दी जाए।

वि० ज० जोशी,
महा प्रबंधक,
भारत प्रतिमूलि मुद्रणालय

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1974

सं० एडीएम०-1/श्राई० ए० डी०/32-वोल०-III/10—श्री एन० आर० प्रधान, इस कार्यालय के अस्थायी सहायक महालेखाकार जो श्रीयोगिक विकास निगम में विदेश सेवा पर थे दिनांक 30 जून 1974 (अपराह्न) में वार्षक्य मेवानिवृत्त हो गए। वे दिनांक 1-7-1974 से 15-9-74 तक अस्वीकृत छुट्टी पर होंगे।

रा० श० शर्मा,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार,
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 जुलाई 1974

सं० प्रशासन-1/5-5/प्रीमोशन/74-75/879—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एस० एन० मायुर को लेखा अधिकारी के पद पर समय वेतनमान रु० 840-1200 में 9 जुलाई 1974 अपराह्न स्थानापन्न रूप से आगामी अवैश होने तक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार,
(प्रशासन)

क्रम रोस्टर सं०
सं० सहित नाम

ग्रेड

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण रेलवे

सं०.....—श्री आर० नागराजन को, जो दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में, अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थायी सदस्य है, 1-12-73 के पूर्वाह्न से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

सं०.....—श्री एस० नटराजन को, जो दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थायी सदस्य है, 16-2-'74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

सं०.....—श्री फसलुल हक मुनीर को, जो दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थायी सदस्य है, 4-3-'74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

एस० पी० नारायण चेट्टी,
मुख्य लेखा परीक्षक।

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा-ग०—वार्षक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा :—

पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
----------------------------------------	-------

सर्वश्री
 1. एस० वाई० पराङ्कर स्थायी लेखा अधिकारी
 (पी०/307)
 2. ठाकर दास स्थायी लेखा अधिकारी
 (पी०/359)
 3. के० ए० माधवन स्थानापन्न लेखा अधिकारी
 (ओ०/59)
 4. पी० एम० चौवाल स्थानापन्न लेखा अधिकारी
 (ओ०/118)
 5. डी० वी० पान्से स्थानापन्न लेखा अधिकारी
 (ओ०/119)

30- 9-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पूना। (अपराह्न)
31-10-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ। (अपराह्न)
31-8-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता। (अपराह्न)
30-9-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना। (अपराह्न)
30-9-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना। (अपराह्न)

एस० के० मुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैब्रियो सेवा
महानिवेशालय, आईनेस फैब्रियो

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० 31/74/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त करने पर निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने
दर्शायी गई तारीखों से, भेवा मुक्त हुए :—

नाम एवं पद

1. श्री के० गुप्ता, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०
(स्थायी अफसर सुपरवाइजर) 1-3-1974 (पूर्वाह्नि)

2. श्री जी० सी० दासगुप्ता, स्थानापन्न ओ० एम०
(स्थायी अधीक्षक) 1-4-1974 (पूर्वाह्नि)

सं० 32/74/जी०—राष्ट्रपति ने लिखित अधिकारियों को
स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-1 के पद पर, उनके सामने दर्शाई
गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त किया :—

श्री जे० सी० मरवाहा, स्थायी उप महाप्रबन्धक—4
जनवरी 1974।

सं० 33/74/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारी
को स्थानापन्न उप महाप्रबन्धक के पद पर, उनके सामने
दर्शाई गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त
किया :—

श्री एस० कन्नान, स्थायी प्रबन्धक—1 अप्रैल 1974।

सं० 34/74/जी०—राष्ट्रपति ने, निम्नलिखित अधिकारी
को, स्थानापन्न उप प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी
गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त किया :—

श्री आर० सन्धानम्, स्थायी महायक प्रबन्धक—1 दि-
सम्बर 1973।

सं० 35/74/जी०—राष्ट्रपति ने, निम्नलिखित अधिकारियों
को, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने
दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त
किया :—

1. श्री आर० वासुदेवन, स्थायी फोरमैन—27 फरवरी
1974।

2. श्री पी० एन० सुश्रामानियम, स्थायी फोरमैन—27
फरवरी 1974।

सं० 36/74/जी०—श्री डी० डी० भट्टाचार्ज, स्थानापन्न
सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टोर होल्डर) 58 वर्ष की आयु
प्राप्त करने पर, दिनांक 16 मार्च 1974 से सेवा निवृत्त
हुए।

प्रम० पी० आर० पिलाम्य,
सहायक महानिदेशक,
आईनेस फैब्रियो।

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय नई दिल्ली

आयात सथा नियर्ति व्यापार नियंत्रण
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 6/556/59-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय
सचिवालय सेवा (वाणिज्य मंत्रालय के बर्ग) के स्थायी
अनुभाग अधिकारी, श्री चन्द्र गुप्त को 12-4-74 के पूर्वाह्नि
में अगले आदेश होने तक मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के
कार्यालय, नई दिल्ली में उप-मुख्य नियंत्रक आयात-नियर्ति के
पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6/428/56-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, संयुक्त
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय, बम्बई में श्री
डी० के० खोमला नियंत्रक (ब्लास-1) को 3-10-73 से
30-1-74 तक और 18-2-74 से 11-4-74 तक की अव-
धियों के लिए उसी कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-
नियर्ति के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

बलदेव कुमार,
मुख्य नियंत्रक,
आयात-नियर्ति।

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई, दिनांक 26 जून 1974

सं० सी० ई० आर०/22/74—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश,
1948 के खंड 21 ए (2) में प्रदत्त जनकियों का प्रयोग करते हुए
और वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/22/74
दिनांक 3 अप्रैल 1974 (मंसोधित) के अंतर्गत दिए निदेशों का पालन
न कर सकने के कारण की जाने वाली कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव
डाले बिना और खंड 20 के उपखंड (2) में निर्दिष्ट मामलों का
ध्यान रखते हुए, मैं एनद्वारा निदेश देता हूँ कि कताई मिल रखने
वाला प्रत्येक विनिर्माता या ऐसे विनिर्माताओं का भूमूह जो वस्त्र
आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/22/74 दिनांक 3
अप्रैल 1974 (मंसोधित) में निर्दिष्ट कालावधि में वस्त्र की त्यून-
तम मात्रा पैक करने में अमर्मय रहा हो, वह वस्त्र आयुक्त की अधि-
सूचना सं० सी० ई० आर०/22/74 दिनांक 21 जून 1974 के
अंतर्गत अपेक्षित नियंत्रित वस्त्र की मात्रा से अनियक्त वस्त्र की

उत्तरी और मात्रा 30 सितम्बर 1974 तक या उसके पहले पैक करेगा जो वह निर्माता या निर्माताओं का समूह 30 जून 1974 में समाप्त होने वाली तिमाही में कम पैक कर सका हो।

मैं और निर्देशदेता हूँ कि इस बढ़ाई गई कालावधि में पैक किए गए वस्त्र की मात्राओं पर वही मूल्य लागू होंगे जो 1 अप्रैल 1974 को या उसमें आगे जारी रहे हों।

दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० ई० ए० टी० 1-2 (627)—श्रीमान राष्ट्रपति, 21 जून 1974 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, श्री पुलक कुमार गंगोपाध्याय को वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई में उपनिदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

संजय कुमार बागची,
वस्त्र आयुक्त

पूर्ण तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक जुलाई 1974

सं० ए०/17011(57)/73-प्र०-6—राष्ट्रपति, मंध लोक सेवा आयोग द्वारा नामित प्रत्याशी श्री बचन सिंह पाल को दिनांक 22-6-1974 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-1) के ग्रेड III की वस्त्र शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री पाल ने दिनांक 22-6-1974 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक जुलाई 1974

सं० ए०/17011(64)/74-प्र०-6—राष्ट्रपति, 1972 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर नामित प्रत्याशी श्री ए० पी० सिंह, को दिनांक 27-6-1974 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-1) के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह ने दिनांक 27-6-1974 पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल के कार्यालय नई दिल्ली में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

ए० के० जोशी
उप निदेशक प्रशासन

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 जुलाई 1974

सं० प्र०-1/1(765)—इस महानिदेशालय की 19-11-73 की इसी संख्या की अधिसूचना में निम्न पैरा जोड़ दिया जाए।

2. निरीक्षण निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) श्री ए० डी० जोग जिमका दिनांक 13 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से उप महानिदेशक पूर्ण तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में नदर्श आधार पर उप निदेशक (प्रगति तथा निपटान)

के रूप में अस्थाई स्थानान्तरण किया गया था वह दिनांक 1 अक्टूबर, 1973 से समाप्त कर दिया गया है।

ए० के० जोशी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 9 जुलाई 1974

सं० सी०-4872/718-ए०—महासर्वेक्षक कार्यालय के स्थानापन्न अधीक्षक श्री ए० पी० कुकरेती को मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के स्थानना एवं लेखा अधिकारी श्री वी० एन० पाराशर, जो कि अवकाश पर चले गये हैं, के स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०के० से० श्रेणी III) के पद पर 590 रु० प्रतिमास वेतन पर 590-30-800 रु० के वेतनमान में दिनांक 14 जून 1974 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में तदर्श आधार पर नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 19 जुलाई 1974

सं० ए० 19011 (51)/70-सि० ए०—श्री ए० ए० प्रसाद, प्रवर खनन भूवैज्ञानिक, बिहार माइक्रो सिन्डीकेट लिमिटेड से प्रत्यार्थित होने पर भारतीय खनि विभाग में काम पर उपस्थित हो गये तथा भारतीय खनि विभाग के हजारी बाग कार्यालय में 3 जून, 1974 के पूर्वाह्न से प्रवर खनन भूवैज्ञानिक के पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

ए० के० राधवाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी
हजारी नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री ए० ए० मिस्ट्री को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उमी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगे आदेश होने तक, 10-7-74 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० के० घोष सरकारी सेवा से निवृत्ति पर 31 जनवरी, 1973 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये।

सं० 264 (23/ई०)/19वी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सर्वेक्षक अधिकारी (तदर्थ) श्री पूर्वोक्तो दास को प्रशिष्ठ तकनीकी सहायक (सर्वेक्षण) के पद पर उसी विभाग में 1 मई, 1974 के पूर्वाह्न से परार्थित किया जाता है।

सं० 2251 (झी० एम० पी०)/19 वी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरचित ड्रिलिंग गहायक श्री दिवान सिंह पवार को ड्रिलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650 30-740-35-810 रु० 35-880-40-1000 रु० 40 1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4 जुलाई 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सी० करणाकरन, महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक जुलाई 1974

सं० 2/66/60-एस- दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० ए० एन्टोनीस्वामी, लेखाकार, आकाशवाणी, पाइडेंसरी को दिनांक 3-7-74 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, अहमदाबाद में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 3(32)/69-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री आर० लोकनन्दन, लेखाकार, केन्द्रीय विक्रम एकक, आकाशवाणी, बम्बई को दिनांक 28-6-74 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी इम्फाल में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं। उनकी यह नियुक्ति तदर्थ आधार पर की जाती है।

इन्हें मैं पांधी, अनुभाग अधिकारी
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1974

सं० 10/52/73-एस-नीत-- महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जयप्रकाश गुप्ता, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी का दिनांक 15 जुलाई, 1974 से नौकरी में इस्तीफा स्वीकार करते हैं।

पी० के० मिन्हा प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 2(35)/60-एस-दो—श्री मीताराम, प्रशासनिक अधिकारी, विवेश प्रमाण सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली, सेवा निवृत्ति की आयु पर पहुंचने पर 30 जून, 1974 के अपग्रह से नौकरी से रिटायर हो गए।

आर० सी० राजेश्वर,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० 5(27)/69-एस-फ०—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पूर्वोक्तो ताये, प्रमाण निष्पादक, आकाशवाणी, गैंहाटी को 27 अप्रैल, 1974 से अप्रेतर भावेशो तक आकाशवाणी, तथा में तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6(126)/62-एस-एक—श्रीभट्टी मनोरमा एम० वागले, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी ने, जो छुट्टी लेकर विदेश गई हैं, 30 अप्रैल, 1974 (पूर्वाह्न) से नौकरी में इस्तीफा दे दिया।

दिनांक 17 जुलाई 1974

सं० 5(129)/60-एस- एक—श्री जी० एच० एजाज, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जोक्यूटिव) रेडियो कश्मीर, श्रीनगर अपनी निवर्तन (सुपरऐनुएशन) आयु पर पहुंच कर तारीख 30 जून, 1974 से सेवा-निवृत्त हो गए।

गान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महृ निदेशक

सूचना एवं प्रसारण भवालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 12 जुलाई 1974

सं० 8/21/50 सीब्बन्दी-1—फिल्म प्रभाग प्रभुता ने श्री ए० एम० चार्ल्स स्थानापन्न अधीक्षक, फिल्म प्रभाग, बम्बई को श्री एम० के० जैन के अवकाश पर चले जाने के कारण दिनांक 1-7-74 के पूर्वाह्न से सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रभुता नियुक्ति

दिल्ली दुर्घ योजना

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 7-10/73-स्था०-1—दिल्ली दुर्घ योजना के स्थायी सहायक दुर्घ वितरण अधिकारी श्री राजकुमार मल्होत्रा को, अन्य आदेश दिए जाने तक, 25 मई, 1974 के पूर्वाह्न से दिल्ली दुर्घ योजना में दुर्घ वितरण अधिकारी (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी), वेतनमान रु० 350-25-500-30-590-द० रु०-30-830-35-900, के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाना है। उनकी यह नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ आधार पर है।

आनन्द भोहन लाल,
अध्यक्ष

स्वास्थ्य सेवा महाभिविद्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 19-7/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० गमचन्द्रन को 6 जून, 1974 पूर्वाह्नि में और आगामी आदेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाडिचेरी में जीवविज्ञानी (बाल रोग विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-12/73-एडमिन-1—श्रीमती एच० चाबूक ने सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप 31 मई, 1974 को अपराह्न में परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ ट्यूटर के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय

(सामुदायिक विकास तथा सहकारिता विभाग)

प्रधान कार्यालय विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय,

फरीदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1974

सं० फाइल 4-4 (7)-74-प्रशा० I —डा० नंरजनसिंह, विषयन अधिकारी, वर्ग- I , नागपुर, को विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन चण्डीगढ़ में दिनांक 24 जून, 1974 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ उप वरिष्ठ विषयन अधिकारी, वर्ग-I नियुक्त किया जाता है।

दिनांक जुलाई 1974

सं० फाइल 4-4 सी० (10)-74-प्रशा० I—श्री ए० के० भट्टाचार्य, विषयन अधिकारी, वर्ग-I , लखनऊ को विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन जम्मू में दिनांक 12 जून, 1974, के पूर्वाह्नि से अगले आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ उप वरिष्ठ विषयन अधिकारी, वर्ग-I , नियुक्त किया जाता है।

सं० फाइल 4-4-(11)-74-प्रशा० I —श्री प्रयाग सिंह विषयन अधिकारी, वर्ग- I , को विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन गोहाटी में दिनांक 29 जून 1974 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ उप वरिष्ठ विषयन अधिकारी, वर्ग- I , नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर गव,
कृषि विषयन बनाहकार

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 28 जून 1974

सं० उ 16/199/71-स्था०-1—श्री ए० आर० सी० बाबू, अनुसंधान अधिकारी बन अनुसंधान प्रयोगशाला, बैंगलूर का दिनांक 11 जून 1974 को निधन हो गया।

प्रेम कपूर
कुल सचिव
बन अनुसंधान संस्थान एवं
महाविद्यालय

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई - 400085, दिनांक 25 जून 1974

सं० पी० ए०/81(57)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, यहां के श्री रामन सदागोपन, एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) को इसी अनुसंधान केंद्र में 1 मई, 1974 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० वी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1974

सं० पी० ए०/81 (58)/74-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, इस के द्वारा श्री हरिश्चंद्र दब्रल, एक स्थाई ड्राफ्टमैन-बी० और अस्थाई ड्राफ्टमैन-सी० को इसी अनुसंधान केंद्र में 1 मई, 1974 पूर्वाह्नि से आगामी आदेश तक लिए स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० वी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79 (I)II // 72-आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, महालेखाकार, जम्मू और काश्मीर, के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री बद्री नारायण रेना को 13 जून, 1974 के पूर्वाह्नि से दो साल के लिये प्रतिनियुक्त पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (न्यूक्लीयर अनुसंधान प्रयोगशाला, श्रीनगर) में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उमीदवाला
उप स्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई-400 085, दिनांक 9 जुलाई 1974

मदर्म स० 5/1/74-स्था०-5—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, इसके द्वारा श्री जयंत विष्वनाथ नायक, सहायक को इसी अनुसंधान केंद्र 29-4-1974 से 13-6-1974 तक के लिये अस्थाई रूप से स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शोताकुमार मेनन
उप स्थापना अधिकारी

पराणु उर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन समिश्र

हैदराबाद-500040, दिनांक 1 जुलाई 1974

सं० एन० एफ० सी०/प्रशासन/22/13 (2)/1118—
नाभिकीय ईंधन समिश्र के विशेष-कार्य-अधिकारी, सहायक लेखा-
कार श्री जे० मर्यानगरण राव को 1-6-1974 से 31-8-1974
की अवधि अथवा आगामी आदेश तक के लिए, दोनों में से जो भी
पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन समिश्र, हैदराबाद में सहाय्य लेखा-
अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एम० पी० महान्न
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1974

सं० ए०-12025/1/73-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री रघुवेन्द्र¹
लाल साहा को 1 जुलाई 1974 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-22012/3/74-ई० एच०—निर्वाचन आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत हो जाने पर श्री वी० सेतुरामन ने 1 जुलाई 1974 (पूर्वाह्न) से नागर विभाग में उपनिदेशक विभाग परिदृष्टि के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए०-32013/4/73-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० कपूर को 3 जुलाई, 1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विभाग में उपनिदेशक (टेरिफ परीक्षा) के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन
महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1974

सं० ए० 12025/2/73-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एस० को नागपाल को रूपए 700-40-900 द० रो० 40-1100-50-1300 के बेतनमान से 10 जुलाई 1974 से अगले आदेश होने तक नागर विभाग में सहायक विद्युत और यांत्रिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

2. श्री नागपाल को विद्युत और यांत्रिक अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय से तैनात किया जाता है।

भुखीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 11 जुलाई 1974

सं० ई० (1) 04221—वैधशालाओं के महानिदेशक एतद्
प्रारा वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली
2-196 GI/74

कार्यालय के श्री वी० पी० वर्मा, व्यवसायिक महायक, को 15 मई,
1974 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से
महायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री वी० पी० वर्मा स्थानापन्न महायक मौसम विशेषज्ञ वैधशालाओं
के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली कार्यालय में ही तैनात
रखेंगे।

नवन दास
मौसम विशेषज्ञ
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० 1/184/74-स्था०-विवेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षण, श्री वी० पी०²
कन्वेल को अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत 15-4-1974
में लेकर 15-6-1974 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के
लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक के पद पर
नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जुलाई 1974

सं० 1/251/74-स्था०-विवेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री एम०
शर्मा को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत
15-4-1974 से लेकर 15-6-1974 (दोनों दिन समेत) तक
की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद
पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1974

सं० 1/265/74-स्था०-विवेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा कलकत्ता शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री सी० डी०,
सूक्ष्मा को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत
15-4-1974 से लेकर 15-6-1974 (दोनों दिन समेत) तक
की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद
पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के
आयुक्त का कार्यालय

दिनांक जुलाई 1974

सं० 42/2/73-प्रशासन—प्रधिवार्द्धकी आयु प्राप्त कर लेने
पर अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिमजातियों के कार्यालय
के अनुभाग अधिकारी श्री भद्र गम, जो कि केन्द्रीय सचिवालय सेवा
के अनुभाग अधिकारियों के श्रेणी के एक स्थायी अधिकारी थे और
समाज कल्याण विभाग सर्वर्ग पर थे, दिनांक 1 जुलाई, 1974 के
पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

५० लक्ष्मण्या
सहायक आयुक्त

नियोग लिंगा ११, नीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-१, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० 1041/६६/७४—धी० वी० मेहता ने जो कि पिछले दिनों समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिल्ली में सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त थे, 11-७-७४ से नियोग निवेशालय, नीमा शुल्क, नई दिल्ली उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में नियोग अधिकारी (नीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) श्रेणी-१ घट कार्यभार उभारा लिया है।

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1974

सं० 1041/८३/७४—धी० वी० प्रमाद ने, जोकि पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन्डिप्रिय निकासी प्रक्रिया) समीक्षा समिति में गोपनीय नीति के पद पर नियुक्त थे, नियोग निवेशालय, नीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में 1-७-७४ के दोपहर पूर्व में नियोग अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-१, का कार्यभार संभाल लिया है।

धी० एल० चावला

नियोग निवेशक

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

शिलांग, दिनांक 8 जुलाई 1974

सं० 24/७४—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधिकारी श्री एच० उ० राय को अगले आदेश जारी होने तक रायानापन्त रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-II) तियुक्त किया गया। श्री एच० उ० राय ने लेखा परिकक्ष के रूप में दिनांक 1-७-७४ (पूर्वाह्न) को शिलांग में कार्यभार संभाला।

एच० आर० सीय०म्,
कलक्टर

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1974

सं० ५/७४—धी० पी० देवलुङ्गू, संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार को मूल्य निष्पक के पद पर (नान-एक्स्पर्ट) दिनांक 26-६-७४ प्राप्त: से, मद्रास सीमा शुल्क भवन में अस्थायी रूप में नियुक्त किया जाता है।

श्री देवलुङ्गू दो वर्ष तक परीक्षण के तौर पर रहेंगे।

सीमा शुल्क सिव्हिन्वी

सं० ६/७४—श्री मेनू जार्ज, संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार को मूल्य निष्पक के पद पर (नान-एक्स्पर्ट) दिनांक 1-७-७४ अपग्रद्ध से, मद्रास सीमा शुल्क भवन में अस्थायी रूप में नियुक्त किया जाता है।

श्री मेनू जार्ज दो वर्ष तक परीक्षण के तौर पर रहेंगे।

जी० संकरम
सीमा शुल्क समाहर्ता

नारकोटिक्स विभाग

दिनांक . . .

सं० १४—श्री अमरीक मिह, विक्रय अधिकारी (प्रशासन अधिकारी, सरकारी अफीम और ऐलेक्ट्रोलाइड कारखाना, नई दिल्ली को १ नवम्बर, १९७३ से रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के संशोधित वेतनमान में ८१०.०० रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

सं० १२—श्री आर० के० तिवारी, सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क को, जो वर्तमान में सरकारी अफीम तथा ऐलेक्ट्रोलाइड कारखाना, गाजीपुर में सहायक नारकोटिक्स आयुक्त (प्रबन्धक) के रूप में तैनात हैं, १४-१०-७३ से रु० ४००-४००-४५०-३०-५१०-८० रो०-७००-४०-११००-५०/२-१२५० के वेतनमान में ५१०.०० रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

सं० १३—इस कार्यालय की अधिसूचना ऋम संख्या ९ फा०

सं० III (10) २/लिखा/७४-१२०३, दिनांक ५-६-१९७४ को संशोधित करते हुए श्री वी० एस० टामटा, विक्रय प्रबन्धक, सरकारी अफीम और ऐलेक्ट्रोलाइड कारखाना, गाजीपुर को २४ अक्टूबर, १९७३ से रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के संशोधित वेतनमान में रु० ८१० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

वि० रा० सोनालकर
नारकोटिक्स आयुक्तनौवहन और परिवहन मंत्रालय
सूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1974

सं० ए-२२०१३/१-७४/वी०ई०/२१८२—मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक, सूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना तृतीकोरिन बन्दरगाह में कनिष्ठ इंजीनियर सर्वेश्वी टी० शिवसुब्रह्मण्यम और एन० सुवर्ण्या को परियोजना में २३ मई, १९७४ के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर से नियमित आधार पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८५०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० वेतनमान में प्रोन्नति पर सहायक इंजीनियर (सिविल) नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल
मुख्य इंजीनियर व प्रशासक

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(जल स्कन्ध)

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1974

सं० क-१९०१२/४७९/७४-प्रशासन-५—सघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किये जाने के फलस्वरूप अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रसाद से श्री सुवेसिह को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष के पद पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-

1000-द० रो०-४०-१२०० रुपये के बेतनमान मे० २९ जून, १९७४ (अग्रपाल) से आगे आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

२ श्री गुवेसिह उपरोक्त तिथि एवं समय मे० दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० क्र-१९०१२/४९०/७०-प्रशासन-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एनदब्ल्युआरा श्री पी० सी० जोश को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) मे० अतिरिक्त सहायक निदेशक/महायक अभियन्ता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इजीनियरी) के पद पर पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप मे० नियुक्त वरते हैं। उन्हें दिनाक २६-६-७४ के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक अतिरिक्त महायक निदेशक/महायक अभियन्ता/महायक अनुसंधान अधिकारी (इजीनियरी) के पद पर तदर्थ रूप मे० नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक का ग्रेड बेतन तथा १० प्रतिशत भत्ता पाने का अधिकार होगा।

श्री जोश ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कन्ध) मे० अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार प्रहण कर लिया है।

के० पी० बी० भेनन
ब्रवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई शिल्पी, दिनाक जून १९७४

सं० ७२६-ई०/५१०(ई/ए)—श्री इन्द्र सिंह, मण्डल अधीक्षण इजीनियर, फिरोजपुर अधिवार्पिकी आयु प्राप्त करने के बाद ३०-४-१९७४ से रेल सेवा से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सी० एस० परमेश्वरन
महा प्रबन्धक

उत्तर पूर्वी परिषद

शिलाग-३, दिनाक १९ जून १९७४

सं० एन० ई०-९५/७४—असम सरकार के सेवा-निवृत्त निदेशक, (रेशम-उत्पादन और बुनाई) श्री प्रार० शर्मा को, उत्तर पूर्वी परिषद गविनान्य शिलाग मे० १३००-६०-१६००-१००-१८०० प्रतिमास के बेतनमान मे० १-६-७४ (पूर्वाह्न) से प्रथमतः एक वर्ष के लिये उप निदेशक (रेशम-उत्पादन) के रूप मे० पुनर्नियुक्त किया जाता है।

श्री० के० भट्टाचार्य
सचिव, उत्तर-पूर्वी परिषद

कम्पनी अधिनियम, १९५६ तथा

“स्वामी मोटर ट्रास्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे०
दिनाक १७ जूलाई १९७४

सं० २७३१/मी० लिक्वि०/७४—एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही मे० सी० पी० ७ आफ १९७२

मे० उच्च न्यायालय, मद्रास की पाठ० पर इस गां दिनाक २० अगस्त, १९७३ के आदेश द्वारा कैप्टौन स्वामी मोटर ट्रास्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का भागान कर दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, १९५६ तथा कार्यवे

केरियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे०

दिनाक १७ जूलाई १९७४

सं० ५८६९/सी० लिक्वि०/७४—एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही मे० मी०पी० न० ७५ आफ १९७२ मे० उच्च न्यायालय, रेलवे न० लाइन न० ८५, गए दिनाक १ मार्च, १९७४ के तदा, द्वारा कैप्टौन केरियर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समाप्त कर दिया गया है।

पी० उपर्युक्ती

कम्पनी का गां रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, १९५६ और गां ऐरवेस्टेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे०

मद्रास, दिनाक १७ जूलाई १९७४

सं० डी० एन०/१५/७४—कैप्टौन एप्रिलियम, १९५६ की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुदारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवधान पर मद्रास मर्केन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का, तम इन० प्रतिहू० कारण दर्शित न किया गया तो र० १०८८ ए० ८८ दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, १९५६ और र० १८८८ के विषय मे०
प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे०

दिनाक १२ जूलाई १९७४

सं० ५५२१/डी० एन०/७४—कैप्टौन एप्रिलियम, १९५६ की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुदारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवधान पर रासि टैथर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के अनुदारे इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो र० १०८८ ए० ८८ दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम १९५६ और शास्त्रित पिटफर्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे०

दिनाक १२ जूलाई १९७४

सं० ५७४०/डी० एन०/७४—कैप्टौन एप्रिलियम १९५६ की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुदारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवधान पर शास्त्रित फैट्स प्राइवेट लिमिटेड का, र० १०८८ द्वारा प्रतिहू० कारण दर्शित न किया गया तो र० १०८८ ए० ८८ दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956, और दी मौन्ट इंजिनियरिंग
इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मंत्रालय, दिनांक 12 जुलाई 1974

सं० 5559/ठी० एन०/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
दी मौन्ट इंजिनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बिहार का प्राईवेट लिमिटेड
के विषय में

बम्बई, दिनांक 23 जुलाई 1974

सं० 14177/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा 3 के अनुसरण में एतद्वारा एक यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
बिहार का प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
कम्पनियों का प्रतिरक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पायनियर
मोटर्स आफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 सितम्बर 1974

सं० 24442/560(3)—कमानी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
पायनियर मोटर्स आफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956, और दास बर्वस प्रिंटिंग
वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 16200/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि दास बर्वस प्रिंटिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड
का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956, और नेशनल लाईट
इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 16010/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि नेशनल लाईट इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का
नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और
इंस्ट्रन एनदरप्राईवेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 18881/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
इंस्ट्रन एनदरप्राईवेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956, और बरपथार राईस एण्ड आयल
मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 18 जुलाई 1974

सं० 23451/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि बरपथार राईस एण्ड आयल मिल्स प्राईवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और
मिथिसन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 24329/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
मिथिसन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शारासत
दूल्स फंक्शन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 जुलाई 1974

सं० 27051/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

बारासत टूल्स फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया; तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

फम्पनी अधिनियम, 1956 और दि० वेस्ट
इंडिया लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 जूलाई 1974

सं० 15282/560 (3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन साल के अवसान पर दि बैस्ट इडस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित करदी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कसमीक
बर्स हंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 जूलाई 1974

स० 15750/560 (3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एलदब्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर कसमीक वकंस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उभत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिरामिक बाईल्स्‌एण्ड ग्लास हिण्ड्रा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 जलाई 1974

सं० 20865/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुग्रहण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीब से तीन माम के अवसान पर सिरामिक टाईल्स एण्ड ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उच्चबहस्ती
एण्ड एटर्जी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 जुलाई 1974

सं० 16217/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस कारीगर से तीन मास के अवसान पर चक्रवर्ती एण्ड चटर्जी एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट विधा जाएगा और उक्त कम्पनी विर्घातित कर दी जाएगी।

अधिनियम, 1956 और भारतन्सोल पेपर

दिनांक 11 जुलाई 1974

सं० 21064/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदारा यह सूचना दी जाती है कि इस तरीख से तीन मास के अवधान पर आसनसोल पेपर एण्ड बुक कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मुख्यमंत्री
एजेंसी प्राईवेट सिमिटेल के खिलाफ में

दिनांक 11 जुलाई 1974

सं० 27052/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवक्षान पर मुख्यर्जी एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कमेट
प्रिन्टिंग बहस प्रारंभिक लिमिटेड के विषय से

दिनांक 11 जुलाई 1974

स० 25129/560(3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर कमेट प्रिण्टिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एस० ए० एस० मेनफेक्चरिंग क० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 जूलाई 1974

सं 25647/560(3) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर एस० ए० एस० मैन्युफैचरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड क। नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त व म्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज का कार्यालय

60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

दिनांक 18 जुलाई 1974

निर्देश म० सी० ए०/५/बबई०/पूना/बम्बई०/७३/१२६/७३-७४—
यत्. मुझे जी कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी जूना स० क्रमांक 39 (भाग) सि० स० ज्ञ० 11 (भाग) 11/1, 11/4, 11/5 घर क्र० 13 बडगाड़न रस्ता पूना है, जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्टी अधिकारों के कार्यालय बबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. (1) श्री सर, दिनशा भाणेकजी पेटीट 3ग बाटू
(2) श्रीमती दिन युवेस मोराग
(3) श्री नसरवानजी दिनशा पेटीट
(4) श्रीमती रोडा हरी भगत
(5) श्री फिरोजशाहा जमशेदजी पाठें
मुको बक बिल्डिंग 4था मजला 359 डॉ नौरोजी
रास्ता फोर्ट बबई (अन्तक)

- 2 (1) श्रीमती चंद्रबाई नारायणदास चोओटीरमल
(2) श्री भगवानदास नारायणदास चोओटीरमल
(3) श्री नारायण मोतीराम गिलवानी
(4) श्री समामदास कृपलानी
द्वारा —मैसर्स शाती बिल्डर्स 2व सिधु हाउस
नाना भाऊ लेन, फ्लोरा फाउटन, फोर्ट, बबई-1 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खालसा भूमि का या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर निर्मित रहने का घर और दफनर घर, किराया पर दिये हुए घर, इमले आऊट हाऊसेस के सह, कोवृ हाऊसेस, और तबेना एवं सहित, जो पर क्र० 66 सिविल लाईन्स, और पहले, 'माग डाला हाऊस' नाम से परिचित था और अभी "मान रिपोर्ट्स" नाम से परिचित है, जो पूना में है। सब रजिस्ट्रार हवेली जिं० पूना दक्षिण में स्थित है और जो पूना में है। सब रजिस्ट्रार हवेली जिं० पूना दक्षिण में स्थित है और जो पूना में है। जिसका क्षेत्रफल 23324.41 वर्ग मीटर्स या उतना ही होगा और क्लेक्टर आफ लैन्ड रेबेन्यू के दफतर में रजिस्टर किया है। जिसका जुना सबै क्र० 39 (भाग) सिटी स० क्र० 11 (भाग) 11/1, 11/4, 11/5 घर नम्बर 13 बंगार्डन रास्ता निम्न प्रकार से घिरा हुआ है, अर्थात् —

पूर्व के ओर — अंशतः बंगार्डन रास्ता से और अंशतः
सरकारी रेकार्ड दफतर से

पश्चिम के ओर: अंशतः वही प्राप्टी जिसकी पूर्ण रूप से प्रथम
शेडूल, इन्स्ट्रूमेंट आफ ट्रान्सपर दिनांक
29-3-73 में वर्णन किया है।

उत्तर के ओर: महाराष्ट्र हाऊसिंग बोर्ड के इमले जो अभी आगरकर नगर से परिचित हैं, और अंशतः हिला माग डाल, और मागडाल हाऊसेस।

दक्षिण के ओर: अंशतः सरकारी दफतर से और अंशतः क्लॉट हाउस निटी। सबै क्र० 11 क्लॉट रास्ते से

जी० कृष्णन,
संघम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख 18-7-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज का कार्यालय

60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

दिनांक 18 जुलाई 1974

निर्देश सं० सी०ए०/५/नवम्बर/पूना/बम्बई/73/127/74-75
मत्तः, मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जुना स० ल० 39 (भाग) मि० स० ल० 11 (भाग), 11/2, 11/3, घर क्र० 14, बड़ गार्डन रास्ता, पूना है, । जो पूना में स्थित है (और इसमें उगावन्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-73 को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वर्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्ष्ट विलेख के अनुसार अन्तर्स्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिनियों) के दीन तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सर दिनशा माणेकजी पेटिट, 3रा बाट्ट,
2. श्री श्रीमती दिना युवेस मोरांग (3) श्री नसरवानजी दिनशा पेटिट (4.) श्री फिरोजशाहा जमशेदजी पांडे
- (5) कुमारी फिरोजा ओ० नानीयलवाला युको बैंडु बिलिंग चौथा मजला, 359 डा० छी० नौरोजी रास्ता फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) 1 श्रीमनी चंद्रावाई नारायणदाम चोअटीरगल,
 2 श्री भगवान नारायणदास चोअटीरगल,
 3 श्री नारायण मोतीराम गिडवानी, 4. श्री संतामदास
 किरतराओी कृपलानी, द्वारा मेसर्स शोती बिल्डर्स,
 2 ब, सिंधु हाऊस, नानाभाओी नेन, फ्लोरा फाउन्टेन
 फोर्ट, बम्बई।
 (अन्तरिती)

स्पष्टीकरणः—इनमें प्रदक्षिण मञ्जरों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में घोषित था, वही अपेक्षित जो न-स अध्याय में दिया गया है।

(3) 1. श्री परबीज सन्तुमजी कोठावाला, 2. श्री पेसी०ओफ० दिनशा, 3. श्री महेंद्र दुसैन मुला, हसनअल्ली, पूना वाला—सभी रहने वाले 'विल मागडाला' और 'मागडाला हाऊस', 14 बंडगाईन रास्ता, सी० एस० क्र० 11 (भाग), 11/2, 11/3 पूना।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अनुसूची

आलसा भूमी का या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर निर्मित, रहने का घर और दफ्तर घर, किराये पर दिए हुए घर, रहने के घर और इमले आऊट हाउसेस के सह एवं सहित, जो पहले 'मागडाला हाऊस' नाम से परिचित था, और अभी 'विल मागडाला' और 'मागडाला हाऊस' नाम से परिचित है। और जिसका क्र० 14 बंडगाईन रास्ता याने सिटी स० क्र० 11 (भाग), 11/2, 11/3 पूना में स्थित है, पूना सबरबन नगर पालिका के कक्षा में है। अंतिम रेखा आलेखांकित प्रमाण पत्र के अनुसार जिसपर कहा हुआ ऊपर 'मागडाला हाऊस' और 'विल मागडाला' स्थित है और जिनका जुना स० क्र० 39(भाग) है, क्षेत्र 10015 वर्ग मीटर्स है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है, अर्थात् :—

पूर्व के ओर बंडगाईन रास्ता

पश्चिम के ओर: इमला जो मॉन रिपॉस नाम से परिचित है उसका भाग,

उत्तर के ओर: महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड के नियन्त्रण की इमले जो अभी आगरकर नगर से परिचित है।

दक्षिण के ओर: इमला जो मॉन रिपॉस नाम से परिचित है उसका भाग और जो पूना में सब रजिस्ट्रार हबली जिला पूना दक्षिण में स्थित है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

जी० कृष्णन्
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज. पूना

तारीख: 18-7-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कायामिय
अर्जन रेज,
60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004
दिनांक 9 जुलाई 1974

निर्देश म० मी० ए० ५/फरबगी/७४/धुलिया/१२३/७४-७५—
यत् मुझे, जी कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० अमांक 4734 और स० अमांक 4732 है, जो धुलिया मे० स्थित हैं और हमसे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कायालिय मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-२-७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे० कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अप्रिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व, के अनुसरण मे०, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) दि अगविद आईल मिल्स क० (प्रा० लिमिटेड)
स्टेशन के नजदीक, धुलिया कंपनी के लिये—
कंपनी के मैनेजर डायरेक्टर,
श्री लंबंक गणेश गानू॰, धुलिया (अन्तरक)
2. श्री विलीप लंबंक गानू॰
द्वारा—दि अगविद आईल मिल्स क० (प्रा० लिमिटेड)
रेलवे स्टेशन के नजदीक, धुलिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त समाचित के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख मे० ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख मे० ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदास्ताधारी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आशेषों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन्त्रित किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे० व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

सि० स० क० ४७३४ क्षेत्र १८२१.९ वर्ग मीटर्स
इमला (रमोई घर के साथ)

और सि० स० क० ४७३२ क्षेत्र २०२.३ वर्ग मीटर्स

(पाखाने के मह इमला), धुलिया मे० फी होल्ड
इमले के नीचे के जमीन, और उसके पास की जमीन।

बिगर खेती की जमीन (१८ गुणे) ल्केटर-१८ आर और (१२ गुणे) हे० ० आर १२ जिसका स क० ६२२ और ६३० है। और यह बिगर खेती की जमीन दूसरी खेती के जमीन से घेरी है। जिसका क्षेत्र १ एकड़ (४० गुणे) — (१२ गुणे जमीन नाउपजाऊ) जिसका सर्वे कमांक ६२८/१ है।

पूर्व की तरफ : बम्बई आगरा रोड)

पश्चिम की तरफ: धुलिया रेलवे स्टेशन।

दक्षिण की तरफ: सि० स० क० ४७३५ और ४७३३, इमले
उत्तर की तरफ . रास्ता शहर सुधारना योजना के अन्तर्गत
(टाउन डेवलपमेंट मकाम), स्टेशन और आगरा रोड जोड़ने वाले)

जी० कृष्णन
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : ९-७-७४

मोहर :

प्रलेप आई०टी० एम० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 16 जुलाई 1974

निर्देश मं० ए० सी०-८७/आर-IV/कल०/७४-७५— यतः
मुझे जर्ज वर्गिम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 70-मी है, जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता-29 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ असियोरेंट्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 16 के अधीन 5-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) अमरनाथ भट्टाचार्जी, 70-मी, हिन्दुस्थान पार्क, कलकत्ता-29 (अन्तरक)
- (2) मिसेस जसवन्त गौरी चन्द्रानी, 70-सी, हिन्दुस्थान पार्क, कलकत्ता-29 (अन्तरकती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितदङ्ग विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हैं, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उस फ्लैट जो पूरा तिसी मंजिल है जिसमें 2 लिमि रूम, एक बाथ रूम इत्यादि है जो 70सी, हिन्दुस्थान पार्क, कलकत्ता-१-२९ पर अवस्थित, जिसके परिमान 2150 स्कोयार फिट, जिसमें 500 स्कोयार फिट बिल्ट आप एवं 1650 स्कोयार फिट खुला टेरेस है और 1973 के मं० -6421 टेलिल में वर्णित 5 कट्ठा जमीन के प्रोपोरेशनेट हिस्सा।

जर्ज वर्गिम
मंदाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख: 16-7-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 15 जुलाई 1974

निम्नों में पृष्ठ 86/आर-IV /कल०/74-75—यतः
मुझे जर्ज वर्गम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिस की खतियान में 251, जे० एल० सं०-34, तौजि सं० 151, खतियान में 251 एवं 74 में 85 है, जो मौजा—बादेराईपुर, थाना—यादवपुर, जिला—24 परगणा में स्थित है (और इसमें उत्तरदाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ असियोरेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

(1) फिल्म भल्टम् प्रा० लि०, 3/2 मदन रट्टीट, कलकत्ता-1। (अन्तरक)

(2) मुलेखा वर्षस, लि०, मुलेखा पार्क, कलकत्ता-32। (अन्तरिती)

(3) वेस्ट बेंगल फिनान्सियल कार्पोरेशन, राजा चेमब्र हैस्टिगस स्ट्रीट, कलकत्ता।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो जी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती देरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार दोषी।

स्टाक्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा—बादेराईपुर, जे० एल० सं०—34, खतियान सं०-251, तौजि सं०—151, खतियान सं०-251 एवं 71 में 85, थाना—यादवपुर, जिला—24 परगणा, परिमाण—1.73 एकर और स्टाक्कर्स, जो रजिस्ट्रार आफ असियोरेन्सेस, कलकत्ता से रजिस्ट्रीकूत धलिल सं० 6591 आफ 1973 में विशद रूप से वर्णित है।

जर्ज वर्गम,
मन्त्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज IV, कलकत्ता

तारीख : 15-7-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 24 जुलाई 1974

निदेश मा० मी० आर० 62/1935/73-74—यत् आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी मा० 5/3 है, जो अश्वस्वामी मुद्रालियार रोड, बैंगलूर-42 में स्थित है (जो इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर में भारतीय गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) २ याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित

1 श्रीमती कविता सपत्र श्री वि० एन० शनकर ना० 6,
ब्रनटन रोड, बैंगलूर-1
(अन्तरक)

2 श्री वि० एन० शनकर
ना० 6, ब्रनटन रोड बैंगलूर-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह ना० 5/3, अश्वस्वामी मुद्रालियार रोड, सिविल स्टेन, बैंगलूर।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 24-7-1974

मोहर

(जो लागू न हो उरे काट दीजिय)

ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम,
की धारा 269-व की उपधारा (1)
अर्जतः—

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम्

एरणाकुलम्, तारीख 6 जुलाई 1974

निदेश स० पात० सी० स० 16/74-75—यतः, मुझे के० राजगोपालन, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, एरणाकुलम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 355/3 (आर० एस० 25/3) और 355/2 [आर० एस० 25/3(i)] है, जो पूर्वजनूर देश में कड़लुडी प्रायत्व, में स्थित है (और इससे उपावद अनुमूली में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरनेक, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मणित्तल मणियाकुट्टि बीबी, पीकुमतोडी हाउस, चालिय, पी० ओ० कालिकट । (अन्तरक)
- (2) श्री पीलिपुरत्त मोहम्मद कोया हाजी, चालिय पी०ओ० कालिकट । (ग्रन्तिर्ती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कालिकट जिला के कड़लुडी पंचायत, पूर्वजनूर देश में स० 2/1 में स० सं० 355/3 (आर० एस० 25/3) और म० स० 355/2 [आर० एस० 25/3(i)] में भूमि तथा मकान—क्षेत्रफल 85 सेन्टम् 75% अधिकार।

के० राजगोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम्

तारीख . 6-7-1974

मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख 6 जुलाई 1974

निदेश स० एन० सी० म० 17/74-75—यत् मुझे, के० राजगोपालन, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, एरणाकुलम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की स० 355/3(आर० एस० 25/3) और 355/2 [आर० एस० 25/3(i)] है, जो पश्चात्जनर देश में कड़लुड़ी पचायत, कालिकट, में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरनक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1973 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती पातुम्मा बीबी, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (2) श्री श्रहमद कोया हाजी, के पुत्र पातुम्मा बीबी, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (3) कुमारी प्रथिया बीबी, के पुत्री पातुम्मा बीबी, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (4) श्री मुस्तफा, के पुत्र पातुम्मा बीबी, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (5) कुमारी मरियमबी, के पुत्री पातुम्मा बीबी, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (6) अब्दुल रसाक, के पुत्र पातुम्मा बीबी, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (7) अब्दुल नासर, के पुत्र पातुम्मा बीबी, नोचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट।
- (8) मोहम्मद इकबाल, नाचोली हाऊस, कच्चेरी अण, कालिकट। (अन्तरक)

श्री पोलिपुरात मोहम्मद कोया हाजी, चालियं, कालिकट। (अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कालिकट जिला के कड़लुड़ी पंचायत, पश्चात्जनर देश में स० 2/1 में स० 355/3 (आर० एस० 25/3) और स० सं० 355/2 [आर० एस० 25/3 (i)] में भूमि तथा मकान—क्षेत्रफल 85 सेन्टस/ 25 % अधिकार।

के० राजगोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 6-7-1974

मोहर:

प्रॱ० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-J, कलकत्ता का कार्यालय

तारीख 24-7-1974

निर्देश मं० टि० आर०-1363/मि०-282/कल०-1/73-74—
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० मि० ग्र० प्ल० 755, 800 805 और 806 है, जो टेंटा, जे० एल० नं० 5 पि० एम० बेनियपुकुर जिला—24 परगणा में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्स में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युलेशन के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) नाजिबन्नेसा बिबि

(2) आएमा बिबि

(3) निलोफार देंगम (अन्तरक)

मेसर्स इंग्रो फा० टेनारी प्राइवेट लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ग्रंथा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो हम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा टेंगरा, जे० एल० नं० 5, थाना बेनियपुकुर, जिला-24 परगणा स्थित खत्तीयान 156 के० सी० ग्र० प्ल० 755, 800, 805, 806 की खाली भूमि एवं तालाब, जिसका ग्रक्का 5. 94 एकड़ है।

ग्रम० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख : 24-7-1974

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निदेग मं. ASR/NS/ग० पी०-९७७/७४-७५:—यतः मृष्ट डी० एम० गुर्जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मूल्य धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2992 नवम्बर 1973 लिखा है, जो गांव बंगा में स्थित है (और इसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भागतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृष्ट यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गढ़दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिङ्घित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डोगग राम पुत्र श्री लाल जी राम पुत्र मवरन राम बंगा
(ग्रन्तिर्वा)

(2) श्री अविनाश चन्द्र, सुभाप चन्द्र, रमेश कुमार, विजय कुमार, पवन कुमार पुत्र श्री हरी राम पुत्र श्री विश्वन दाम मारपत राम प्रकाश कीरती राम सीमिट माटोओरिकट्स, रेलवे रोड, बंगा।
(ग्रन्तिर्वा)

(3) जैसा कि नं० 2 पर लिखा है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रसि आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2992 नवम्बर 1973, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

दी० एम० गुर्जा
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 29 मई 1974

मोहर:

प्र० रुपा प्राइंट टी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश स० ए०प्र०आर०/भूलथ/ए०पी०-९७८/७४-७५—यतः
मूल्य डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 1200 महीना नवम्बर 1973 है, जो लखन के पहुँच में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय भुलथ में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकढ़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रबंदों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः प्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री किशन सिंह सपुत्री जीत कोर विधवा श्री चानन सिंह वासी लखन के पहुँच जिला कपूरथला। (अन्तरक)

(2) श्रीमती भीरो सपुत्री श्रीमति जीत कोर विधवा श्री चानन सिंह वासी लखन के पहुँच जिला कपूरथला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) कि वह सम्पत्ति में हितवद है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हित रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दौरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

त्वचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1200 महीना नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी भुलथ में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० अमृतसर/भूलेप/ए०पी-९७९/७४-८—यतः, मुझे
झी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० भरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1124
नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव रायपुर अरुण्डेया में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय भूलेप में भारतीय रजिस्ट्र-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
षाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वलीपा पुत्र श्री मिलखी वासी रायपुर अरुण्डेया।
(अन्तरक)

(2) श्री ओम दत्त पुत्र श्री मोहन लाल वासी गांव रायपुर
अरुण्डेया। (अन्तरिती)
(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हैं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1124 नवम्बर
1973 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी, भूलेप में लिखा है।

झी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भ्रमृतसर।

तारीख : 29 मई 1974।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निवेश सं० अमृतसर/भूलेथ/एपी-980/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1122 नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव रायपुर श्रूर्झियाँ में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायालय भूलेथ में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की भावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वाधित सम्पत्ति के अंजन के लिए कायावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री दलीपा पुत्र श्री मिलखी वासी रायपुर श्रूर्झियाँ, जिला कपूरथला। (अन्तरक)
- (2) श्री बलकार सिंह पुत्र श्री लैहना सिंह वासी रायपुर श्रूर्झियाँ जिला कपूरथला। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद हो)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कायावाहीयाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के उत्तर में किए गए आक्षेपों यथि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1122 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, भूलेथ में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख, 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० अमृतसर /कपूरथला/ए०पी-981/74-75—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1940 नवम्बर 1973 को लिखा है जो गांव हमीरा में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में प्रीरं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सत्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; औरया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बेला सिंह पुत्र श्री सुचेन मिह वासी हमीरा जिला कपूरथला (अन्तरक)
- (2) श्री मुख्तियार सिंह पुत्र स० जान सिंह हमीरा श्री सेवा सिंह सुखवीर सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह वासी माना तलबंडी। गुरुवरश मिह गुरदेव मिह पुत्र स० मान सिंह वासी दयालपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधिहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पूर्ण के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1940 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1973

मोहर:

प्रूप शाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 29 मई 1974

निदेश सं० अमृतसर/फगवाड़ा/एपी-982/74-75—यतः,
मुझे, डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1527
महीना नवम्बर 1973 है, जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे
उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973
को पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपद्वारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) गुलजारा सिंह सपुत्र सं० माना जट फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) सोहन लाल, मोहन लाल, कुन्दन लाल, टेक अन्द
सपुत्र पं० भगत राम गाव तखर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधीक्षिताक्षरी जानता है) ।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में लूंच रखता है । (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सके ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1527 महीना नवम्बर
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० अमृतसर/फगवाड़ा/एपी-983/74-75—यतः
मुझे भी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1594 नवम्बर 1973 है, जो दरबेश पिंड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) शेर सिंह सपुत्र स० वरयाम सिंह वासी दरबेश पिंड तहसील फगवाड़ा (अन्तरक)

(2) अमरजीत सिंह, जयराम सिंह, रविन्द्र सिंह सपुत्र स० गुरदेवाल सिंह वासी दरबेश पिंड तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो सो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1594 महीना नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

जी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज कार्यालय
भ्रमूतसर, तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० भ्रमूतसर/फगवाड़ा/एपी-984/74-75—यतः
मुझे ई० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1595 नवम्बर 1973 को लिखा है, जो दरबेश पिंड में स्थित है (और इससे उपावट्ट अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उपचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) शेर सिंह सपुत्र सं० वरयाम सिंह वासी दरबेश पिंड तहसील फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्री सुखविन्द सिंह, जसवीर सिंह, कमल जीत सिंह सपुत्रान सं० दया सिंह गांव खानू गोरे (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 मे है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1595 महीना नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत प्रविकारी फगवाड़ा में लिखा है।

ई० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
प्रजन रेंज, भ्रमूतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० अमृतसर /जीरा/एपी-985/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3621 नवम्बर 1973 लिखा है जो तलबांडी नपाला में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय जीरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि या पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्याही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, मैं, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपलब्धांता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवर्त्:—

(1) श्री हरमेल सिंह पुत्र श्री नाहर सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह वासी तलबांडी नपाला तहसील जीरा।

(2) श्री मलकीयत सिंह पुत्र श्री गुलजारा सिंह पुत्र हीरा सिंह और श्रीमती गुरचेत कौर पन्नी श्री मलकीयत सिंह वासी गरहा त० फिल्लौर। राणा बलजीत सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री मोता सिंह वासी कोट ग्रेवाल त० फिल्लौर। श्री पारा सिंह जरैल सिंह, तरलोक सिंह पुत्र श्री सरबन सिंह पुत्र श्री माया सिंह वासी वो सांझ कला, त० फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना वी तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, वो सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3621 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जीरा में लिखा है,

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 29 मई 1974

मोहर:

अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज

ग्रन्ति संख्या 29 मई 1974

निर्देश गा० ए०प्र०गा०र०/जे०प्र०आ०र०गा०/त०पी०-९८६/७४-
७५—यह मुझे डी० ए०म० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मू० धू० नैमा दि० रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3623
नवम्बर, 1973 में लिखा है जो गांव तलवडी नपाली में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुगूमी में और पूर्ण रूप में नापित है) रजिस्ट्री-
र्टा अधिकारी के नार्यालय जो रा० में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने के लिए उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अस: अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पान:—

- (1) श्री वलबीर मिह पुत्र श्री मेहंगा सिह पुत्र श्री भगवान मिह वासी तलवडी नपाली तहसील जीरा। (अन्तरक)

(2) श्री मैकोपा मिह तुन वा० गुलजारा मिह पुत्र श्री हीरा मिह ग्रो० श्रीमती गुलजेन कीर पत्नी श्री सचरीयत मिह वासी गुलजा तहसील फिल्हौर। राणा बनजोन मिह पेताल पुत्र श्री गुरदियाल मिह पुत्र श्री नाना मिह गाट गे० नाना तहसील फिल्हौर श्री पारा मिह जग्जैन १५३, १८३०० मिह पुत्र श्री नरवन मिह पुत्र श्री माया मिह वासी दोमामा, नलां तहसील फिल्हौर। (अन्तरितों)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैमा दि० न० २ में है। (वह वाकिं जिनके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्रा०/प्रीता०/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखा हो। (वह वाकिं जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में घासापरिभाषित हैं, वही भर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुगूमी

धरनी जैमा दि० रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3623 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अश्रिकारी, जैग में लिखा है।

दी० ए०म० गुप्ता
मन्त्री प्राधिकारी
वहाग ६ आप्र० प्राग० निरीक्षण
अर्जन रेज अमूलमर।

तारीख: 29 मई, 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे राठ दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहग्रह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश मं० अमृतसर/जीग/ग०पी०-९८७/७४-७५—यत मुझे
इ० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3624
नवम्बर 1973 लिखा है जो तलवडी नपाली में स्थित है (और
इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जीग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 वा 16) के अर्थात् 1973 नवम्बर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
मा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वाई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर-
देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुलवीर कौर पत्नी श्री परमजीत मिह पुत्र श्री हरकिशन
मिह वामी तलवडी नपाला तहसील जीग भारकन श्री
मोहगा मिह मुख्तार आम (अन्तरक)

श्री मलकीयत मिह पुत्र श्री गुलजारा मिह पुत्र हीरा मिह
और श्रीमती गुरुचेत कौर पत्नी श्री मलकीयत मिह
वामी गरहा त० फिलौर गणा वलजीत मिह ग्रेवाल पुत्र
श्री गुरदियाल मिह पुत्र श्री मोता मिह वासी कोट ग्रेवाल
श्री प्यारा मिह, जरनैल मिह, तरलोक मिह, पुत्र श्री
मरवन सिह पत्र श्री माया मिह वासी दो मासकलां त०
फिलौर (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में श्रीधीहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मच्चि रखता है। (वह
व्यक्ति जिसके द्वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्व है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है सो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3624 नवम्बर 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जीग में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज अमृतसर)।

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे याट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर कार्यालय

तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० ASR/ARA/एपी०-988/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपय से अधिक है और जिस की सं० धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3625 नवम्बर 1973 में लिखा है, जो तलबांडी नेपाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ यापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ग्रमग्रीन मिह पुत्र श्री महंगा मिह पुत्र भगवान मिह वामी तलबांडी नेपाला नहमील जीरा मारफत श्री महंगा मिह (पिता) (अन्तरक)

(2) मल कीयत मिह पुत्र गुलजारमह या हाग मिह ग्रामी श्रीमती गुरज्जेत कौर पत्नी मनकीयत मिह वामी गड़ा तहसील फिलौर राणा बलजीत मिह गरेवाल पुत्र गुरदयाल मिह पुत्र भोता मिह वासी कोट गरेवाल तहसील फिलौर प्यारे मिह जरनैल मिह तख्लोक मिह पुत्र मवनती मिह पुत्र भामा मिह वासी दुसज कला तहसील फिलौर। (अन्तरिती)

- (3) जैमा फि न० 2 पर लिखा है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ने अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा फि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3625 नवम्बर 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता
वहाय ह आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)।

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर कार्यालय
तारीख 29 मई 1974

निवेश सं० ASR/मोगा/एपी-989/74-75--यत. मुझे
डी० एस० गुप्ता महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बंगलूरु आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5738 नवम्बर 1973 लिखा है जो गाव, भीविहा में स्थित है और (इसमें उपावद्ध अनुमूल्यों में अंतर पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय भोगा गे भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास धरने था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तर्गती (अन्तर्गतीयों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गिर्वी राम पुत्र श्री दीक्षित राम मुख्यालय आम मनोहर लाल, गांधाप कुमार पुत्र श्री गिर्वी राम और गृण कुमार पुत्र श्री गिर्वी राम मोगा।

- (2) म० प्रेम मिह, उजागर मिह पुत्र श्री मेहर मिह गांधी मालकी तहसील मोगा (अन्तर्गती)
- (3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में द्वितीय रूपता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)। वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिगूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर प्रत्येक व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5738 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, मोगा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सज्जम प्रधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

मोहर:

(जो नाम न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मण्डार

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्गलिय

अमृतसर तारीख 29 मई 1974

निर्देश गं० ए० ग्र० आ० ग्र० पी० आ० ग्र०/ग्र० ०पी-७७०/
७४-७५— यत्. मुझे, डी० ग्र० ग्र० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० धर्मी जैगा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 856
महीना नवम्बर १९७३ ई०, ३१ अहमदपुर में रित है (आ० इसमें उपावद्व लनुसूरी गे आ० पुर्ण रूप ने बिधित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यपा०, सुन्तानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1808 का 16) वा० अधीन नवम्बर १९७३
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कं
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच तय पागा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थ., छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पाब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-याही रूप करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, यदि, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) काना मिह सगृव श्री मूला मिह मुख्यार किशन कौर
पत्नी स० सुन्दर मिह वासी अहमदपुर तहसील सुलतानपुर लोधी
(अन्तरक)

(2) श्री ग्रामशेर मिह, साहित मिह मगृव काला मिह वासी
अहमदपुर तहसील सुलतानपुर लोधी (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 मे० वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे०
अधोहस्ताकर्ता जाना है

(4) कोई व्यक्ति जो भग्नानि मे० रूचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताकर्ता जाना है कि वह भग्नानि
मे० हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पंधो व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकर्ता के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 856 नवम्बर १९७३
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुन्तानपुर लोधी में लिखा है।

डी० ग्र० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सलायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269प (1) के अधीन सूचना
 भारत मरकार
 कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज अमृतसर
 अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/एस०आर आर/एपी-991/74-75
 यतः मुझे डी०एस० गुप्ता महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की म० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 862 नवम्बर 1973 लिखा है, जो गाव अहमदपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुलतानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना; और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री वाला मिह पुत्र मूला मिह मुख्तशारनामा किशन कीर पत्नी श्री मुन्दर मिह वामी गाव अहमदपुर तहसील मुलतानपुर लोधी (अन्तरक)

- (2) श्री जगीर मिह पुत्र श्री मुला सिह, जसबीर मिह पुत्र जगीर सिह वासी अहमदपुर तहसील मुलतानपुर लोधी (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा ग्रहना हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी रजानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 862 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतानपुर लोधी में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहर :

प्र॒ष्ठा आई० टी० एन० एस० ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० ए० प्र० आर०/प्र० पी० आर०/गपी० ७५२/७४-७५—
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 883 नवम्बर 1973 को लिखा है, जो गाव अहमदपुर मे स्थित है (और इसमे उपावन्द अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर लोधी मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काला मिह पुत्र थी भूला मिह मुख्तयार किशन कोर पत्नी सुन्दर मिह वामी अहमदपुर तहसील मुलतानपुर लोधी

(2) श्री रेणम गिह, शिवराज मिह, कण्मीरमिह, ममरजीत मिह पुत्र भूना गिह वामी अहमदपुर तहसील मुलतानपुर लोधी।
(अन्तर्गती)

(3) प्रैमा फि न० २ पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधीहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुची रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथारिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख न० 883 नवम्बर 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतानपुर लोधी मे लिखा है।

डी० एम० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

अमृतसर, तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० अमृतसर/जालंधर/पी-993/74-75—यतः

मुझे ढी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० धर्गती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 7189 नवम्बर 1973 लिखा है जो जेल रोड, जालंधर में
स्थित है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973
नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
शाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नै० कर्नेल ई० ए० मित्तर पुत्र श्री एम० एल० मित्तर
मार्फत जी० ए० श्री सिकदर लाल शर्मा पुत्र श्री एन०
एन० शर्मा हन्सपैक्टर बामी जतवारा दरिया गंज,
दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री मुश्हिदर कुमार, प्रमुख कुमार, पर्वदर कुमार पुत्र
श्री देव गज, 35, मिलन कल्पांड जेल रोड, जालंधर
(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरों जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

धर्गती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7189
नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा
है।

श्री० एम० गुप्ता
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन मूज्जना

भारत भरतार

पार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० अमृतसर/ जालंधर/एपी-994/74-75—यतः
मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिमकी गा० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 7188 नवम्बर 1973 लिखा है जो जेल रोड जालंधर मेरिथ है
(और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालंधर में भागतीय रजिस्ट्रकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया गे०से अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप
मे कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यत में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण मे, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—196GI/74

(1) नै० कर्नल ई० ए० मिनर पुत्र श्री एन० एन० मित्तर मार्फत जी० गे० श्री मिकदर लाल शर्मा पुत्र श्री एन० एन० शर्मा इंस्पैक्टर वासी जतवारा, दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) महेमावनी पत्नी श्री देव राज पुत्र श्री खरेती लाल जैन, 35 मिशन कम्पाउड, जालंधर (अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधीहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वास्थ्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7188 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालंधर मे लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 29 मई 1974

निदेश सं० अमृतसर/जालंधर/गपी-995/74-75--यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसमें धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
7188, 7189, 7335, 7336, 7353 नवम्बर 1973 लिखा
है, जो जेल रोड, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
हैः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अच्छने के लिए सुकर बनाना ; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मिमेज हाजल अण्डस्यम विधवा ई० एफ० अण्डस्यम
वासी 37-एल माडल टाउन जालंधर, लै० कर्नल

ई० ए० मित्तर पुत्र श्री एन० एल० मित्तर मार्फत
जी० ए० श्री मिकदर लाल शर्मा पुत्र श्री एन० एन०
शर्मा, इन्सपैक्टर वासी जतवारा दरिया गंज, दिल्ली
(अन्तरक)

- (2) श्री मुनिदर कुमार, अभय कुमार, पविंदर कुमार पुत्र
श्री देव गज, श्रीमती मेहमा वती पन्नी श्री देव राज
35, मिशन कम्पाउंड, जालंधर (अन्तरिती)
- (3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में न्यून रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती के टुकड़े जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7188,
7189, 7335, 7336, 7353 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 मई 1974 ।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैगलूर का कार्यालय

तारीख 16-7-1974

निवेश मं० मि० आर०-62/1973 प/73-74 एसीबू (बी)—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० 11 है, जो कुमारा कृष्ण रोड, बैगलूर में स्थित
है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आम-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तात् :—

1. (1) श्री के० एस० भानू

(2) श्री मुरली भानू अवयस्क द्वारा समरक्षक श्री के० एस० भानू, नं० 6, I क्रास, श्रीकाश्मी, जयमहल एक्सटेनशन बैगलूर-6 (अन्तरक)

2. श्रीमति परिमला देसाय नं० 44, कुमाराकृष्ण रोड, हैम्पौन्डस, बैगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें :

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फदों वा, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथार्पारभापित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संट नं० 11, कुमारा काट ले औट, कुमारा कृष्ण रोड हैम्पौन्डस, बैगलूर जिसकी सीमा 40' × 70' है।

आर० कृष्णमूर्ति
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैगलूर

तारीख : 16-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज,

वैगलूर, तारीख 16-7-1974

निहें सं० सि० आर० 62/1973 बी०/73-74/एसीक्यू(बी)
यतः मुझे आर० क्रिणमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 10 है, जो कुमारकाट, कुमारकूपा रोड, बैंगलूर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर
में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) के० एम० भानू (2) मुरली भानू अवयस्क •
द्वारा समरक्षक श्री के० एम० भानू नं० 6, "धीक्रिण"
क्राम जयमहल एक्सटेनशन, बैंगलूर-6। (अन्तरक)

2. श्री डा० पी० आर० देसाथ, नं० 44, कुमारा कृष्ण रोड,
हैंगलूर। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथार्पित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 10, कुमारकाट ले औट, कुमारा कृष्ण रोड,
हैंगलूर जिस की सीमा 40' 70'।

आर० कृष्णमूर्ति,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 16-7-1974।

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, का कार्यालय

बैगलूर, ता० 22-7-1974

निर्देश मा० मि० आर० 62/1919/73-74—यतः मुझे
आर० क्रिणमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैगलूर आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिन की मा० मकान ना० 46 (पुराना ना० 452/ए) है, जो
मज्जन राष्ट्र रोड, विश्वेश्वरपुरम, बैगलूर में स्थित है (और इसे
उपादान अनुसूची में शाँ धूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवनगुडि, बैगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच सद्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री गामसुन्दर हरगोविन्द मन्ना वजाज “रश्म विलन्डिंग”
प्लाट ना० वी०-3, III फ्लोर, कारमेकेल रोड वस्मबैंड-26
(अन्तरक)

2. श्री वी० पी० अनार्का खान भागीदार M/, नेशनल
ट्रावलम ना० 46, मज्जनगाव रोड विश्वेश्वरपुरम,
बैगलूर-4 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अतिरिक्ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है
आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहो
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान ना० 46 (पुराना ना० 452/ए) जो सज्जनराव रोड,
विश्वेश्वरपुरम, बैगलूर-4 में स्थित है।

आर० क्रिणमूर्ति
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैगलूर 7

तारीख : 22-7-1974

मोहर:

(जो लागे न हो उसे काट दीजिए)

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 17 जुलाई 1974

निदेश स० भी०आर० 62/1952/73-74/एसीक्य० (बी) ——
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी मूल्य 241/2 है, जो अपार प्लास आरचंडम, बैंगलूर
में स्थित है (अंग्रेजीमें उपाचार अन्मूर्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुमार अन्वयित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री नवीन चन्द्र चतुरभुज मजीथिया
(ii) श्रीमती प्रकुल नवीनचन्द्र मजीथिया नं० 268,
प्लास अपर आरचंडम, बैंगलूर-6 (अन्तरक)
2. श्री ए० एन० श्रीनिवासा, नं० 9 और 10, कास
रामकृष्णपुरम प्र० स्पेनेशन, एस० सी० रोड, बैंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

खुली जगह नं० 241, नया नं० 241/2, अपर प्लास
आरचंडस, बैंगलूर।

आर० कृष्णमूर्ति
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 17-7-1974

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज 4, बम्बई
बम्बई, तारीख 17 जुलाई 1974

निर्देश सं० अ०म० 168/नि० म०आ०, अ०ई० 4/74-75-
यतः मुझे थी ग० मो० गव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4 बम्बई आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी प्लाट सं० 7 मर्वे सं० 42 हिस्मा सं० 2 (अंश)
है, जो नाहर में स्थित है (ग्रीष्म उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6 दिसंबर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धास्तक्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

वतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परशुराम डब्लू० पाटील और अन्य, 307 व्हिलेज
रोड, मुनुडु, बम्बई 801 (अन्तरक)

(2) रिज्जन बैंक आफ इन्डिया स्टाफ मुलुंड सहकारी सोसायटी
लि०, आर० वी० आय० एम० वी० गोड, दादर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नाहर (मुनुडु), रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई
नगर और बम्बई उपनगर में प्लाट नं० 7, जो मर्वे नं० 142 हिस्मा
नं० 2 (अंश) का अंश है।

ग० स०० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4 बम्बई ।

तारीख : 17-7-1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, बम्बई कार्यालय

बम्बई, तारीख 25 जूलाई 1974

निर्देश मा० पा० 171/आई० एम०/ग आव IV/74-75—
यतः मुझे गा० सो० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मा० 24 ग्रा० नं० 2 है, जो माकी गाव
में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 9-11-1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनाथै अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रामा सी० रीवाया, करीम चेम्बरम, पटेली
मंजिल फोर्ट बम्बई (अन्तरक)

(2) टेलेरगड पा० लि० चान्दीवली, माकी विहार रोड
बम्बई 40072 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यवि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के सभ्य सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माकी विहार रोड पर प्लाट नं० 25 हिस्सा नं० 2 माप में
1573 वर्गमीज जो माकी गांव अंधेरी-बम्बई में स्थित है।

गा० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4, बम्बई

तारीख : 25 जूलाई 1974
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चार बम्बई कार्यालय

तारीख 25 जुलाई 1974

निर्देश सं० एपी१९०/ए०सी०/एआर- /74-75— अतः
मुझे ग० स०० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
चार बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० एस०एन० 147(पार्ट)है, जो कांजूर में स्थित
है (और इसमें उपावश्य अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
7 नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—196G1/74

- (1) हिन्दुस्तान कन्स्ट्रक्शन कं० लि० कननस्ट्रैशन हाउस
बेलाड इस्टेट बम्बई (अन्तरक)
- (2) चेलना एपाटमेन्ट को० ओ० हाउसिंग सोसाइटी
जंगल-मंगल रोड गोडूटा बम्बई (अन्तरिती)
- (3) राम लालसी महाराज और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) के० आर० प्रायर और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या खाली जमीन का भाग या जमीन जो कांजूर
में स्थित हैं और माप में 3266 वर्गगज यानी 2738.80 वर्गमीटर
हैं रजिस्ट्रेशन उप-जिला लान्द्रा जिला बम्बई उपनगर में स्थित हैं
उत्तर की ओर से भगवान भवन द्वारा, दक्षिण की ओर से त्रिवेणी
द्वारा कालीदास की जायदाद द्वारा, पूर्व की ओर से नाला द्वारा और
पश्चिम की ओर से जंगल-मंगल रोड प्लाट नं० 147 (भ्रा) द्वारा

ग० सी० राव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चार बम्बई

तारीख 25 जुलाई 1974
मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चार बम्बई

तारीख 25 जुलाई 1974

निर्वेश सं० एपी 169/IAC/AR-IV /74-75—अतः
मुझे ग० सो० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज चार, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम० नं०
79 एच० नं० 17, एस० नं० 79 एच० नं० 14 ए (अंश),
सी० टी० एस० नं० 781 और 777 (अंश) है, जो मरोल गांव
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद्य के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित घ्यक्षितों अर्थात् :—

1. श्री दत्ता गुप्ता 20, कमरस्थिल चेम्पारस मस्जिद सन्दर्भ
रोड बम्बई-3 (अन्तरक)
2. महमद ग्राली गुलाम हुसैन अल्लादिन मकान नम्बर 16
पेदर रोड, बम्बई-26 (अन्तरिती)
3. ज्ञोपषपट्टी वालों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव मरोल, अधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में भूमि जिसका सर्वेक्षण
नं० 69 हिस्सा नं० 17 थोल 242 वर्गमील और सर्वेक्षण नं० 79,
हिस्सा नं० 14 ए (अंश) 1665, 37 वर्गमील जिसका क्रमणः
सी० टी० एस० नं० 781 और 777 (अंश) है।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चार बम्बई

तारीख : 25 जुलाई 1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज I

कलकत्ता तारीख 24-7-74

निवेश स० टी० आर०-1364/पि-281/कल०-I/73-74—
यतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है और जिस की स० 76 है, जो गणेश चन्द्र एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ण प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 28-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:-

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:-

राजेन्द्र नाथ मलिक (अन्तरक)

हिन्दू फायरेस प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियमित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

76, गनेशचन्द्र एवेन्यू स्थित सम्पत्ति (मकान), जो कि 3 कट्टास, 2 छोटाक्स, 16 वर्गफीट भूमि पर बना हुआ है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

तारीख : 24-7-1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० · · · · ·
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज III कलकत्ता का कार्यालय
 हुगली तारीख 23-7-1974

निर्देश सं० 140/एकुरे III/73-74/ यतः, मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो बड़ाबाजार चन्दननगर थाना चन्दननगर, हुगली में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय द्वि रिजिस्ट्रार आफ इसुरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 22-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृद्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री फरीद नाथ नन्दी
 28, महर्षी देवेन्द्र रोड,
 कलकत्ता
 आफिस : 3/3 महर्षी देवेन्द्र रोड
 कलकत्ता (अन्तरक)

2 युनाइटेड नसिंग होम कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड
 बड़ाबाजार, चन्दननगर, जिला हुगली (अन्तरिती)

3 श्री एस० एन० राय
 बड़ाबाजार, चन्दननगर हुगली
 वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ५८ व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब . 103 एकर जमीन साथ उस पर प्रबस्थित दो तल्ला मकान जो बड़ाबाजार चन्दननगर, जिला हुगली में स्थित हैं और जिसकी मौजा चन्दननगर, खतियान सं० 350, दाग सं० 619 थाना चन्दननगर, जिला हुगली है। वे दलिल सं० 393/74 अनुसार हैं।

एल० के० बालसुब्रमनियन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज III, कलकत्ता

तारीख : 28-7-1974

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज I

बम्बई, नारीख 26-7-1974

निर्देश स० अ० ई० 1/611-6/नवम्बर-73— अतः
 मुझे श्री श० फड़के सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
 रेज I बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिस की स० सी० एस० न० 99 फोर्ट डिविजन है, जो एकस-
 प्लनेड रोड और बेल लेन के जक्षन में स्थित है (और इससे उपावड़
 अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 26-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
 मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
 के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
 शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
 अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
 के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कार्य करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री अर्वेश्वर बोमानजी ए० दुभाष (अन्तरक)
- 2 मेसर्स उमिला एण्ड को प्रा० लि० (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या पेन्थन और पट्टा भूमि का भाग साथ में गृह-वाटिका, निवास और बहा पर बनी “आगरा बिल्डिंग” के नाम से जात भवन जो एक्सप्लेनेड रोड (अभी महात्मा गांधी रोड के नाम से जात) और बेल लेन बम्बई के समग्र पर स्थित, मौजूद और पड़ी है। रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई में सप्रहक का नया न० 4909 नया सर्वेक्षण न० 9468, कैंडेस्ट्रेल सर्वेक्षण न० 99, फोर्ट डिविजन और असेसर और म्य० भाव एवं करो के सप्रहक द्वारा ‘ए’ बाई न० 1145 स्ट्रीट न० 117, 1 से 5 महात्मा गांधी रोड और बेललेन जो माप में 685 वर्ग गज समकक्ष 573 वर्ग मीटर या आसपास है, के अन्तर्गत निर्धारित है और इस प्रकार घिरा हुआ है : प्रथात् उत्तर की ओर से बेल लेन द्वारा, दक्षिण की ओर से बाई मानिक बाई और मोतीबाई की जायदाद द्वारा और पूर्व की ओर से हामेसजी धनजीशाप चिस्त की जायदाद द्वारा और पश्चिम की ओर से एक्सप्लेनेड रोड अभी महात्मा गांधी रोड के नाम से जात, द्वारा।

श्री श० फड़के
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज I, बम्बई

तारीख 26-7-74

मोहर

(जो नागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I मद्रास

मद्रास, तारीख 26-7-74

निर्देश सं० IX/3/208/73-74—यतः, मुझे को वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हथये से अधिक है और जिस की स० आर० एस० मं० 263-ए/ए/ए और आर० एस० सं० 263-2 ए आई० ए है, जो कोडकानल मे स्थित है (और इससे उपादान मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० II, मद्रास मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

धौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात्—

(1) दि लण्डन मिशनरी सोसाइटी (अन्तरक)

(2) प्रेस एम्मा वाडेल (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की सामील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे व्यापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० 263—आईएआईए और आर० एस० सं० सं० 263-2 एआईए मे “चार्लस मौट” नामक मकान जो साईंट मेरीस रोड, कोडकानल मे स्थित है—खाली भूमि 3.10 एकर और 1060 स्क० की० का मकान।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास I।

तारीख 26-7-74

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

लखनऊ, तारीख 23-7-74

निवेश सं० 30-एम/एक्यू—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और जिम की मं० 557-म, 814-स
तथा 815-म है, जो जिला-लखनऊ में स्थित है (और उससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मोहून लाल गंज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ब्रह्म स्वरूप वर्मा (अन्तरक)

2. श्री मुम्मन मिह व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

दो किता कृषिक भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 बीघा, 1 बिस्वा
तथा 15 बिस्वांसी एवं 5 बीघा है, क्रमशः ग्राम डलौना तथा
पुरमरा, जिला लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 23-7-1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज

भोपाल, तारीख 25-7-74

निवेश सं० स्व० रजि० छिन्दवाड़ा 30-11-73—प्रतः
मुझे एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० जमीन ख० नं० 404/405/वी० नं० 177 पी० एच० 100 परिया 39000 वर्ग फीट छिन्दवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मे भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दन्तह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरु प्रसाद पुत्र श्री ऊंकारबक्स श्रीवास्तव, द्वारा डा० गोविन्द प्रसाद पुत्र ऊंकारबक्स श्रीवास्तव कटोरा तमाव गयपुर (म० प्र०)

2. श्री सरताम सिह, श्री बिमे सिह द्वारा पुत्र श्री हरवंस सिह पुत्र जय मिह गांव पिपरिया, तहसील मुहागपुर जिला होशंगाबाद (म० प्र०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रितष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्पद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्पद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

जमीन ख० न० 404/1, 405/1 वी० न० 177 पी० एच० 100 परिया 39000 वर्ग फीट छिन्दवाड़ा

एम० एफ० मुन्ही
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भोपाल

तारीख 25-7-74
मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चार

बम्बई, तारीख 25 जुलाई 1974

निर्देश सं० एपी 173/IAC. AR-IV/74-75—अतः
मुझे, ग० स० राव महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चार, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० एस० नं०-360 (एच० नं० 24) एस० नं०
368, एच० नं० 12, एस० नं० 347 एच० नं० 1 है, जो कोले
कलयाण में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ये किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुल्करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० बी० के० राव 1 काला नगर बान्दा (पूर्व) बम्बई नं० 400050। (अन्तरक)
2. नव स्वधरकुल सहकारी घर बांधुणी संस्था (मर्यादित) हाजी कासम चाल कापर स्मिथ रोड, डाकयार्ड रोड, बम्बई नं० 10। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या जमीन की सीधा या जमीन जो गांव कोले-कल्पण (वकोला) अभी बृहत्तर बम्बई में शामिल, स्थित मौजूद और पत्ती हैं और रजिस्ट्रेशन उप जिला बान्दा और जिला बम्बई उपनगर में :—

सर्वेक्षण नं०	हिस्मा नं०	क्षेत्र
		ए० गु०
360	24	0 — 18
368	12	0 — 24
347	1	0 — 1
		कुल 1 — 3

यानी 5592. 6 वर्गमीटर समावक्ष 4676 वर्गमीटर साथ में ज्ञाड़ियाँ वृक्षों और उसके साथ में कुएं और साथ में रोड और /या पहले से वही स्थित संरचनाएं और संलग्न प्लान में काले रंग से सीधा रेखा दर्शायी गई है और जो म्युनिसिपल करों के निधारिक और संग्रहक द्वारा नं० 7219(1), 7219(2), 7219(3), 7219(1-डी) स्ट्रीट नं० 2-36 ए, 1-36 3-39 (1-डी-36 डी) और जिसका नगर सर्वेक्षण नं० 3409, 3410, 3411, 3412 और 3413 है के अन्तर्गत कर निर्धारित है और इस प्रकार घिरा है अप्रति—पूर्व की ओर से नगर सर्वेक्षण नं० 3333, 3332, 3330 और 3423 की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से नगर सर्वेक्षण नं० 3473, 3414, 3415, 3419 और 3422 की जायदाद द्वारा पश्चिम की ओर से नगर सर्वेक्षण नं० 3473, 3474, की जायदाद द्वारा और उत्तर की ओर से नगर सर्वेक्षण नं० 3408 की जायदाद द्वारा।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चार, बम्बई

तारीख : 25 जुलाई 1974
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चार

बम्बई, तारीख 25 जुलाई 1974

निरोग सं० AP/74/IAC. AR-IV/74-75—अतः मुझे
ग० सो० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और
जिस की सं० एस० नं० 25 एच नं० 2 है, जो साक्षी गांव में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
20-12-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच सय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री मी० डी० वैध्या करीम चैम्बर्स, फोर्ट बम्बई नं०।
400001 (अन्तरक)

2. टेनेराड प्रा० लि० साक्षी बिहार रोड चान्दीचली, बम्बई
400072 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरांधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

भूमि, माप में 2132.32 वर्ग मीटर जिसका सर्वेक्षण नं०
25, हिस्सा नं० 2 है गांव साक्षी, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चार, बम्बई

तारीख : 25 जुलाई 1974
मोहर:

प्र० आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
कार्यालय अर्जन रेज चार

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई, 1974

निर्देश स० ए० पी० 172/आई०-एसी एआर-IV/74/75
यत् मुझे ग० सी० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन संधारन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० प्लाट न० 28, 324 by amendment S. No. 92 H. No. 2 (p.) and S. No. 94 (p.) है, जो नाहर गांव से स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्री-अधिनियम, 1908 (1908 16) के आधीन 28-11-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीक्षण विनेश के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह नि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पा०। गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन 17 देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः शब्द, धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) श्री मित्रद्वा दिलरम प्रा० लि० 14 गर्डमेंट प्लेस (पूर्व)
कলकत्ता। (अन्तरक)

(2) हैन्डलूम (इन्डिया) और गारमेंट इन्डस्ट्रीज प्रा०
लि०, 59 फोरबीस स्ट्रीट बम्बई-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्व स्वतन्त्र भूमि जिसका संशोधन होता 3 एक्ट 4 प्लाट न० 28, 7459. 14 बर्ग मीटर और जिसका मर्क न० 94 हिस्सा न० 2 (अंश) और स० न० 94 (पाप) में 8951 वर्गमीटर नाहर गांव मुकुन्ड भूत्तर बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में स्थित है।

ग० स०० राव
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज (चार) बम्बई।

तारीख : 25-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1974

सं० टी० आर० - 1351/मि० - 279/कल-1/73-74—यतः
मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट न० 3 व 5 प्रिमिसेस न० 9/1 और 9, प्रिमिसेस का 7 न० प्लाट का 2/15 हिस्मा है, जो मिडिलटन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एश्युरेन्स 5 गवर्नमेन्ट एलेम नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दि एण्ड सांधाई ब्लाक कारपोरेशन मार्क्टटाईल बैंक लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) दि भिटी सेंटर प्रापरटीज (प्रा०) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्तमाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

पृष्ठोंकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाप्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9/1न० प्रिमिसेस का 3 और 5 प्लाट न० और 9 न० प्रिमिसेस का 7 न० प्लाट का 2/15 हिस्मा जो मिडिलटन स्ट्रीट कलकत्ता में अब स्थित है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 पि 13 चोरंगी स्कोयर कलकत्ता

तारीख : 24-7-74

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्देश सं० प्रमि०-२७/आर-II/कलकत्ता/७४-७५—यतः
मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की म० 10/1 है, जो डायमन्ड हारबर रोड़ आलिपुर कलकत्ता-२७ मे० स्थित है और इसमे० उपाबद्ध अनुमूल्य मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रेजिस्ट्रार, आलिपुर मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-11-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीबृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन के फारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे०, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ भी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुदोध कुमार दे,
गोपालपुर, गन्जाम जिला,
उडीमा।

(अन्तरक)

2. मेमरम छबरिया इन्जीनियरिंग कं०,
2-ए, गाँवल मुखर्जी गोड़,
कलकत्ता-२५

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैंग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे० यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुमूल्य

10/1, डायमन्ड हारबर रोड़, आलिपुर, कलकत्ता-२७ मे० स्थित, 3 कट्टाम, 5 चिट्ठाम, 15 वर्ग फीट नाप का खाली जमीन।

एग० के० चक्रवर्ती

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

पि-१३, चोरंगी स्क्वेयर, कलकत्ता-११।

तारीख : 10-7-1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 10-7-1974

निर्देश मा० एस-28/आर-II/कलकत्ता/74-75—यतः, मुझे एम० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० 10 ग्री है, जो डायमन्ड हारबर रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकण अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रेजिस्ट्रार, 24 परगना आलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितरणों, अर्थात्:—

श्री सुबोध कुमार दे,
गोपालपुर, गंगाम जिल्ला,
उड़ीसा।

(अन्तरक)

मेसरम छबरिया इन्जीनियरिंग कॉ०,
2-ए, राखल मुखर्जी रोड,
कलकत्ता-25

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति का

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10-वि॒ डायमन्ड हारबर रोड, कलकत्ता-27 में स्थित, 6 कट्टाम, 11 चिट्ठाक्ष, 11 वर्ग फीट नाप का जमीन

एम० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II

तारीख: 10-7-1974

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

60/61, परंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004,

पूना-411004 तारीख 11-7-74

निर्देश मं० सी० ए०/५/डिमेंटर/७३/करवीर १२५/७४-७५-यतः; मुझे जी० कृष्णन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० आरा० एम० ए० 584 प्लाट ए० 45 से 54 और 55 से 68 तक है, जो करवीर कोल्हापुर महानगरपालिका में स्थित है (और इससे उपावण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करवीर (कोल्हापुर) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन २१-१२-७३ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए रुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) श्री शाम० गार चौधूरा मर्तिम वार्ड बी मगलवार पेठ, कोल्हापुर
- (2) श्री रविन्द्र शाम०ग मर्तिम वार्ड बी, मगलवार पेठ, कोल्हापुर (अन्तरक)
2. श्री पंडितराव कृष्णाजी शिंदे 2406/इ वार्ड कोल्हापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रखेंगे।

एतद्वारा यह अधिग्रचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आरा० एम० शमा० 584 कमवा करवीर कोल्हापुर महानगरपालिका में क्षेत्र 11 एकड़ 22 गुठे=हेक्टर 4 आरा० 62। इस भूमि में समान 1/3 हिस्से की जमीन/ इस भूमि में सरकार ने मंजूर किये हुए, ले ग्राउंट और प्लान के अनुसार—

प्लाट्स 45 से 54 तक और 55 से 68 तक

कुल प्लाट्स की संख्या—24

प्रत्येक प्लाट का क्षेत्र 3200 वर्ग-मीटर्स

कुल क्षेत्र 76,800 वर्ग फिट याने 7128 फीटर्स फी होल्ड।

जी० कृष्णन
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 11-7-74

मोदूर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1974

स० आर० ए० सी० 18/74-75—यत् मुझे प्रम० बाला
सुब्रमनियम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ख्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और
जिस की मं० 5-8-292 में 314 है, जो राम बाग चिराग अनि
गनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमची में और पूर्ण रूप में
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरगाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्त्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) भगत राम पाल, राज भवन रोड, बेगमपेट, हैदरगाबाद
(अन्तरक)

(2) शकरनाल विवेदी वर्गरा नं० 6 चितकट, पांचगड़ा,
हैदरगाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 5-8-293 ता 314, रामबाग, चिरागली लेन,
हैदरगाबाद।

एस० बाला सुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

तारीख : 12-7-74

मोहर.

प्रूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई, 1974

सं० आर० ग० सी० 19/74-75 :—यतः मुझे, एस० बालमुखमण्डिम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-277 से 292-320/1 है, जो राम बाग चिरागली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 नवम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—196 GI/74

1. श्री भरत राम भूपाल, मोनटगोमरी, होटल मिकिन्ड्राबाद, (अन्तरक)

2. श्री शंकर लाल वर्गेरा विक्रकूट काचिंगडा हैदराबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 5-8-277 वा 292 और 5-8-320/1
चिरागली केन, हैदराबाद, ।

एस० बालमुखमण्डिम,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1974

निरेश सं० 834/73-74 :—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10, कस्तुरि रेथ ऐयघार रोड मद्रास-18 है, जो मद्रास-18 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर आधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० सरोजिनि देवि, घोषितेनिपुरम घुडूर, नेलूर (अन्तरक)

(2) श्री पि० रामचन्द्र राजू और श्रीमती पि० लीला देवी, सं० 1 काण्णान स्मित रोड, गोपालपुरम, मद्रास-86 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मद्रास, मैलापुर, कस्तुरि रंग ऐयघार रोड, डोर सं० 10 में भूमि (मिनि टियेटर के साथ) जिसका आर० एम० मं० 1575/5 (भाग) (2 3/4 ग्राउण्ड)

(ए० रागवेन्द्र राव),
मकान प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास,

तारीख : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 जुलाई, 1974

निदेश सं० 973/73-74 :—यत्., मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/140 ए० और 1/140 बी०, मोण्ट रोड और सं० 1 कम्मालर स्ट्रीट, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जायिण्ट मब रजिस्ट्रार-II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 नवम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मोहम्मद यिक्काल, 5-बी०, डाक्टर रंगचारि रोड, मद्रास-4
(अन्तरक)

(2) श्री एम० बी० बड़मनाबन, एन० बी० मुमरमनियन, एन० बी० हरिहरन, एन० बी० रामकृष्णन, ए० बी०, घोपाल कृष्णन, नुरति गांव, पालघाट तालुका केरला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— सभी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, मोण्ट रोड, डोर सं० 1/140-ए० और 1/140-बी०, और कम्मालर स्ट्रीट डोर सं० 1 में 2070 स्क्युर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 11 लाई, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1974

निदेश सं० 974/74-74 —यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 47, वालाजा रोड, ट्रिलिपकेन मद्रास है, में स्थित है (और इससे उपावढ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जायिण्ट सब रजिस्ट्रार-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया भया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एन० कर्पेंटलिन, 28 श्रहनाचल आसारि-स्ट्रीट, ट्रिलिपकेन, मद्रास-5
(अन्तरक)

(2) श्री के० जयरामन, 5, कायतेरि अम्मन कोपिल वेस्ट स्ट्रीट, सिद्धम्बरम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उपर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताम्रील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ट्रिलिपकेन, वालाजा रोड डोर सं० 47 मे 1462½ स्क्युर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका आर० एम० सं० 3022/17।

ए० रागवेन्द्र राव,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 9 जुलाई, 1974

निर्देश सं० सी० ए०/५/डिसेंबर/७३/श्रहमदनगर-१२४/

74-75 :—यत्, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्युनिसिपल घर. क्र०-4674 मि० म० क्र०-4634/२ वाई क० ९ है, जो श्रहमदनगर मे॒ स्थित है (और इससे उपाबृ॒ अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप मे॒ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदनगर मे॒ भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 विमन्वर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे॒ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे॒, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री केशव राणू जावले
(2) श्रीमती मिमांबाई केशवराव जावले, सिन्दी बाग, अहमदनगर (अन्तरक)
2. (1) श्री कोडोपंत रामचन्द्र पावसे
(2) श्रीमती लक्ष्मीबाई कोडोपंत पावसे
(3) श्री हारीभाऊ कोडोपंत पावसे बामुक गाव, तहसील पाथरी, जिला अहमदनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबृ॒ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे॒ किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे॒ पर्याप्तिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग वाई क्रमांक 9 अहमदनगर मे॒ जिसका म्युनिसिपल क्रमांक 4674 और मिटी सर्वे क्रमांक 4634/२ है।
बिल्डिंग -क्षेत्र 78 वर्ग मीटर्स तलावा मजला और पहला इमाला।

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 9 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आईटी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 अगस्त 1974

सं० अ० ई० 1/599-6/नवम्बर 73—अतः मुझे श्री शं० फडके, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० सी० एस० नं० 428 कोलाबा, डिवीजन है, जो बड़हाउस रोड और आरमिस्टन रोड के जंक्शन में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हिला पेसी भरोचा और श्रीमती परवेहन होरमुसजी कापाडिया। (अन्तरक)
2. श्री समर्थमल फुचंद सेठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अ० ई० 1/599-6/नव० 73—उपरोक्त प्रथम अनुसूची में वर्णित

पैतृक जमीन का वह तमाम टुकड़ा और घर की जमीन जो बड़ हाउस रोड और आरमिस्टन रोड के संगम पर नगर और टापू और उप-पंजीकरण जिला बम्बई में स्थित है, माप में 1460 वर्ग-गज समकक्ष 1220,-560 वर्गमीटर या आभास (सर्वेक्षण रजिस्टर के अनुसार 1475 वर्गगज समकक्ष 1233-38 वर्गमीटर) है और जो कि उत्तर-पूर्व में आरमिस्टन रोड द्वारा और दक्षिण-पूर्व में एकमोडेशन रोड द्वारा और दक्षिण-पश्चिम में बड़हाउस रोड द्वारा उत्तर-पूर्व में बड़हाउस रोड के प्लाट नं० 3 द्वारा और उत्तर-पूर्व में बड़हाउस रोड के प्लाट नं० 4 से मात्र और भू-राजस्व के कलेक्टर द्वारा लाटन्स सर्वे नं० 9563 का प्रांश, जिसका कडैस्ट्रेल सर्वे नं० 428, कोलाबा डिवीजन है, और जो भूनिसिपल ए० बांड नं० 1307 (5) स्ट्रीट नं० 27-7 और 2, बड़हाउस रोड और एकमोडेशन रोड और जग्ह 'बेनेट विला' के नाम से जात है, के अंतर्गत निर्धारित है, द्वारा घिरा हुआ है।

श्री शं० फडके,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई।

दिनांक : 5 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43 की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बम्बई अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

सं० अ० ई० 1/659-12/नव्हेवर 73—यतः मुझे शं० फडके, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन I बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एम० नं० 1264 (हिस्सा)/गिरगांव डि० है जो लेमिटेड रोड और गिरगांव बैंक रोड में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भी द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हिला पेमी भरोवा और श्रीमती परवेहन होमी कपाडिया। (अन्तरक)

2. श्री केशव शामराव तलपदे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या पेन्नान और कर मुक्त जमीन का भाग या जमीन साथ में उस पर बने गृह वाटिका और मकान या भवन जो लेमिटेड रोड और गिरगांव बैंक रोड के संगम पर स्थित और मीजूद हैं और त्रिभुवनदाम टेरेस के नाम से जात, रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई में, माप मे 2898 वर्गगज ममकक्ष 2425 वर्गमीटर या आमपाम, भूराजस्व संग्रहक के कार्यालय मे पंजीकृत हैं और जायदाद जिसका कलेक्टर का नया नं० 488 सी० आर० आर० नं० 103 पुराना सर्वेक्षण नं० 18, नया भवें नं० 7362 और कैडेस्ट्रोल सर्वेक्षण नं० 1264 (पी) और 3/1264 गिरगांव डिवीजन, बम्बई का एक भाग है, और म्यूनिसिपल भावों एवं करों के निर्वारक एवं संग्रहक, ए-चार्ड, नं० 1663(1), 1663(1ए), 1663(1बी) और 1663(1 सी) गली नं० 33ए, 211, 211ए, 211 बी, 1-2-2ए, 3 डी के अंतर्गत निर्धारित हैं और हम प्रकार धिरा हैं अर्थात् पूर्व की ओर से लेमिटेड रोड के द्वारा, पश्चिम की ओर से शपूरजी सोराबजी माहिमबाला की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से गिरगांव बैंक रोड द्वारा, उत्तर की ओर से परमानंद बल्लमजी और संलग्न प्लान में लाल रंग से दर्शाई गई सीमा रेखा द्वारा।

शं० फडके,
सक्षम प्राधिकारी
दिनांक 5 अगस्त, 1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

मोहर :

प्र० अर्थात् ३० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 1 अगस्त, 1974

सं० 6-ओ०/अर्जन—यसः, मुझे, के एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 125, 126 तथा 127 है जो जिला, सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सीतापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री प्यारे लाल जालान (अन्तरक)
2. श्री ओम प्रकाश मिहांनिया व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हुर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट्स जिसका क्षेत्रफल 1.42 एकड़ है, तथा जोकि दीवाल से घिरा हुआ है, जिसमें इमारत तथा आयल मिल है, मौजा तरीनपुर जिला—सीतापुर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी
दिनांक 1 अगस्त, 1974 सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-लखनऊ
मोहर :

प्रस्तुप श्राविं टी० एन० एस०————

मैसर्स रायल स्टील प्रा० नि०

(अन्तर्गती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क.र्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 अगस्त, 1974

सं० 22-आर०/अर्जन—यतः मुझे, के० एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 207 है जो जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल विलेख के अनुसार अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः म्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति :—

1. श्रीमती अर्जुरी बेगम

(अन्तरक)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत्याकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना द्वारा ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गत ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2 बीघा 7 बिस्वा वर्ग 5 बिस्वासी है, जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी
दिनांक : 1 अगस्त, 1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

मोहर :

प्र० प्र० आई० दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त, 1974

सं० अ० ई० 1/660-13/नवेबर-73—अतः मुझे शं० फड़के, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 95 सी० एस० नं० 1778 फोर्ट डिवीजन है, जो मरीन ड्राइव, में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मरीन-जिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवानदास हरजीवनदास चौधरी (अन्तरक)
2. कुमारी प्रतिमा टेक्स्टाइल प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का यह तमाम टुकड़ा, जो बम्बई सरकार के बैंकवे रिक्लेमेशन इस्टेट के ब्लाक नं० 1 में प्लाट नं० 95 से ज्ञात है, वहां पर बने गृहवाटिका, भवन या मकान निवास और “परिजात” के नाम से ज्ञात, पूर्व की तरफ या मरीन ड्राइव अभी “नेताजीसुभाष रोड़” के नाम से ज्ञात, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई, बम्बई टापू में स्थित है माप में 1929 वर्गगज या आमपाम है और भू-राजस्व के संग्रहक की पुस्तकों में, रेल्ट रोल नं० 10125 और कैडेस्ट्रेल सर्वेक्षण नं० 1778, फोर्ट डिवीजन और म्यूनिसिपल करों एवं भावों के संग्रहक के पुस्तकों में, सी-वार्ड, नं० 22 और 8 एक की गली, मरीन ड्राइव के अन्तर्गत पंजीकृत है और इस प्रकार घिरा है अर्थात् पूर्व की ओर से उपरोक्त इस्टेट के प्लाट नं० 94 द्वारा, पश्चिम की ओर से मरीन ड्राइव या नेताजी सुभाष रोड़ द्वारा, उत्तर की ओर से उपरोक्त इस्टेट के प्लाट नं० 95 ए द्वारा और दक्षिण की ओर से 56 (छप्पन) फीट रोड़ द्वारा।

दिनांक 5 अगस्त, 1974

मोहर :

श० फड़के,

सरकारी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 1 अगस्त, 1974

स० 6-ओ०/अर्जन—यत०, मुझे, के० एन० मिश्रा, निरीक्षी
सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961,
1961 का 43 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० 125, 126 तथा 127 है जो, जिला-सीतापुर
में स्थित है (और उसमें उपावश्यक ग्रन्तिमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है
कि स्थावर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मरबती देवी जालान, द्वारा मुख्तार आम श्री प्यारे
लाल जालान। (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश सिहानिया व अन्य (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
में अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट्स जिसका क्षेत्रफल 0.73 एकड़ है तथा जो वीवाल से
घिरा है, जिसमें द्वारा अमल मिल है, मौजा तरीनपुर,
जिला-सीतापुर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 1 अगस्त, 1974

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

लखनऊ, दिनांक 1 अगस्त 1974

सं० 6-ओ०/अर्जन—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 125, 126 तथा 127 है, जो जिला सीतापुर
में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सीतापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही पूरु उपषारण के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारण
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों; अर्थात् :—

1. श्रीमती शोभा देवी जालान द्वारा मुख्तार आम
श्री प्यारे लाल जालान। (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश सिहानिया व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट्स जिसका क्षेत्रफल 1. 42 एकड़ है, तथा जोकि दीबाल
से घिरा हुआ है, जिसमें इमारत तथा आयल मिल है, मौजा-
तरीनपुर-जिला-सीतापुर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 1 अगस्त, 1974

अर्जन रेज, लखनऊ

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट बीजा।)

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1974

सं० एफ० 13/4/74-ई०-I (बी०) —भारत के राजपत्र, दिनांक 17 अगस्त, 1974 में मंविमंडल सचिवालय (कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, बिहारी, विस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, मागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 25 फरवरी, 1975 को एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (विषेध उपाधि II, पैरा 10)।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबद्ध गिरितयों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

(i) भारतीय विदेश सेवा (ख) (स्टेनोग्राफर उपर्युक्त कार्यालय का ग्रेड-II)	—*
(ii) रेल बोर्ड मञ्चिवालय स्टेनोग्राफर सेवा— ग्रेड-II, (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)	—*
(iii) केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर ग्रेड-II (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)	100 (इन में 15 रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा 8 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों वे उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)
(iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनोग्राफर सेवा—ग्रेड-II,	*
(v) केन्द्रीय सतकंता आयोग कार्यालय, दिल्ली, में स्टेनोग्राफर के पद,	*
(vi) भारत सरकार के कुछ ऐसे विभागों/ संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में स्टेनोग्राफर के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड मञ्चिवालय स्टेनोग्राफर सेवा/केन्द्रीय मञ्चिवालय स्टेनो-	

ग्राफर सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनोग्राफर सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से किसी एक अथवा एक से अधिक के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाधि I में उल्लिखित शूलक भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा-पद के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट :—इम परीक्षा के माध्यम में भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी स्टेनोग्राफरों की ही आवश्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हे लिखित परिक्षण तथा अंग्रेजी के स्टेनोग्राफी परिक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुशासित किया जाता है। (द्रष्टव्यः नियमावली के परिणाम-1 का पैरा 3)।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में यह स्पष्ट रूप से बतलाता होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छा-नुसार एक से अधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यताक्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं/पदों के लिए मूलतः उल्लिखित वरीयताक्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा करने का अनुरोध 31 अक्टूबर, 1975 को या उससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में न प्राप्त हो जाए।

5. परीक्षा में प्रवेश आहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण एक रूपया भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि मञ्चिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीश्वार्ड द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्वार्ड कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीश्वार्ड के स्थान पर पोस्टल आडैर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर एक रूपया नकद देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

मोटः— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धूलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पाग 14 अक्टूबर 1974 को या उससे पहले (14 अक्टूबर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विवेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपमण्डल और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 28 अक्टूबर, 1974 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

निर्धारित तारीख के बाब व्याप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्विष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध के I पैराग्राफ-2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. यदि कोई उम्मीदवार 1974 में नी गई स्टेनोग्राफर परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रमाण की प्रतीक्षा किए विना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1974 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्त होते अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1975 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबन्ध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

9. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाब उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रूथी,
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹ 12.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 3.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंटों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विवेशों में रह रहे हैं, अन्यथा किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बान में संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वर्षा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और एक जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया, उसे ₹ 3.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में ₹ 1.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 8 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबद्ध नीटिम, नियमावली आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में जैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र में से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तथा नियमावली के परिणिष्ट I के पैरा 3 के अनुसार प्रण-पत्र (ii) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी में लिखने तथा स्टेनोग्राफी परीक्षण हिन्दी में ही देने का विकल्प दे उससे स्टेनोग्राफी परीक्षणों के लिए अपने ही खर्च पर विवेश

क्षेत्र किसी भी पैरे भारतीय मिशन में बैठें के लिए कहा जा सकता है जहाँ उम्मीदवार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हो।

2 (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र, तथा पावती कार्ड अपने हाथ में ही भरने चाहिए। मध्ये प्रविष्टिया/उत्तर ग्रन्थों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधुरा या गलत भग्न हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट:—उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट-I के पैरा 3 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 8 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए, जिसमें वे सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा स्टेनोग्राफी परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम से कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान दिया जाएगा कि उक्त प्रश्न पत्र का उत्तर तथा आशुलिपि का परीक्षण अंग्रेजी में दिया जाएगा।

(ii) भग्न हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड मचिव मध्य लोक मेंवा आयोग, धौलपुर हाउस, नहीं दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए। ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अनिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीपमूँहों तथा लक्ष्मीप में गहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो उस बान का निखिल प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 अक्टूबर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूहों तथा लक्ष्मीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार मरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैंगियत में अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से उत्तर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैंगियत में कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए। जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठाकान को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-मरकारी नौकरी में लगे या मरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमा या इसी प्रकार के अन्य मंगटनों में काम करने वाले हुमरे मध्ये उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई गैर-मरकारी उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह मध्य लोक मेंवा आयोग में देर में पहुँचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता का अनिम तारीख से पहले प्रस्तृत किया गया हो।

3 उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवलोकन चाहिए।—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ऑर्डर (देखिए उपाध्य-1)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र का अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतिया।

(v) जहा लागू हो वहा अनुसूचित जारी/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के मर्मर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहा लागू हो वहा आयु/शुल्क में छृट के दावे के मर्मर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट:— उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के आधार पर अहूता प्राप्त कर लेते हों उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होगी। परिणामों के 1975 के मई मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तेयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अवैधित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं, उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

3 मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ऑर्डर—

प्रत्येक पोस्टल आईर अनिवार्यत इस प्रकार रेखांकित किया जाए :



तथा इस प्रकार भग्न जाए : "Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office"

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आईडे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएँगे। विरुद्धप्रिया कट-फटे पोस्टल आईडे भी स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

मध्य पोस्टल आईडे पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्तक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आईडे न तो रेखांकित किए गए हों और न ही मन्त्रिव, मध्य लोक सेवा आयोग को नई दिन्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु 12.00 के बराबर और अनसूचित जातियों तथा अनसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 3.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं और उनसे कहा जाए कि वे उस गशि को लेखा शीर्ष “051—PUBLIC SERVICE COMMISSION EXAMINATION FEES”

में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग मासान्धीत: जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हो, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र पर्याप्ति हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिमिपल में दिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के माथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी

चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख में भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबद्ध प्रतिलिपि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3:—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल मार्टिफिकेट एक्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यत प्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरबिन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्निक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे संबद्ध स्कूल के प्रिमिपल से, पैरा 3 (iii) के नीचे नोट 2 के बाद निर्धारित प्रपत्र पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए और इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

नोट 4:—जो उम्मीदवार पहले में ही स्थायी सरकारी सेवा में हों, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रतिलिपियों को जन्म की तारीख और शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। प्रस्तुत प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता, में संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के माथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा-परिणाम की प्रतिलिपियों वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सेटिफिकेट एक्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को नैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेण्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालिटेक्नीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दस्ती कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे संबद्ध स्कूल के प्रिसिपल/हेडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म (द्रष्टव्य : पैरा 3 (ii) का नोट 3 और उपर्युक्त नोट 2) :

प्रमाणित किया जाता है कि :

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री/श्री*

इस विद्यालय की ————— कक्षा में जो कि हायर सेकेण्डरी स्कूल/इंडियन स्कूल सेटिफिकेट एक्जामिनेशन/श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर सेकेण्डरी पाठ्यक्रम/दिल्ली पालिटेक्नीक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम* की उपायित कक्षा है, उत्तीर्ण है।

2. इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख ————— है, इस तारीख की स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी ओर से प्रस्तुत किए गए विवरण से पुर्झि कर ली गई है।

तारीख —————

(हेडमास्टर/प्रिसिपल* के हस्ताक्षर)

(विद्यालय का नाम)

स्थान —————

*जो शब्द लागू न हों, उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की तीन प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार 'लगभग 5 सें. मी. 0 × 7 सें. मी. 0) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और शेष दो प्रतियाँ आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्पष्टीकरण नहीं किया जाता और उसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विवार नहीं किया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ न प्रस्तुत किए गए प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद शीघ्र ही भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कायलिय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) के अन्तर्गत उत्तिष्ठित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विवार नहीं किया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ न प्रस्तुत किए गए प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद शीघ्र ही भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कायलिय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

11—196GI/74

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने थह्र प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र की अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा में भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पहां पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्मः—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—

सुपुत्र/सुपुत्री/श्री*

जो गांव/कस्बा*

जिला/मण्डल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र के/की* निवासी है ————— जाति/जन जाति* के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956।*

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968।*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा* जिला/मण्डल* में राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* है।

हस्ताक्षर

*पदनाम

(कार्यालय की मोहर)

स्थान

तारीख

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आमतौर से रहते/रहती है” का अर्थ वही होगा जो “रिजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीनेशनल डिप्टी कमिशनर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर। †(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रेजिडेंटी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रैवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष द्विपसमूह)।

5. (i) नियम 5(ग) (ii) अथवा 5(ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान

में वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी कार्य के प्रभारी अनिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

यदि वह उपबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

(ii) नियम 5(ग) (vi) अथवा 5(ग) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भी श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी है अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो जून 1, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निकामी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट में लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया दुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iii) नियम 5(ग) (ix) अथवा 5(ग) (x) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिलान प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो जून 1, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निकामी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट में लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया दुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान

* मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिसिद्धि भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शब्द के सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5 (ग) (iv) के अन्तर्गत श्राव्य सीमा में छूट चाहने वाले पाइनेरी सघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिसिपल में, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, निए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फेने के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) नियम 5 (ग) (viii) के प्रत्यंगत आमु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगाड़ा तथा सयुक्त गणराज्य टजानिया (भूतपूर्व टगानिका तथा जजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त देशों में आया है।

(vi) नियम 5 (ग) के (xi) नियम 5 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मन्त्रालय से नीचे दिए हुए निधारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ सघर्ष में अथवा अशातिग्रस्त क्षेत्र में कौजी कार्रवाई के दीर्घन विकलाग हुआ और परिणाम म्बरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रभाण-पत्र का फार्म
प्रभाणित किया जाता है कि यूनिट—
के ईक न०— श्री —
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ सघर्ष में/
श्राविग्रहस्त ध्रेत में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलाग हुए और
उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्भक्त हुए ।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

*जो शब्द लाग न हो उसे काट दे ।

(vii) नियम 5(ग) (xiii) अथवा 5(ग) (xiv) के अनुर्गत ग्राम-सीमा में छूट चाहने वाले सीमा सुरक्षा दल में अपाग हुए उम्मीदवार को महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मन्त्रालय से नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक अधिप्रभाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अपाग हुआ था और उसके परिणामस्वरूप निर्भक्त हुआ था।

उम्मीदवारा द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पद्धति का कार्य
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—^{श्री}—के
रैंक न०—¹⁴⁷¹

के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अपाग हुए थे और उस अपागता के परिणामस्वरूप निर्मित हुए थे।

हस्ताक्षर

पदनाम -

दिनांक -

(viii) नियम 5(ग) (v) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोद्धा, दमन और दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए —

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कौसलहीन के प्रशासक (Administrators of the Concel hose)
- (3) मामलातदार

6 यदि किसी व्यक्ति के लिए पान्ता-प्रमाण-पत्र (एसिज-बिलिटी सार्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पान्ता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मन्त्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई छूटा व्यौरा न दे और न ही किसी महत्वपूर्ण सुन्धना को छिपाए ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख प्रस्तुत करें उसकी या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें, उसमें परिवर्तन नहीं करें, फेरबदल नहीं करें और न ही फेरबदल किए गए/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें, यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उसकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसर्गति हो सो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8 आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर बेरी के कारण के रूप में यह तर्क अधिकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना क्षी स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9 यदि परीक्षा से सबूत आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविर्ती तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

10 इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में सध लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसी नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तकाओं की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आईर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ बैरकर "ए" नई दिल्ली-(110001), (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नर्मेट शाफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तकाएं विभिन्न मुफ्सिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-ध्यवहारः—आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे सिखा द्यौरा अनिवार्य रूप से विद्या जाएः—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (3) रोल नम्बर (अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-ध्यवहार का पता।

ध्यान देंः—जिन पत्रों आदि में यह द्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तनः—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर सेनी चाहिए, कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आचि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हए पते पर भिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित द्वीरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी द्यौरा नहीं कर सकता।

विज्ञापन सं० 33

विस्तृलिखित पतों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैंः—

† आयु 1-1-74 तक की गिनी जाएगी। (विस्थापितों, अ० जा०, अ० ज० जा० और सरकारी कर्मचारियों को, जहाँ अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट सम्भव)।

† आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

† उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

† आवेदन पत्र और विवरण के लिए सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली-110011 को विना टिकट के अपना

पता लिखे हुए लिफाफे (23×10 सें० मी०) के साथ मद संख्या, पद का नाम और विज्ञापन संख्या का हवाला देते हुए लिखें।

† पदों का आरक्षणः—अ० जा० और अ० ज० जा०-क० सं० 3, 15 और 20 का एक पद। अ० जा० के लिए—क० सं० 20 के दो पद (एक प्रत्याशित सहित) यदि अ० जा० के उम्मीदवार न हों तो अ० ज० जा० के लिए। क० सं० 7 का एक पद, 14 के दो पद और 20 का एक स्थायी पद और यदि अ० जा० के उम्मीदवार न हों तो अ० ज० जा० के लिए और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित। अ० ज० जा० के लिए :—क० सं० 14 का एक पद और अगर अ० ज० जा० के उम्मीदवार न हों तो अ० जा० के लिए और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित।

† पदों का स्वरूपः—स्थायी क० सं० 1 और 20 का एक किन्तु नियुक्ति अस्थायी। अस्थायी :—क० सं० 21 का एक और क० सं० 11 किन्तु स्थायी होना संभव। क० सं० 2 से 10, 12 से 14, 16 से 19, सं० 20 के तीन और 21 का एक अनिश्चित काल तक चलना संभव। क० सं० 15 चलते रहना संभव।

† आवेदन शुल्क भारतीय पोस्टल आईर के रूप में आठ रु० (अ० जा० और अ० ज० जा० के लिए दो रु०); विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

अंतिम तारीखः—16 सितम्बर, 1974 (विदेश, अंडमान, निकोबार और लक्ष्मीप के उम्मीदवारों के लिए 30 सितम्बर 1974)।

संकेतः—अ० जा०—अनुसूचित आति, अ० ज० जा०—अनुसूचित जन जाति, अ० यो०—अनिवार्य योग्यताएः।

1. एक मुख्य इंजीनियर (जल), जल प्रदाय तथा मल व्यवस्था संस्थान, दिल्ली नगर निगम। वेतन :—रु० 2000-125-2250। आयु :—50 वर्ष। अ० यो० :—सिविल इंजी० में डिग्री और जल पूर्ति, मोरी व्यवस्था तथा मल प्रवाह के लिए नासियाँ बिछाने सहित अभिकल्पन और निर्माण कार्य निष्पादन का लगभग 15 वर्ष का अनुभव, जिस में 5 वर्ष किसी राज्य सरकार, केंद्र सरकार या रथानीय निकाय के अधीक्षक इंजीनियर की समकक्ष हैंसियत से हो।

2. एक प्रधान अभिकल्पन अधिकारी (बैद्युत), नौसेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1300-50-1700 (परिशोधित) आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—बैद्युत/दूर संचार इंजी० में डिग्री और पोतों के अभिकल्पन/संस्थापन में 8 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

3. एक प्रधान अभिकल्पन अधिकारी (इंजी०), नौसेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय : वेतन :—रु० 1300-50-1700 (परिशोधित)। आयु :—50 वर्ष। अ० यो० :—यांत्रिक समुद्री इंजी० में डिग्री और पोतों के अभिकल्पन में 8 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

4. एक वरिष्ठ अधिकारी प्रेड I (वैद्युत), भा० नौसेना, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 1100-50-1600 (परिशोधित)। आयु :—40 वर्ष। अ० घो० :—वैद्युत/दूर संचार इंजी० में डिग्री और पोतों के अधिकल्पन/मंस्थापन का 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

5. तीन प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बंगलौर, अन०-विका० संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 1100-50-1200-100-1500। आयु० :—वरीयतः 45 वर्ष से कम। अ० घो० :—तीनों पढ़ों के लिए :—(क) (i) यांत्रिक/वैमानिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री। पहले पद के लिए :—(ii) गैस टर्बाइन प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विकास/परीक्षण/अधिकल्पन का लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिस में कम से कम 3 वर्ष किसी वायित्वपूर्ण निवेशकीय हैसियत से हों। दूसरे पद के लिए :—(ii) गैस टर्बाइन वायुयान पद्धतियों के अधिकल्पन और विश्लेषण का लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिस में कम से कम 3 वर्ष किसी वायित्वपूर्ण निवेशकीय हैसियत से हों। तीसरे पद के लिए :—(ii) वायुयान गैस टर्बाइन इंजन की नियंत्रण प्रणालियों के विश्लेषण, अधिकल्पन विकास मूल्यांकन तथा परीक्षण का लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिस में कम से कम तीन वर्ष किसी वायित्वपूर्ण निवेशकीय हैसियत से हों।

6. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अन०-विका० संगठन, पूना, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 1100-50-1200-100-1500। आयु :—वरीयतः 45 वर्ष से कम। अ० घो० :—कम से कम द्वितीय श्रेणी की एम० एस-सी० (भौतिकी) और स्नातक स्तर पर सैद्धान्तिक या प्रौद्योगिक धन अवस्था भौतिकी में लगभग 6 वर्ष का अध्यापन व अनुसंधान का अनुभव जिस में कम से कम 3 वर्ष किसी निवेशकीय तथा प्रशासकीय हैसियत से हों।

7. दो पद्धति विश्लेषक/प्रोफेसर/कन्सोल नियंत्रक, भा० नौसेना, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (परिशोधित)। आयु० :—35 वर्ष। अ० घो० :—यांत्रिक/नौ/वैद्युत इलैक्ट्रो० प्रौद्योगिक इंजी०/नौ वास्तुकला में डिग्री और इलैक्ट्रो० आंकड़ा प्रमाणन एकक में प्रोग्रेमिंग/पद्धति विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव। अथवा भौतिकी/गणित/मांडियकी/परिचालन अनुसंधान में “मस्टर” डिग्री और इलैक्ट्रो० आंकड़ा प्रसाधन एकक में प्रोग्रेमिंग/पद्धति/विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड I, नौ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला, विशाखापटनम, अन०-विका० संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-50-1250 (परिशोधन संभव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० घो० :—यांत्रिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और संरचना अधिकल्पन परीक्षण और मूल्यांकन में 4 वर्ष का अनुभव।

9. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड I, अन०-विका० संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-50-1250। आयु :—

वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० घो० :—नौ वास्तुकला में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और नौका और छोटे जलयानों के अधिकल्पन और उत्पादन का लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

10. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रेड I, अन०-विका० संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-50-1250। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० घो० :—वैमानिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और शक्ति संयंकों के निष्पादन विश्लेषण और मूल्यांकन में विशेषज्ञता के माध्य वायुयान प्रणीदन पद्धतियों के क्षेत्र में अनुसंधान/विकास/अधिकल्पन का 4 वर्ष का अनुभव।

11. एक वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, उत्पादन तथा विरोधण निवेशालय (नौसेना), रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-50-1250 (परिशोधन संभव)। आयु :—40 वर्ष। अ० घो० :—भारत मरकार के परिवहन मंत्रालय द्वारा प्रदत्त प्रथम श्रेणी इंजी० (वाष्प तथा मोटर) का प्रमाण-पत्र तथा साथ में विदेशगार्भी पोत में संबद्ध द्वितीय इंजी० का लगभग 3 वर्ष का अनुभव। अथवा समुद्री इंजी० में डिग्री तथा माध्य में आई० मी० मशीनरी तथा उपस्कर के परिचालन/मरम्मत/अनुरक्षण/अधिकल्पन में लगभग 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

12. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड I, रक्षा परक शरीर क्रिया विज्ञान व संबद्ध विज्ञान संस्थान, विल्सी केंट, अन०-विका० संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 700-50-1250 (परिशोधन संभव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० घो० :—जीव रसायन विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री और नैदानिक जीव रसायन विज्ञान और पोषाहार के क्षेत्र में 4 वर्ष का अनुभव।

13. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड II, रक्षा परक शरीर क्रिया विज्ञान व संबद्ध विज्ञान संस्थान, विल्सी केंट, अन०-विका० संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 400-40-800-50-900 तथा साथ में वर्तमान नियमों के अनुसार 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० घो० :—(i) भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची के अथवा तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (लाइसेंसिट योग्यताओं को छोड़कर, मान्य मेडिकल योग्यता)। तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध ऐक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम 1956, की धारा 13 (3) में निर्धारित गतीं को पूरा करना होगा। (ii) मानव शरीर क्रिया विज्ञान/सामान्य मेडिसिन में अनुसंधान/अध्यापन का 2 वर्ष का अनुभव।

14. तीन चिकित्सा अधिकारी (सहायक सर्जन प्रेड I) नौसेना मुख्यालय, नई विल्सी, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—र० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। तथा माध्य में बेतन के 33½% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो कम से कम र० 150% प्रतिमास होगा (परिशोधन संभव)। आयु :—30 वर्ष। अ० घो० :—(i) वही जो उपर्युक्त मद-संज्ञा 13 (ii) में है। (iii) अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप का समापन।

15. एक सहायक निवेशक (आहारिकी), खाद्य तथा पोषाहार और, हृषि मंत्रालय। वेतन :—रु 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 (परिणोधन संभव)। आयु :—40 वर्ष। अ० घो० :—जीव रसायन विज्ञान या आहार या पोषाहार या गृह विज्ञान या गृह अर्थशास्त्र में "मास्टर" डिग्री और केन्द्र या राज्य सरकार या अनुसंधान या लोक स्वास्थ्य संगठनों में पोषाहारविद् के रूप में 3 वर्ष का अनुभव।

16. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी घेड II, अनु-विकास संगठन रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० घो० :—वैमानिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और तरल राकेट प्रणोदन प्रणालियों के अभिकल्पन और विकास का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

17. तीन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी घेड II, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अमू०-विका० संगठन रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु 400-40-800-50-950 (परिणोधन संभव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० घो० :—सभी पदों के लिए :—(i) दूर संचार/इलैक्ट्रॉन/इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री। वर्ग I (एक पद) :—(ii) हूरमति सहित वायु वाहित प्रयोग की बी० एच० एफ०/यू० एच० प्रविधियों का दो वर्ष का अनुभव। वर्ग II (एक पद) (ii) माइक्रोवेव संचार पद्धतियों के अनुसंधान तथा विकास का दो वर्ष का अनुभव जिसमें स्ट्रॉप लाइन प्रविधियों सम्मिलित हों। वर्ग III (एक) पद :—(iii) युद्धक विमान सम्बन्धी लोह मांड की संरचना प्रविधियों पर विशेष बल सहित अंकीय परिषदों के अभिकल्पन का दो वर्ष का अनुभव।

18. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, घेड II, (यांत्रिक इंजी०) (आख्याता), नौ इंजीनियरी कालेज, आई० एन० एस० शिवाजी, भो सेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु 400-40-800-50-950 (परिणोधनाधीन)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० घो० :—यांत्रिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और यांत्रिक इंजी० के विषय पढ़ने का 2 वर्ष का अनुभव।

19. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी घेड II, अनु-विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० घो० :—रसायन इंजी० रसायन प्रौद्योगिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और हल्के

कार्बनिक/अकार्बनिक रासायनों की निर्माण प्रक्रियाओं, प्रबंतक संयन्त्रों के अभिकल्पन तथा उत्पादन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

20. चार (एक प्रत्याशित सहित) कनिष्ठ खनन भू-विज्ञानी, भारतीय खान व्यूरो, हस्पात और खान मंत्रालय। वेतन :—रु 400-40-800-50-950 परिणोधन पर रु 700-1300 सम्भव। आयु :—35 वर्ष। अ० घो० :—भारतीय खान तथा प्रयुक्त भू-विज्ञान शाला, धनबाद, का डिप्लोमा या भू-विज्ञान या प्रयुक्त भू-विज्ञान में "मास्टर" डिग्री; खनिजों के पूर्वेक्षण तथा खनिजों के उपयोग से सम्बद्ध विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण; तथा खनिजों के विस्तृत पूर्वेक्षण तथा निरूपण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जो विषेषतः सीसा, जस्ता, तांबा, कोयला, लोहा तथा गंधक सम्बन्धी हो।

21. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशालय, अम संकालय। वेतन :—रु 325-15-475 द० रो०-20-575 परिणोधित रु 550-900। आयु :—30 वर्ष। अ० घो० :—मनोविज्ञान या शिक्षा शास्त्र में "मास्टर" डिग्री अथवा निर्देशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

शुद्धि-पत्र

अंग्रेजी का एक आख्याता (कनिष्ठ वेतनमान) तथा वाणिज्य का एक आख्याता (कनिष्ठ वेतनमान), अंडमान और निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर। (25-5-1974 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 21 की मदन्संख्या 14 तथा 15)। उक्त पदों की भर्ती रद्द कर दी गई है। उम्मीदवारों द्वारा अदा किया गया शुल्क यथावधि लौटा दिया जाएगा।

25 फरवरी, 1975 को होने वाली स्टेनोप्राफर परीक्षा, 1975

केवल 1 जनवरी, 1950 के बाद और 2 जनवरी, 1957 से पहले जन्म लेने वाले उम्मीदवार पात्र हैं। अनु० जा०/जन जातियों और कुछ अन्य वर्गों के लिए आयु में छूट संभव। योग्यताएँ : मैट्रिक्युलेशन या समकक्ष। विवरण और प्रपत्र एक रु० के मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त।

अंतिम सारीख : 14 अक्टूबर, 1974 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 28 अक्टूबर, 1974)।

अशोक चन्द्र बंद्योपाध्याय
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 17th July 1974

No. 1-6/74-SCA(1).—On his reversion from the Office of the Narmada Water Disputes Tribunal, New Delhi, Shri G. G. Avasthi (promoted as Offg. Court Master in absentia) has assumed charge as Offg. Court Master in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of the 17th July, 1974.

Shri Brij Mohan Sharma, Permanent Section Officer who has been officiating as Court Master, reverts to his substantive post of Section Officer. Consequently Shri Y. P. Gupta, Offg.

Section Officer reverts to his substantive post of Assistant with effect from the forenoon of the 17th July, 1974.

Sd/- ILLEGIBLE
Deputy Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th July 1974

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 28th May, 1974, the President is pleased to appoint to Shri B. T. Khubchandani, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service, for a further period of 68 days from the 2nd June, 1974 to the 8th August, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 20th April, 1974, the President is pleased to appoint Shri Yoginder Nath, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 3 months from 29th May, 1974 to 28th August, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 11th April, 1974, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 26 days from the 28th May, 1974 to the 22nd June, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 4th April, 1974, the President is pleased to appoint Shri Ved Parkash, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 54 days from the 4th June, 1974 to the 27th July, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 2nd April, 1974, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 95 days from 7th June, 1974 to 9th Sept., 1974 or until further orders, whichever is earlier.

The 15th July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 10-6-1974 to 9-9-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 16th July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. 32013/1/74-Admn.I, dated 8-5-1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of 17th June, 1974.

2. On his reversion, Shri B. R. Verma, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 17th June, 1974.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 16th July 1974

No. A. 32016/7/72-Admn II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Superintendent (Hollerith) in the Commission's office, for a period of two months with effect from the 1st June, 1974 to the 31st July, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT,
Under Secretary,
for Secretary,
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi-1, the 22nd June 1974

No. PF/L-2/71-AD.V.—Shri L. N. Venkatesan, Supdt. of Police, C.B.I., G.O.W., Madras relinquished charge of his office

on the afternoon of 20-4-1974. On return from leave Shri Venkatesan assumed charge of the office of Supdt. of Police, C.B.I. SPE, EOW, Madras on the forenoon of 6-6-74.

The 11th July 1974

No. PF/P-69/67-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. N. Nambisan, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, G.O.W., Madras, on promotion, as Deputy Legal Adviser in Central Bureau of Investigation Special Police Establishment in a temporary capacity, with effect from 26th June, 1974 (F.N.).

He relinquished charge of his office of the Sr.P.P., C.B.I., G.O.W. Madras on the forenoon of 16th June 1974.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
CBI

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 16th July 1974

No. E-16014(1)/26/73-Ad.I.—While on deputation from Rajasthan State Police, Shri D. V. Behl, Assistant Commandant (Jr. Administrative Officer), N&W Zone, New Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st July 1974 and assumed the charge of the post of Commandant No. 8 Battalion, Central Industrial Security Force, with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 1st July 1974.

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri I. C. Singh, Commandant 18 Battalion, Central Industrial Security Force, Rourkela, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April 1974, and assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, with effect from the forenoon of the same date.

The 17th July 1974

No. E-16014(3)/4/73-Ad.I.—On repatriation to his State, Shri D. P. Singh, Assistant Commandant No. 2nd Battalion, Central Industrial Security Force, Panna, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 5th July 1974.

The 20th July 1974

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Lt. Col. H. S. Bedi, Commandant No. 5th Battalion, Central Industrial Security Force, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April 1974 and assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri S. L. Prasad, Dy. Supdt. of Police, Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri R. K. Dixit, Asstt. Commandant No. 5th Battalion, Central Industrial Security Force, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April 1974 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/7/74-Ad.I.—Shri B. D. Bahukhandi, Asstt. Commandant No. 5 Battalion, Central Industrial Security Force, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/3/74-Ad.I.—Shri E. S. Sundaram, Commandant, relinquished the charge of the post of Commandant No. 19th Battalion, Central Industrial Security Force, Jharia with effect from 1st February, 1974 (Forenoon) and assumed

the charge of the post of Commandant No. 17th Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Jharia with effect from the forenoon of the same date.

The 22nd July 1974

No. E-16016/2/74-Ad.I.—On transfer on deputation from the Cabinet Secretariat, Department of Cabinet Affairs, Shri Tarlok Lal, Section Officer assumed the charge of the post of Section Officer, Central Industrial Security Force, Headquarters, New Delhi, with effect from the forenoon of 20th July, 1974.

L. S. BISHT
Inspector General

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 5th July 1974

No. O.II-950/73-Estt.(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Dinanath Das, as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis initially for a period of one year with effect from the date of taking over.

2. Dr. Dinanath Das is posted to 35th Bn., CRPF, Hyderabad and he took over charge of his post on the forenoon of 11th April, 1974.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Admn.)

**MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS**

Dewas, the 16th July 1974

F. No. BNP/E/Spl/30.—The officiating appointment of Shri S. P. Kulshrestha, Accounts Officer in the office of the A.G.M.P. Gwalior as Accounts Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1st July 1974 to 31st December 1974 (AN) or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

F. No. BNP/E/Spl/36.—The officiating appointment of Shri N. C. Sengupta, Inspector Control in India Security Press, Nasik Road as Control Officer, in Bank Note Press, Dewas (MP) is continued on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1st July 1974 to 31st December 1974 (AN) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

R. RAMASWAMY
Officer on Special Duty

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 18th July 1974

No. 2080/(A).—Shri R. N. Advani, Deputy Control Officer, Currency Note Press, Nasik Road appointed on *ad hoc* basis

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Controller General of Defence Accounts**

New Delhi, the 9th July 1974

No. 40011(2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which trans- ferred to pension establishment	Organisation
1	2	3	4	5
1	S/Shri 1. S.Y. Paradkar (P/307)	Permanent Accounts Officer	30-9-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2.	Thakar Das (P/359)	Permanent Accounts Officer	31-10-74 (AN)	Controller of Defence Accounts Central Command, Merut.
3.	K.A. Madhavan, (O/59)	Officiating Accounts Officer	31-8-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.
4.	P.M. Chaubal (O/118)	Officiating Accounts Officer	30-9-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
5.	D.V. Panse (O/119)	Officiating Accounts Officer	30-9-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

S. K. SUNDARAM
Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

initially for one year with effect from 11th December, 1971 and last extended upto 30th June 1974 *vide* Notification No. 5274/A, dated the 14th February, 1974 will continue as such on the same terms and conditions upto 31st October, 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI
General Manager,
India Security Press.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUE

New Delhi-1, the 19th July 1974

No. Admn. I/5-5/Promotion/74-75/879.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri S. N. Mathur, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 9-7-74 afternoon, until further orders.

H. S. DUGGAL
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA**

Bombay-400020, the 16th June 1974

No. Admn.I/IAD/31 Vol.III/10.—Shri N. R. Pradhan, Temp. Asstt. Accountant General, of this office, who was on foreign service with the Maharashtra Industrial Development Corporation retired on superannuation pension with effect from 30-6-1974 (AN). He is on refused leave from 1-7-1974 to 15-9-1974.

R. S. SHARMA
Sr. Deputy Accountant General/Admn.

**OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,
SOUTHERN RAILWAY**

Sri R. Nagarajan, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 1-12-1973 forenoon until further orders.

Shri S. Natarajan, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 16-2-1974 forenoon until further orders.

Shri Fazlul Haq Munir, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 4-3-1974 forenoon until further orders.

S. P. NARAYANA CHETTY
Chief Auditor

**DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta, the 15th July 1974

No. 32/74/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. General Manager, Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri J. C. Marwaha, Permt. Dy. General Manager—4th Jan., 1974.

No. 33/74/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. Dy. General Manager with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri S. Kannan, Permt. Manager—1st Apr., 1974.

No. 34/74/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. Dy. Manager with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri R. Santhanam, Permt. Asstt. Manager—1st Dec., 1973.

No. 35/74/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Asstt. Manager with effect from the date shown against them, until further orders:—

(1) Shri R. Vasudevan, Permt. Foreman—27th Feb., 1974.

(2) Shri P. H. Subramaniam, Permt. Foreman—27th Feb., 1974.

No. 36/74/G.—On attaining the age of 58 years, Shri D. D. Bhattacharjee, Offg. Asstt. Manager (Permt. Storeholder) retired from service with effect from 16th March, 1974.

The 16th July 1974

No. 31/74/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the under-mentioned Officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

(1) Shri K. Gupta, Offg. DADGOF (Permanent Officer Supervisor)—1st March, 1974.

(2) Shri G. C. Dasgupta, Offg. O.S. (Permanent Superintendent)—1st April, 1974.

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 17th July 1974

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/428/56-Admn.(G)/3217.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Khosla, Controller (Class-I) in the office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay to officiate as Dy. Chief Controller of Imports & Exports in that office for the periods from 3-10-73 to 30-1-74 and from 18-2-74 to 11-4-74.

The 19th July 1974

No. 6/556/59-Admn.(G)/3241.—The President is pleased to appoint Shri Chandra Gupta permanent Section Officer of the C.S.S. (of the cadre of the Ministry of Commerce) as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the forenoon of 12-4-1974, until further orders.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 26th June 1974

No. CER/22/74.—In exercise of the powers conferred on me by clause 21A(2) of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and without prejudice to any other action that may be

12—196G1/74

taken for failure to comply with the directions contained in the Textile Commissioner's Notification No. CER/22/74, dated the 3rd April 1974, (as amended) and having regard to the matters specified in Sub-Clause (2) of clause 20, I hereby direct that every producer having a spinning plant or a group of such producers who has failed to pack the minimum quantities of cloth within the period as specified in the Textile Commissioner's Notification No. CER/22/74, dated the 3rd April, 1974 (as amended), shall pack on or before the 30th September, 1974 the quantities of cloth by which the producer or group of producers has fallen short during the quarter ending the 30th June, 1974 in addition to the quantity of controlled cloth required to be packed under the Textile Commissioner's Notification No. CER/22/74, dated the 21st June, 1974.

I further direct that the prices applicable to the quantities of such cloth packed during the extended period shall be the price in force on and from the 1st April, 1974.

The 15th July 1974

No. EST.I-2(627).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st June, 1974 and until further orders, Shri P. K. Gangopadhyay as Deputy Director (P&D) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

S. K. BAGCHI
Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION BRANCH A-6)

New Delhi, the 11th July 1974

No. A/17011(64)/74-A6.—The President has been pleased to appoint Shri S. P. Singh, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1972 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 27-6-74, until further orders.

Shri Singh, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi from the forenoon of 27-6-74.

The 15th July 1974

No. A/17011(57)/73-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Bachan Singh Pal, a candidate nominated by UPSC to officiate in the Textile Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 22-6-74, until further orders.

Shri Pal assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, N. I. Circle, New Delhi from the forenoon of 22-6-74.

S. K. JOSHI
Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 17th July 1974

No. A-1/1(765).—The following para may be added in this Dte. General Notification of even number dated 19-11-1973 :—

"2. The temporary transfer of Shri N. D. Jog, Assistant Director (Grade I) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay to the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta as Deputy Director (Progress & Disposals) on ad hoc basis with effect from the forenoon of 13th August, 1973 has been terminated on the afternoon of 1st October, 1973.

(ADMINISTRATION BRANCH A-6)

The 22nd July 1974

CORRIGENDUM

No. A-17011(57)/73-A.6.—Please Read "Inspecting Officer (Textile)" for "Inspecting Officer (Engg.)" occurring in Para 2 of this office Notification No. A-17011(57)/73.A-6, dated 15-7-1974.

S. K. JOSHI
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE
Dehra Dun, the 9th July 1974

No. C-4872/718-A.—Shri S. P. Kukreti, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment & Accounts Officer (G.C.S. Class II) in the Map Publication Office, Survey of India, Dehra Dun on *ad-hoc* basis on pay of Rs. 590/- p.m. in the scale of pay of Rs. 590—30—800 with effect from the forenoon of the 14th June, 1974 vice Shri V. N. Parashar, Establishment and Accounts Officer, Map Publication Office proceeded on leave.

HARI NARAIN
Surveyor General of India
(Appointing Authority).

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th July 1974

No. A19011(51)/70-Estt.A.—Shri S. M. Prasad, Senior Mining Geologist, on his reversion back from the Bihar Mica Syndicate Limited has reported for duty in the Indian Bureau of Mines and has taken over charge of the post of Senior Mining Geologist with effect from the forenoon of 3rd June, 1974, in the Hazaribagh office of the Indian Bureau of Mines.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-13, the 18th July 1974

No. 2903/B-40/59/C/19A.—Shri M. N. Mistri, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 10-7-74 until further orders.

No. 2900B 40/59/C/19A.—Shri A. K. Ghosh, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st January, 1973 (after-noon).

No. 2892B 264(23/E)/19B.—Shri H. K. Das, Officer Surveyor (*Ad hoc*), Geological Survey of India, is reverted to the post of Senior Technical Assistant (Survey) in the same Department with effect from the forenoon of 1st May, 1974.

No. 2251(DSP)/19B.—Shri Dewan Singh Pawar, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th July, until further orders.

C. KARUNAKARAN
Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 10th July 1974

No. 2/66/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. A. Antonisami, Accountant, All India Radio, Pondicherry to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Ahmedabad with effect from 3-7-1974 (F.N.).

No. 3(32)/69-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. Loganandan, Sr. Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Imphal with effect from 28-6-74 (F.N.) on *ad-hoc* basis.

I. S. PANDBHI
Section Officer
for Director General.

New Delhi, the 16th July 1974

No. 10/52/73-S.III.—The Director General, All India Radio has been pleased to accept the resignation from service of Shri Jai Parkash Gupta, Assistant Engineer, All India Radio, with effect from 15th July, 1974.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 10th July 1974

No. 2/35/60-SII.—Shri Sita Ram, Administrative Officer, External Services Division, All India Radio, New Delhi, retired from service with effect from the afternoon of the 30th June, 1974 on attaining the age of superannuation.

R. C. RAJASEKHAR
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 16th July 1974

No. 5(27)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. N. Taye, Transmission Executive, All India Radio, Gauhati to officiate as Programme Executive, All India Radio, Tawang on an *ad hoc* basis with effect from the 27th April, 1974 and until further orders.

No. 6(126)/62-SI.—Smt. Manorama M. Vagle, Programme Executive, All India Radio, who was on leave Ex-India resigned from service with effect from the forenoon of the 30th April, 1974.

The 17th July 1974

No. 5(129)/60-SI.—Shri G. H. Ajaz, Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar retired from service with effect from the afternoon of the 30th June, 1974 on attaining the age of superannuation.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 12th July 1974

No. 8/21/50-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri A. S. Charles, Officiating Superintendent in the Films Division, Bombay, to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same Office with effect from the forenoon of the 1st July, 1974 vice Shri M. K. Jain granted leave.

N. N. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 10th July 1974

No. 7-10/73-Estt.I.—Shri R. K. Malhotra, permanent Assistant Milk Distribution Officer, Delhi Milk Scheme is appointed to officiate as Milk Distribution Officer (Gazetted Class II) in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—830—35—900 in the Delhi Milk Scheme on purely *ad hoc* basis w.c.f. the forenoon of 25th May, 1974 until further orders.

A. MOHAN LAL
Chairman

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th July 1974

No. 19-7/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Ramachandran to the post of Biochemist (Obstetrics and Gynaecology), at the JIPMER, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 6th June, 1974, on a temporary basis, and until further orders.

No. 9-12/73-Admn.I.—Consequent upon her retirement from Government Service, Smt. H. Chabook, relinquished charge of the post of Senior Tutor at the College of Nursing, New Delhi on the afternoon of the 31st May, 1974.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF COOPERATION)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 20th July 1974

No. F.4-4(7)/74-A.I.—Dr. Naranjan Singh, Marketing Officer, Group I, Nagpur, is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Chandigarh, with effect from the forenoon of 24-6-1974, until further orders.

The 24th July 1974

No. F.4-4(10)/74-A.I.—Shri A. K. Bhattacharya, Marketing Officer Group I Lucknow is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer Group-I under the Directorate of Marketing and Inspection at Jammu on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 12-6-1974, until further orders.

The 25th July 1974

No. F.4-4(11)/74-A.I.—Shri Prayag Singh, Marketing Officer Group I, has been appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer Group I on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Gauhati with effect from 29th June, 1974 (F.N.) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 12th July 1974

No. RAPP/04621/74-Admn/R/574.—Shri K. P. Tandon a quasi-permanent Upper Division Clerk and a temporary Welfare Assistant in the Rajasthan Atomic Power Project has relinquished charge of the post of Welfare-cum-Public Relation Officer held by him on an *adhoc* basis in a purely temporary officiating capacity, on the afternoon of 28th June, 1974.

GOPAL SINGH
Administrative Officer(E)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 25th June 1974

No. PA/81(57)/74-E-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Raman Sadagopan, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 1, 1974, until further orders.

The 2nd July 1974

No. PA/81(58)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Harish Chandra Dabral, a permanent Draughtsman-B and a temporary Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 1, 1974, until further orders.

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Badri Narain Rana, a Section Officer in the office of the Accountant General Jammu & Kashmir, Srinagar, as Assistant Personnel Officer, in the Bhabha Atomic Research Centre (Nuclear Research Laboratory, Srinagar), on deputation for a period of two years with effect from the forenoon of June 13, 1974.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 1st July 1974

No. NFC/Adm/22/13(2)/1118.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, in an officiating capacity, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from 1-6-1974 to 31-8-1974 or until further orders, whichever is earlier.

S. P. MHATRE
Senior Administrative Officer

Bombay-400085, the 10th July 1974

No. 5/1/74-Estt.V/200.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoint Shri Jayant Vishwanath Naik, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 29-4-1974 to 13-6-1974.

A. SANTHAKUMARA MENON
Deputy Establishment Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th July 1974

No. A-12025/1/73-EH.—The President is pleased to appoint Shri Raghvendarlal Saha, as Scientific Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st July, 1974 and until further orders.

No. A-22012/3/74-EH.—On attaining the age of superannuation Shri V. Sethuraman retired from Government service and relinquished charge of the office of the Deputy Director of Air Transport in the Civil Aviation Department on the 1st July, 1974 (Forenoon).

No. A-32013/4/73-EH.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Kapoor, as Deputy Director (Tariffs Examination) in the Civil Aviation Department, with effect from 3rd July, 1974 (Forenoon) and until further orders.

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration

New Delhi-3, the 11th July 1974

No. A-12025/2/73-E 4.—The President hereby appoints Shri S. K. Nagpaul, to the post of Assistant Electrical and Mechanical Officer in the Civil Aviation Department, on a temporary basis, in the pay scale of Rs. 700—40—900—40—1100—50—1300, with effect from the 10th July, 1974 and until further orders.

2. Shri Nagpaul is posted in the office of the Electrical and Mechanical Officer, Safdarjung Airport, New Delhi.

S. L. KHANSPUR
Assistant Director of Administration

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th July 1974

No. E(I)04221.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. P. Verma, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (In-

truments), New Delhi, as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th May, 1974 and until further orders.

Shri V. P. Verma, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted in the Office of the Dy. Director general of Observatories (Instruments), New Delhi.

NOOTAN DAS
Meteorologist
for Director General of Observatories

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGE

Dehra Dun, the 28th June 1974

No. 16/199/71-Ests.I.—Shri D. R. C. Babu, Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore, expired on the 11th June, 1974.

PREM KAPUR
Registrar.
for President,
Forest Research Institute & Colleges.

OVERSEAS COMMISSION SERVICE

Bombay, the 4th July 1974

No. 1/265/74-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri C. D. Souza, Asstt. Supervisor, Calcutta Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 15-4-1974 to 15-6-1974 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

The 15th July 1974

No. 1/184/74-EST.—The Director General, Overseas Communication Service, hereby appoints Shri V. P. Kandavelu, Supervisor, New Delhi Branch as Traffic Manager, in an officiating capacity in the same branch for the period from 15-4-74 to 15-6-74 (both days inclusive) against short-term vacancy.

The 16th July 1974

No. 1/251/74-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri M. M. Sharma, Asstt. Supervisor, New Delhi Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 15-4-1974 to 15-6-1974 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer,
for Director General

**OFFICE OF THE COMMISSIONER FOR
SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES**

New Delhi-110022, the 17th July 1974

No. 42/3/73-Adm.—On attaining the age of superannuation Shri Bhadra Ram Section Officer, Office of the Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and a permanent Officer of the Section Officers' grade of the C.S.S. borne on the cadre of the Department of Social Welfare, retired from Government service on the forenoon of the 1st July 1974.

A. LAKSHMAYYA
Assistant Commissioner for
Scheduled Castes and Scheduled Tribes

**DIRECTORATE OF INSPECTION,
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 18th July 1974

C. No. 1041/63/74.—Shri B. Prasad, lately posted as Assistant Secretary, Central Excise (S.R.P.) Review Committee, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I, in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection Customs and Central Excise, New Delhi in the forenoon of the 1st July, 1974.

The 20th July 1974

C. No. 1041/66/74.—Shri D. Mehta, lately posted as Assistant Collector of Central Excise in Delhi Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central

Excise) Class I, in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection Customs and Central Excise, New Delhi, in the forenoon of the 11th July, 1974.

B. S. CHAWLA
Director of Inspection
Customs and Central Excise

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE—CHANDIGARH

Chandigarh, the 10th July 1974
(ESTABLISHMENT)

No. 174.—Shri B. N. Mangotra (Inspector SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Mangotra took over the charge of the post of Supdt. of Central Excise Division, Srinagar in the afternoon of the 30th April, 1974.

No. 175.—On attaining the age of 58 years, Shri M. N. Kaul retired from the post of Superintendent, Central Excise Class II, Srinagar in the afternoon of 30-4-74.

B. K. SETH
Collector

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE : SHILLONG

Shillong, the 9th July 1974

No. 24/74.—Shri H. O. Roy, an officiating Office Superintendent, Customs and Central Excise Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class II), Customs and Central Excise until further orders. Shri H. O. Roy, assumed charge as Examiner of Accounts, Customs and Central Excise at Shillong on 1-7-74 (F.N.).

H. R. SYLEM
Collector of Customs
and Central Excise, Shillong

Customs Establishment

No. 5/74.—Shri P. DEVALUDU, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Appraiser (NON-EXPERT) in Madras Custom House in a temporary capacity with effect from 26-6-74 F.N.

Shri Devaludu will be on probation for a period of two years.

No. 6/74.—Shri MATHEW GEORGE, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Appraiser in a temporary capacity with effect from 1-7-1974 afternoon.

Shri Mathew George will be on probation for a period of two years.

G. SANKARAN
Collector of Customs

**CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS
OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF
INDIA**

Gwalior-6, the 23rd July 1974

Narcotics Department

S. No. 12.—Shri R. K. Tewari, Assistant Collector of Customs and Central Excise presently posted as Assistant Narcotics Commissioner (Manager) Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 510/- in the scale of Rs. 400—400—450—30—510—EB—700—40—1100—50/2—1250 with effect from the 14th October, 1973.

S. No. 13.—In modification of this office notification No. 9.F.N. III(10)2/AC/74, dated 5-6-1974, Shri V. S. Tamta, Sales Manager, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur, is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 24th October, 1973.

S. No. 14.—Shri Amrik Singh, Sales Officer (Administrative Officer), Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, New Delhi is allowed to cross the efficiency bar at

the stage of Rs. 810/- in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 1st November, 1973.

V. R. SOMALKAR,
Narcotics Commissioner of India

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
TUTICORIN HARBOUR PROJECT**

Tuticorin-4, the 10th June 1974

No. A.22013/1-74/GE/2182.—The Chief Engineer & Administrator/Tuticorin Harbour Project is pleased to appoint Sarvashri T. Sivasubramaniam and N. Subbiah, Junior Engineers, in Tuticorin Harbour Project, on promotion, as Assistant Engineers (Civil) in the Project, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity on regular basis with effect from the forenoon of the 23rd May, 1974.

D. I. PAUL,
Chief Engineer & Administrator

**CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(WATER WING)**

New Delhi-22, the 16th July 1974

No. A.19012/479/74-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water and Power Commission is pleased to appoint Shri Sube Singh to the post of Chief Librarian in the Central Water and Power Commission (Water Wing), New Delhi, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the afternoon of 29th June, 1974 until further orders.

2. Shri Sube Singh will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

The 18th July 1974

No. A.19012/490/70-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri P. C. Jose to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg) on an *ad hoc* basis, with effect from 26-6-74(F.N.) until further orders.

Shri Jose took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water & Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K.P.B. MENON, Under Secy.

(POWER WING)

New Delhi-22, the 24th July 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II, Service with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

1. Shri Aditya Kumar, 27-6-74 (F.N.)
2. Shri R. R. Chausalkar, 27-6-74 (F.N.)
3. Shri K. C. Baishakha, 27-6-74 (F.N.)
4. Shri Mohinder Singh, 27-6-74 (F.N.)
5. Shri R. C. Bansal, 27-6-74 (F.N.)
6. Shri G. Ramachandran, 27-6-74 (F.N.)
7. Shri V. K. Gupta, 27-6-74 (F.N.)

M. S. PATHAK, Under Secy.
for Chairman.

**NORTHERN RAILWAY
NOTICE**

New Delhi, the 1 June 1974

No. 10.—Shri Inder Singh, Divisional Superintending Engineer, Ferozepur has retired from service on 30-4-1974 on attaining the age of superannuation.

C. S. PARAMESWARAN,
General Manager

NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong-3, the 19th June 1974

No. NFC. 95/74.—Shri R. Sharma, Retired Director of Sericulture and Weaving, Govt. of Assam is re-employed as Deputy Director (Sericulture) in the North Eastern Council Secretariat, in the scale of pay of Rs. 1300-60-1600-100-1800/-P.M. for one year in the first instance, with effect from 1-6-74 (F.N.).

D. K. BHATTACHARYA, Secy.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Biemka Private Limited.*

Bombay, the 23rd July 1974

No. 14188/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Biemka Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN,
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Madras Merchandise Private Limited.*

Madras, the 17th July 1974

No. DN/1517/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Madras Merchandise Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Rasi Tyre Company Private Limited*

Madras, the 12th July 1974

No. DN/5521/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rasi Tyre Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shanti Chit Funds Private Limited*

Madras, the 12th July 1974

No. DN/5740/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Shanti Chit Funds Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Mount Engineering Industries Private Limited.*

Madras, the 12th July 1974

No. DN/5559/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Mount Engg. Industries Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Madras.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pioneer Motors of India Private Limited.*

West Bengal, the 10th September 1974

No. 24442/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date

hereof the name of the Pioneer Motors of India Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Das Brothers Printing Works Private Limited*

West Bengal, the 10th July 1974

No. 16200/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Das Brothers Printing Works Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
National Light Industries Private Limited.*

West Bengal, the 10th July 1974

No. 16010/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the National Light Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eastern Enterprises Private Limited.*

West Bengal, the 10th July 1974

No. 18881/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Eastern Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Barpathar Rice & Oil Mills Private Limited.*

West Bengal, the 10th July 1974

No. 23451/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Barpathar Rice & Oil Mills Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mithisons Private Limited.*

West Bengal, the 10th July 1974

No. 24329/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mithisons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Barasat Tools Factory Private Limited.*

West Bengal, the 10th July 1974

No. 27051/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Barasat Tools Factory Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Best Industries.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 15282/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Best Industries Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Cosmic Works (India) Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 15750/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cosmic Works (India) Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ceramics Tiles & Glass India Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 20865/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ceramics Tiles & Glass India Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chakraborty & Chatterjee (Agency) Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 16217/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chakraborty & Chatterjee (Agency) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Asansol Paper & Book Company Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 21064/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Asansol Paper & Book Co. Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mukherjee Agencies Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 27052/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mukherjee Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Komet Printing Works Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 25119/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Komet Printing Works Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sas Manufacturing Co. Private Limited.*

West Bengal, the 11th July 1974

No. 25647/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sas Manufacturing Co. Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956
And*

*In the matter of "Swami Motor Transport Private Limited".
(Section 445 of the Companies Act, 1956)*

No. 2731/C.Liqn.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras dated 20th August, 1973 passed in C.P. No. 7 of 1972 the company "Swami Motor Transport Private Limited" was wound up.

*In the matter of the Companies Act, 1956
And*

*In the matter of "Carevel Carriers Private Limited".
(Section 445 of the Companies Act, 1956)*

No. 5869/C.Liqn.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras dated 1st March, 1974 passed in C.P. No. 75 of 1972 the company "Carevel Carriers Private Limited" was wound up.

P. ANNAPURNA,
Addl. Registrar of Companies.

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 18th July 1974

No. C.A.-5/Bom./Poona/November, 1973/126/74-75.—
Whereas, I, G. Krishnan,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have
reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Old Survey No. 39 (Part), City Survey Nos. 11 (Part),
11/1, 11/4, 11/5, House No. 13, Bund Garden Road,
Poona,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred as per deed
registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 5-11-73,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sir Dinshaw Maneckji Petit, 3rd Bart.
2. Mrs. Dina Yves Morange,
3. Nusserwanji Dineshaw Petit,
4. Mrs. Roda Hari Bhagat,
5. Pirojshah Jamshedji. Pandey
Uco Bank Building 4th floor.
350, Dr. D. Naoroji Road, Fort, Bombay.
(Transferor)
- (2) 1. Mrs. Chandrabai Naraindas Chotirmal,
2. Bhagwandas Naraindas Chotirmal,
3. Narain Motiram Gidwani,
4. Santramdas Kripalani,
C/o. M/s Shanti Builders,
2B. Sindhu House, Nanabhoy Lane,
Flora Fountain, Fort, Bombay-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of Khalsa land together with the messuages, tenements or bungalows and out-houses, coach houses and stable standing thereon known as House No. 66, Civil Lines and formerly known as Magdala House and now known as Mon Repos situate, lying and being at Poona in the Deccan, in the Registration Sub-District of Haveli, District Poona, within the limits of Poona Suburban Municipality containing by admeasurement 23324.41 Sq. Metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old Survey No. 39 (Part), City Survey Nos. 11 (Part), 11/1, 11/4, 11/5 House No. 13, Bund Garden Road and bounded as follows.—that is to say; on or towards the East partly by Bund Garden Road and partly by Government Record's Office; on or towards the West partly by Part of the property fully described in the 1st schedule to the relevant instrument of transfer dated 29-3-73 and partly by Connaught House, City Survey No. 10, Connaught Road; on or towards the North by the property owned by Maharashtra Housing Board now known as Agarkar Nagar and partly by the property known as Villa Magdala and Magdala House and on or towards the South partly by the Government Record's office and partly by the Connaught House, City Survey No. 11, Connaught Road.

G. KRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 18th July 1974

No. C.A./Bom/Poona/November 1973/127/74-75.—
Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Survey No. 39 (Part), Survey Nos. 11 (Part), 11/2, 11/3, House No. 14 Bund situated at Garden Road, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 5-11-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sir Dineshaw Manekji Petit, 3rd Bart.
2. Miss Dina Yves Morange.
3. Nusserwanji Dineshaw Petit.
4. Pirojshaw Jamshcdji Pandey.
5. Miss Piroja A. Natelwalla,
Uco Bank Building 4th floor,
359, Dr. Naoroji Road, Fort, Bombay.
(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Chandrabai Naraindas Chotirmal,
2. Bhagwandas Naraindas Chotirmal,
3. Narain Motilal Gidwani,
4. Santramdas Kiratrai Kripalani,
C/o. M/s Shaati Builders,
2B, Sindhu House, Nanaboy Lane,
Flora Fountain, Fort, Bombay-1.
(Transferee)

- (3) 1. Shri Parviz Rustumji Kothawala,
2. Shri Pesi F. Dineshaw,
3. Shri Mohamed Hussain Mulla Hasanalli
Poonawalla,
all at Villa Magdala and Magdala House,
14, Bund Garden Road, C.S. Nos. 11 (Part),
11/2, 11/3, Poona.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of Khalsa land together with the messuages and tenements or dwelling houses or bungalows without-houses standing thereon formerly known as Magdala House and now known as Villa Magdala and Magdala House and bearing No. 14 Bund Garden Road, i.e., City Survey Nos. 11 (Part), 11/2, 11/3, situate lying and being at Poona within the limits of Poona Suburban Municipality and admeasuring 10015 Square Metres as per the final demarcation certificate on which the said Magdala House and Villa Magdala stands and bearing Old Survey No. 39 (Part) and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by Bund Garden Road; on or towards the West by part of the property known as 'Mon Repos'; on or towards the North by the Property owned by Maharashtra Housing Board and now known as Agarkar Nagar and on or towards the South by part of the property known as 'Mon Repos', and which property is situate lying and being at Poona in the Deccan in the Registration Sub-District of Haveli, District Poona.

G. KRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 18-7-1974,
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Dilip Tryambak Ganu,
C/o The Arvind Oil Mills Co (Pvt) Ltd.,
Near Railway Station, Dhulia
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX. ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD.
POONA-411004

Poona-411004, the 9th July 1974

No. C A 5Feb 1974/Dhulia/123/14-75.—Whereas, I, G Krishnan, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No CS No. 4734 and CS No 4732 Bungalow, and land adjoining that Bungalow at Dhulia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dhulia on 15-2-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to following persons namely :—

- (1) The Arvind Oil Mills Co (Pvt) Ltd Near Railway Station, Dhulia on behalf of the Company its Managing Director Shri Tryambak Ganesh Ganu.
(Transferee)

13—196 GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C S No 4734—Area 1821 9 Sq. Meters
Bungalow (including kitchen) & C S No 4732—Area 202 3 Sq. Meters at Dhulia
W C Building Free—Hold
I land below buildings and surrounded by it
Non-Agricultural land (18 gunthas) O H 18Ares. (12 Gunthas) O H 12 Ares
Its S No 622 & 630 respectively. So also this non-agricultural land is surrounded by Agricultural land of 1 Acre (40 Gunthas), (12 Gunthas fallow) S No. of Agricultural land 628/1 Towards East—Bombay Agra Road
Towards West—Dhule Railway Station
Towards South—C S No 4735 and C.S. No. 4733 Buildings
Towards North—Road under Town Development scheme connecting Station and Agra Road

G. KRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 9-7-1974,
Seal :

FORM ITNS

(1) Amar Nath Bhattacharjee,
70C, Hindustan Park, Calcutta-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1974

No. AC-87/R-IV/Cal/74-75.—Whereas I, George Verghese being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 70C, Hindustan Park, Calcutta-29, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 5-11-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Jaswant Gouri Chaschani,
Hindustan Park, Calcutta-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat being the entire third floor consisting of 2 living rooms, one bath room etc. at No. 70C Hindustan Park, Calcutta-29, Total area—2150 Sq. Ft. 500, Sq. Ft. built up and 1650 Sq. Ft. open terrace and proportionate share of land of 5 cottahs etc. as described in the document No. 6421 of 1973.

GEORGE VARGHESE,
Competent Authority,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 16-7-74.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Film Vaults Pvt. Ltd.
3/2, Madan Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th July 1974

No. AC-86/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 251 J.L. No. 34 Touzi No. 151 Kh No. 251 & 74 to 85 situated at Mouza Baderaipur P. S. Jadavpur, Dist 24 Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Film Vaults Pvt. Ltd.
3/2, Madan Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sulekha Work Ltd.,
Sulekha Park, Calcutta-32.

(Transferee)

(3) West Bengal Financial Corporation, Raja Chamber, Hastings Street, Calcutta. Person whom the undersigned knows to be interested in the Property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza—Baderaipur, J.L. No. 34, Kh. No. 251, Touzi No. 151, Kh. No. 251 & 74 to 85 P.S. Jadavpur, District 24 Parganas, Area 1.73 acres & structures more particularly described in document No. 6591 of 1973 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

GEORGE VARGHESE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kavitha, Daughter of Sri V. N. Shankar,
No. 6 Brunton Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri V. N. Shankar, No. 6 Brunton Road,
Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27 the 24th July 1974

CR. No. 62/1935/73-74.Acq/B.—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/3 Annaswamy Mudaliar Road, Bangalore-42, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Shivajinagar on November 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land bearing New Municipal No. 5/3 Annaswamy Mudaliar Road, Civil Station, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore-27.

Date : 24-7-74.

Seal :

FORM ITNS
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM**

Ernakulam, the 6th July 1974

Ref No. L.C. No. 16/74-75.—Whereas, I K. Rajagopalan, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ernakulam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 355/3 (R.S. 25/3) and 355/2 R.S. 25/3(i) situated at Pazhanjanur Desom in Kadalandy Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feroke on 5-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shrimati Madathingal Mariyakutty Beevi,
Sheikumthody House, Chaliyam,
P.O. Calicut.
(Transferor)

(2) Shri Peelipurathu Muhammed Koya Haji,
Chaliyam, P.O. Calicut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th Right in Property (85 Cents of Land and Building)
No. 2/I in Survey Nos. 355/3 (R.S. 25/3) and Survey No. 355/2 (R.S. 25/3(i)) in Pazhanjanur Desom in Kadalandy Panchayat in Calicut Dist.

K. RAJAGOPALAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-7-74.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 6th July 1974

I.C. No. 17/74-75.—Whereas, I.K. Rajagopalan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 355/3 (R.S. 25/3), and 355/2 (R.S. 25/3(i)) situated at Pazhanjanur Desom in Kadalandy Panchayat in Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feroke on 2-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Avaloth Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.

2. Sri Ahammed Koya Haji, S/o Smt. Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.
3. Kum. Ayisha Beevi, D/o Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.
4. Sri Musthaffa, S/o Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.
5. Kum. Mariambee, D/o Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.
6. Abdul Razaak, S/o Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.
7. Abdul Nazar, S/o Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.
8. Mohammed Iqbal, S/o Pathumma Beevi, Nacholi House, Kacheri Amsam, Calicut.

(Transferor)

- (2) Shri Peelipurath Muhammed Koya Haji, Chalayam, P.O. Calicut

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Right in Property (85 Cents of Land and Building) No. 2/I in Survey Nos. 355/3 (R.S. 25/3) and Survey No. 355/2 (R.S. 25/3(i)) in Pazhanjanur Desom in Kadalandy Panchayat in Calicut Dist.

K. RAJAGOPALAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-7-74.

Seal :

FORM ITNS

M/s. Yeo Fah Tannery Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1974

Ref. No. TR-1363/C-282/CAL-1/73-74.—Whereas, J. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. Plots 755, 800, 805, 806 situated at Mouza Tangra, J.L. No. 5 P. S. Beniapukur, Dist. 24 Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 27-11-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Nazibannessa Bibi, (2) Ayesha Bibi, (3) Niloffar Begum.
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land and tank containing an area of 5.94 Acres comprised in C.S. plots 755, 800, 805, 806 in khatain 156 at Mouza Tangra, J.L. No. 5, P.S. Beniapukur Dist. 24 Parganas.

S. K. CHAKRAVARTY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range I,
 P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 24-7-74

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-977/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2992 of November, 1973 situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dogar Ram s/o Shri Lalji Ram s/o Swarn Ram, Banga.

(Transferor)

(2) Shri Abinash Chander, Subash Chander, Rajesh Kumar, Vijay Kumar, Pawan Kumar SS/o Shri Hari Ram s/o Shri Bishan Dass c/o M/s Ram Parkash Khirat Ram, Cement Stockists, Railway Road, Banga.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2992 of November, 1973 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Bheero d/o Smt. Ject Kaur Wd/o Shri Chanan Singh R/o Lakan ke Padde District Kapurthala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Bhultah/AP-978/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1200 of November, 1973 situated at Lakan-ke-Padde (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhullath in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Singh s/o Shri Ghambanda Singh R/o Lakan ke Padde District Kapurthala.
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above, (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1200 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhullath.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Om Datt s/o Shri Mohan Lal R/o V. Raipur Aruan.
 (Transferee)—

(3) As at S. No. 2 above, (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Bhulath/AP-979/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta

Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1124 of November, 1973 situated at V. Raipur Aruan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhullath in November 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalipa s/o Shri Milkhi R/o Raipur Aruan.
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1124 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhullath.

D. S. GUPTA
 Competent Authority,
 (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.)

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Balkar Singh s/o Shri Lehna Singh R/ Raipur Aruan District Kapurthala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Bhullath/AP-980/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1122 of November, 1973 situated at V. Raipur Aruan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhulleth in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalip Singh s/o Shri Milkhi R/o Raipur Aruan District Kapurthala.

(Transferor)

- (2) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1122 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhulleth.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-981/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1940 of November, 1973 situated at V. Ramira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kapurthala in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Bela Singh s/o Shri Suchet Singh R/o Hamira District Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Muktiar Singh s/o S. Gian Singh, Hamira. Shri Sewa Singh, Sukhbir Singh SS/o Shri Shanker Singh R/o Mana Talwandi. Gurbax Singh, Gurdev Singh s/o S. Bhan Singh R/o Dayalpur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1940 of November, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-982-/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1527 of November, 1973 situated Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gulzara Singh s/o S. Bhana Jat, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal, Mohan Lal, Kundan Lal Tek Chand SS/o Pt. Bhagat Ram, V & P.O. Takhar.
(Transferee)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1527 of November, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-983/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in Darvesh Pind as mentioned in the Registered Deed No. 1594 of November, 1973 situated at Darvesh Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sher Singh s/o S. Waryam Singh R/o Darvesh Pind Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) S. Amarjit Singh, Jai Ram Singh, Ravinder Singh S/o S. Gurdial Singh R/o Darvesh Pind Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1594 of November, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority, Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref No. ASR/Phg/AP-984/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1595 of November, 1973 situated at Darvesh Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Phagwara in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sher Singh s/o S. Waryam Singh R/o Darvesh Pind, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sukhvinder Singh, asvir Singh, Kamaljit Singh SS/o S. Daya Singh V & P.O. Khangooray.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1595 of November, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/ZRA/AP-985/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3621 of November, 1973 situated at Talwandi Napala (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Zeera in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harmail Singh s/o Shri Nahar Singh s/o Shri Karnail Singh R/o Talwandi Napala Teh. Zeera, (Transferor) (Transferee)
- (2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Gulzara Singh s/o Hira Singh & Smt. Gurchet Kaur W/o Shri Malkiat Singh R/o Garha Teh. Phillaur, Rana Baljit Singh

Garewal s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Mota Singh R/o Kot Garewal Teh. Phillaur, S/Shri Piara Singh, Jarnail Singh, Tarlok Singh SS/o Shri Sarwan Singh s/o Shri Maya Singh R/o Dusanjh Ralan. Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3621 of November, 1973 of the Registering Authority, Zeera.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/ZRA/AP-986/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3623 of November, 1973 situated at V. Talwandi Napala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zeera in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Balbir Singh s/o Shri Mehanga Singh s/o Shri Bhagwan Singh R/o Talwandi Napala Teh. Zeera.
(Transferor)

(2) Shri Malkait Singh s/o Shri Gulzara Singh s/o Hira Singh & Smt. Gurchet Kaur w/o Shri Malkait Singh R/o Garha Teh. Phillaur. Rana Baljit Singh Garewal s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Mota Singh R/o Kot Garewal Teh. Phillaur. S/ Shri Piara Singh, Jarnail Singh, Tarlok Singh S/o Shri Sarwan Singh s/o Shri Maya Singh R/o Dusanh Kalan Teh. Phillaur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3623 of November, 1973 of the Registering Authority, Zeera.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/ZRA/AP-987/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3624 of November, 1973 situated at Talwandi Napala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Zecra in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kulbir Kaur w/o Shri Paramjit Singh s/o Shri Harkishan Singh R/o Talwandi Napala Teh. Zecra through Shri Mchanga Singh G.A. (Transferor)
- (2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Guleara Singh s/o Hira Singh & Smt. Gurcharn Kaur w/o Shri Malkiat Singh R/o Garha Teh. Phillaur. Rana Baljit

Singh Garewal s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Mota Singh R/o Kot Garewal Teh. Phillaur. S/ Shri Piara Singh, Jarnail Singh, Tarlok Singh SS/o Shri Sarwan Singh s/o Shri Maya Singh R/o Dusanjh Kalas Teh. Phillaur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3624 of November, 1973 of the Registering Authority, Zecra.

D. S. GUPTA
Competent Authority
of Income-tax,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/ARA/AP-988/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3625 of November, 1973 situated at Talwandi Napala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Zeera in November 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarjit Singh s/o Shri Mehanga Singh s/o Shri Bhagwan Singh R/o Talwandi Napala Teh. Zeera through Shri Mehanga Singh, father.
(Transferor)

(2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Gulzara Singh s/o Hira Singh & Smt. Gurchet Kaur w/o Shri Malkiat Singh R/o Garha Teh. Phillaur. Rana Baljit Singh Garewal s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Mota Singh R/o Kot Garewal Teh. Phillaur. S/ Shri Piara Singh, Jarnail Singh, Tarlok Singh SS/o Shri Swaran Singh s/o Shri Maya Singh R/o Dushanji Kalan Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3625 of November, 1973 of the Registering Authority, Zeera.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May, 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) S. Prem Singh, Ujagar Singh SS/o Shri Mehar Singh V. Malki Teh. Moga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/Moga/AP-989/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5738 of November, 1973 situated at V. Sivian (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rikhi Ram s/o Shri Daulat Ram G.A., Manohar Lal, Santosh Kumar SS/o Shri Rikhi Ram & Krishan Kumar s/o Shri Rikhi Ram, Moga.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5738 of November, 1973 of the Registering Authority, Moga.

D. S. GUPTA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/APR/AP-990/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 856 of November, 1973, situated at V. Ahmedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Sultanpur Lodhi in November 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue at the notice under sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Kala Singh S/o Shri Moola Singh, Attorney of Kishan Kaur w/o S. Sunder Singh R/o Ahmedpur Teh. Sultanpur Lodhi. (Transferor)

(2) Shri Shamsher Singh, Sahib Singh S/o S. Kala Singh R/o Ahmedpur Teh. Sultanpur Lodhi (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 856 of November, 1973 of the Registering Authority, Sultanpur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar the 29th May 1974

Ref No. ASR/SPR/AP-991/74-75.—Whereas I. D. S Gupta being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 862 of November, 1973 situated at V Ahmedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Shri Kala Singh S/o S Moola Singh, Attorney of Kishan Kaur w/o S Sunder Singh R/o Ahmedpur Teh Sultanpur Lodhi (Transferor)

(2) Shri Jagu Singh S/o S Moola Singh Jasbir Singh As/o Jagir Singh R/o Ahmedpur Teh Sultanpur Lodhi (Transferee)

(3) As at S No 2 above
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 862 of November, 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi

D S Gupta
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date 29 May, 1974

Seal.

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/SPR/AP-992/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 883 of November, 1973, situated at V. Ahmedpur, situated at V. Ahmedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kala Singh S/o Shri Moola Singh Attorney of Kishan Kaur W/o S. Sunder Singh R/o Ahmedpur Teh. Sultanpur Lodhi. (Transferor)
- (2) Shri Resham Singh, Shiv Raj Singh, Kashmir Singh, Samarjit Singh S/o S. Moola Singh R/o Ahmedpur Teh. Sultanpur Lodhi (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 883 of November, 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi.

D. S. Gupta
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29 May, 1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
Amritsar, the 29th May 1974**

Ref. No. ASR/JUL/AP-993/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7189 of November, 1973 situated at Jail Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. E. A. Mitter S/o Shri N. L. Mitter through G.A. Shri Sikandar Lal Sharma S/o Shri N. N. Sharma, Inspector R/o Jatwara Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Surinder Kumar, Abhay Kumar Pawinder Kumar SS/o Shri Dev Raj, 35, Mission Compound, Jail Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the Property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7189 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range I
Amritsar.

Date : 29 May, 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Mehma Wati W/o Shri Dev Raj s/o Shri Kharaitilal Jain, 35, Mission Compound, Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-994/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7188 of November, 1973, situated at Jail Road, Jullundur

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November 1973

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. E A. Mitter S/o Shri N. L. Mitter through G A. Shri Sikadar Lal Sharma, S/o Shri N. N. Sharma, Inspector R/o Jatwara, Darya Ganj, Delhi.
(Transferor)

16—196GI/74

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7188 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29 May 1974.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1974

Ref. No. ASR/JUI/AP-995/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No. Plots of land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 7188, 7189, 7335, 7336 & 7353 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur situated at Jail Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Hazal Andrews Wd/o E.F. Andrews R/o 37-L Model Town, Jullundur. Lt. Col. E. A. Mitter s/o Shri N. L. Mitter through G. A. Shri Sikandar Lal Sharma s/o Shri N. N. Sharma, Inspector R/o Jatwara, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Surinder Kumar, Abhay Kumar, Pawinder Kumar SS/o Shri Dev Raj, Smt. Mehma Wati w/o Shri Dev Raj, 35 Mission Compound, Jullundur, (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots of land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 7188, 7189, 7335, 7336 & 7353 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29th May 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Parimala Desai, No. 44, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'L. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th July 1974

No CR 62/1973/A/73-74/ACQ(B)—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Kumarakrupa Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1948) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on November, 1973, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri K. S. Bhanu, and Murali Bhanu minor by Guardian K. S. Bhanu, No. 6, 1st Cross, Sri Krishna Jayamabha Extension, Bangalore-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 11, Kumaracot layout, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore, measuring 40' × 70'.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore-27

Date : 16-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th July 1974

No. CR. 62/1973 B/73-74/ACQ(B) —Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, situated at Kumarcot layout, Kumarakrupa Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore, on November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K S Bhanu, and Shri Murali Bhanu minor by Guardian Shri K S Bhanu, No 6, Sri Krishna, 1st Cross, Jayamahal Extension, Bangalore-6
(Transferor)
- (2) Dr P R Desai, No 44, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further noticed that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 10, Kumarcot layout, Kumarakrupa Road, High Grounds, Bangalore, measuring 40' × 70'

R KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27

Date 16-7-1974
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri B. P. Ataullah Khan, Partner in Messrs. National Travels, No. 46, Sajjan Rao Road, Visveswarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

Bangalore-27, the 22nd July 1974

No. C R. 62/1919/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 46 (Old 452)/A on Sajjan Rao Road, situated at Visveswarapuram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, on 17-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shamsunder Hargovindsingh Bajaj, "Rashmi" Building, Flat No. B-3, III floor, Carmichael Road, Bombay-26.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 46, (Old 452/A), situated on Sajjan Rao Road, Visveswarapuram, Bangalore-4.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,

Acquisition Range, Bangalore-27

Date : 22-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 17th July 1974

No CR 62/1952/73-74/ALQ(B).—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 241/2, situated at Upper Palace Orchards, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore on November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Navin Chandra Chatubhai Majithia, 2. Smt. Propilla Navinchandra Majithia, No 268, Palace Upper Orchards, Bangalore-6.
(Transferor)
- (2) Shri A. N. Srinivasa, No. 9 and 10, 4th Cross, Ramakrishnapuram Extn. S.C. Road, Bangalore.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site bearing No. 241, New No. 241/2, situated at Upper Palace Orchards, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-27

Date : 17-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Reserve Bank of India Staff Mulund Co-op. Housing Society Ltd., C/o Reserve Bank of India, S.B. Road, Dadar, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 17th July 1974

No. AP 168/IAC. AR.IV/74-75.—Whereas, I Shri G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, S. No. 142, H. No. 2(Pt), situated at Nahur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Parshuram W. Patil & Others, 307, Village Road, Mulund, Bombay-80.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Nahur (Mulund) bearing Plot No. 7 bearing Part of S. No. 142 Hissa No. 2 (Part) in Registration Sub-District and District Bombay City & Bombay Suburban.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 17-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 25th July 1974

No. AP. 171/IAC. AR-IV/74-75.—Whereas, I, Shri G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

S. No. 24, H2, situated at Saki Village,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 9-11-1973,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rama C. Vaidya, Karim Chambers, 1st Floor, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) Telerad Pvt. Ltd., Chandivali, Saki-Vihar Road, Bombay-400072.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25, Hissa No. 2 in Saki Vihar Road, admeasuring 1573 sq. yds. situated in Saki Village, Andheri-Kurla Road, Bombay.

G. S. RAO
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 25-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Hindustan Construction Co. Ltd., Construction House, Billard Estate, Bombay.
(Transferor)

(2) Chetana Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Jangal Mangal Road, Bhandup, Bombay.
(Transferee)

*(3) Shri Ram Balsi Maharaj Singh & Ors.
(Person in occupation of the property)

*(4) Shri K. R. Ayyar & Others.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground situate at Kanjur admeasuring 3266 sq. yds. i.e. 2738.80 sq. mts. situated in the Registration Sub-Dist. of Bandra, Dist. Bombay Suburban and bounded on or towards the north by Bhagwan Bhawan, on or towards the south by property of Trivenibai Kalidas, on or towards the East by Nala and on or towards the West by Jangal Mangal Road. Plot bears Survey No. 147 Part.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

17—196GI/74

G. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 25-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dutta Gupte, 20, Commercial Chambers, Masjid Bunder Road, Bombay-3.
(Transferor)

(2) Shri Mohamedali Gulamhussein Alladin, Makan Menor, 16, Peddar Road, Bombay-26.
(Transferee)

(3) Hutment dwellers.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 25th July 1974

No. AP.169/IAC. AR.IV/74-75.—Whereas, I, Shri G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 79, H. No. 17, S. No. 79, H. No. 14A (Pt), C.T.S. No. 781 and 777 (Pt). situated at Marol Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 79, H. No. 17, area 242 sq. yds. and bearing S. No. 79, H. No. 14A(Pt) 1665.37 sq. yds. respectively, C.T.S. No. 781 and 777 (Part) at Village Marol, Andheri (East), Bombay-59.

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 25-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA.

Calcutta, the 23rd July 1974

No. 140/Acq-R-III/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Burrabazar Chandan Nagar, P. S. Chandan Nagar Dist. Hooghly,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 22-1-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Phanindra Nath Nandy, 18, Maharshi Devendra Rd., Calcutta office at 3/3, Maharshi Debendra Rd., Cal.-7.
Rd., Calcutta office at 3/3, Maharshi Debendra Rd., Cal-7.

(Transferor)

(2) United Nursing Home Co-operative Society Ltd.,
Burrabazar Chandan Nagar, Dist.-Hooghly.
(Transferee)

(3) Sri S. N. Roy, Burrabazar Chandan Nagar, Dist.-
Hooghly (part of ground floor).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring .103 acres of land with two storied building standing thereon at Burrabazar Chandan Nagar under Mouza Chandan Nagar, Khatian No. 350 Dag No. 619 under P. S. Chandan Nagar Dist. Hooghly as per deed No 1-393 of 1974.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Rd.

Calcutta

Date : 23-7-1974

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Rajendra Nath Mullick.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta, the 24th July 1974

No. TR-1364/C-281/CAL-I/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76, situated at Ganesh Chandra Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar of Assurances, No. 5, Govt. Place North, Calcutta on 28-11-1973, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 76, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta, covering an area of land measuring 3 Cottahs 2 Chittacks and 16 Square feet.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1

Date : 24-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Urmila & Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th July 1974

No. AR-I/611-6/Nov.73.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 99 of Fort Division situated at the junction of Esplanade Road & Bell Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registry, Bombay on 26-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ardesir Bomanji A. Dubhash.
(Transferor)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of pension and tax tenure with messuages, tenements and the building standing thereon known as "Agra Building" situate lying and being at the junction of Esplanade Road (now known as Mahatma Gandhi Road) and Bell Lane, Bombay in the registration Sub-District of Bombay bearing Collector's New No. 4909, New Survey No. 9468, Cadastral Survey No. 99 of Fort Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under "A" Ward, No. 1145, Street Nos. 117, 121 1 to 5 Mahatma Gandhi Road and Bell Lane admeasuring 685 square yards equivalent to 573 square metres or thereabouts and bonded as follows: that is to say on or towards the North by the Bell Lane, on or towards the South by the Property of Bai Manikbai and Motibai on or towards the East by the property of Hormusji Dhanjibhoy Chists and on or towards the West by Esplanade Road now known as Mahatma Gandhi Road.

S. S. PHADKE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 26-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Mrs. Grace Emma Wardell W/o Simon Wardell,
Kodaikanal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I MADRAS-6

Madras-6, the 26th July 1974

No. F.IX/3/208/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at R.S. No. 2631A1A and R.S. No. 263 2A1A, at Kodaikanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R. II, Madras on 26-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) The London Missionary Society, England. By Power Agent J. G. Morsden.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land and building in R.S. No. 263—1A1A and R.S. No. 2A1A called "Charless Mount" situated at St. Mary's Road, Kodaikanal—land measuring about 3.10 acres and building area about 1060 sq. ft.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 26-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Samman Singh & others.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 23rd July 1974

No. 30-S/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 557-S, 814-S and 815-S situated at Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mohan Lal Ganj on 13-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Brahm Swaroop Verma,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 42 Bighas, 1 Biswa and 15 Biswansi and 5 Bibhas are situated at Village—Dalauna and Parsana respectively in Distt. Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 23-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 25th July 1974

No. S. R/Chhindwara/30-11-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 404/1 and 405/1, B. No. 177, P.H. No. 100 area 39000 sft. situated at Chhindwara, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on 21-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Guruprasad S/o Sh. Onkarbux Shrivastav Chhindwara through Dr. Govind Prasad S/o Shri Onkarbux Shrivastav, Katora Talab, Raipur. (Transferor)
- (2) Sh. Sartaj Singh, Sh. Bittoo Singh Minor S/o Shri Harbans Singh S/o Shri Jaisingh, Village, Piparia Teh. Sohagpur, Distt. Hoshangabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 404/1 and 405/1, B. No. 177, P.H. No. 100—Area 39000 sq ft. situated at Tehsil & District Chhindwara.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 25-7-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. V. K. Rao, 1, Kala Nagar, Bandra (E),
Bombay-50.

(Transferor)

(2) Shri Smt./Kum. Nav Swagharkul Sabakari Ghar
Bhandhani Sanstha, (Regd), Room No. 26, 1st floor,
Haji Kassam Chawl, Copper Smith Road, Dockyard
Road, Bombay-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M.
KARVE MARK, BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th July 1974

Ref. No. AP-173/IAC-AR-IV/74-75.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 360 (H. No. 24, S. No. 368 H. No. 12 and S. No. 347 H. No. 1 situated at Kole-Kalyan Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 5-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces and parcels of land or ground situate and lying and being at Village Kole-Kalyan (Vakola) now included in Greater Bombay and in the Registration Sub-District of Bandra and District of Bandra and District Bombay Suburban being—

Survey No.	Hissa No.	Area.	
		A	G
360	24	0	18
368	12	0	24
347	1	0	1
Total		1	3

i.e., 5592.6 sq. yds. equivalent to 4676 sq. mts. together with shrubs, trees and together with well and together with sheds and/or structures formerly situate thereon and shown on the plan annexed with black coloured boundary line and being assessed by the Assessor and Collector of Municipal Taxes under Nos. 7279(1), 7219(2), 7219(3), 7219(1-D) Street Nos. 2-36A, 1-36, 3-39(1-D-36D) and bearing City Survey Nos. 3409, 3410, 3411, 3412 and 3413 and bounded as follows : that is to say on or towards East by the property bearing City Survey Nos. 3333, 3332, 3330 and 3423 on or towards the south by the property bearing City Survey No. 3473, 3414, 3415, 3419 and 3422 on or towards the west by the property under City Survey Nos. 3473, 3474 on or towards the north by the property under City Survey No. 3408.

G. S. RAO,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 25-7-1974

Seal

FORM ITNS.....

(1) Shri C. D. Vaidya & Others, Karim Chambers, Fort, Bombay-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th July 1974

Ref. No. AP-174/IAC-AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25, H. No. 2, situated at Saki Village and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Telerad Pvt. Ltd., Saki Vihar Road, Chandivali, Andheri-Kurla Road, Bombay-72.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2132-32 sq. mts. bearing S. No. 25, H. No. 2, situated at Saki Village, Andheri, Bombay.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 25-7-1974.

Seal

FORM ITNS

(1) Minerva Dealers Pvt. Ltd., 14, Govt. Place East, 21, Esplanade Mansion, Calcutta.
(Transferor)

(2) Handloom (India) & Garments Industries P. Ltd., 59, Forbes Street, Fort, Bombay-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th July 1974

Ref. No. AP-172/IAC, AR-IV/74-75.—Whereas, I, Shri G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot Nos. 28, 3 & 4 by Amendment 7459.14 sq. m. and bearing S. No. 92H No. 2 (Part) and S. No. 94 (part) situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office, at Bombay on 28-11-1973 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land bearing Plot Nos. 28, 3 & 4 by Amendment 7459.14 sq. mts. and bearing S. No. 92H No. 2 (Part and S. No. 94 part) admeasuring 8951 sq. yds. situate Nahur Village, Mulund, in Bombay Suburban District of Greater Bombay.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.
Date : 25-7-1974.
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1974

Ref. No. TR-1351/C-279/CAL-I/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat Nos. 3 & 5 of premises No. 9/1 and 2/15th part of Flat No. 7 of premises No. 9 situated at Middleton Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer The Registrar of Assurances, No. 5, Govt. Place North, Calcutta on 22-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) The Hong Kong and Shanghai Banking Corporation and Mercantile Bank Ltd.
(Transferor)
- (2) The City Centre Properties (Private) Ltd.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 3 & 5 of premises No. 9/1, Middleton Street, Calcutta and 2/15th part of Flat No. 7 of Premises No. 9, Middleton Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range I,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date : 24-7-1974,

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-1, the 10th July 1974

Ref. No. AC-27/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/1 situated at Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at District Registrar, Alipore on 12-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Subodh Kumar Dey, Gopalpur, Ganjam Distt., Orissa.

(Transferor)

(2) M/s. Chabria Engineering Co., 2A, Rakhal Mukherjee Road, Calcutta-25.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 cottahs, 5 chittacks and 15 sq. ft at 10/1, Diamond Harbour Road, Alipore, Calcutta-27.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range II
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Seal :
Date : 10-7-1974

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 10th July 1974

Ref. No. AC-28/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10B, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at District Registrar, 24-Parganas, Alipore on 8-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Subodh Kumar Dey Gopalpur, Dist. Ganjam, Orissa.
(Transferor)
- (2) M/s. Chabria Engineering Co., 2A, Rakhal Mukherjee Road, Calcutta-25.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 cottahs 11 chittacks 11 sq. ft. at 10B, Diamond Harbour Road, Calcutta-27.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
P-13, Cowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 10.7.1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Ravindra Shamrao Mandalik,
Ward B, Peth Mangalwar,
Kolhapur.

(Transferor)

2. Shri Panditao Krishnaji Shinde,
2406/E Ward, Kolhapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWAN, KARVE ROAD

Poona-411004, the 11th July 1974

Ref. No/ C.A.5/December'73/Karvir/125/74-75.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 584, Plot Nos. 45 to 54 and 55 to 68, situated at Karvir (Kolhapur Municipal Corporation) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karvir (Kolhapur) on 21-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Shamrao Balwantrao Mandalik,
Ward B, Peth Mangalwar,
Kolhapur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. S. No. 584, at Kasba Karveer in the limit of Kolhapur Municipal Corporation. H. Are. Area : 11 Acres 22 gunthas =4-62

Out of this land, comition 1/3rd portion of land. In that land, as per lay out and plan sanctioned by the Government. Plots from Nos. 45 to 54 and 55 to 68.

Total number of plots 24.

Each plot measuring 3200 sq. meters.

Total Area 76,800 sq. ft. i.e., 7128 sq mtrs. Free-hold.

G. KRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poona.

Date : 11-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th July 1974

Ref. No. RAC-18/74-75.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-293 to 314 situated at Rambagh, Chiragalllane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad on 19-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bharatram Bhupal, S/o Raja Ramachander Rao, Rajbhavan Road, Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri Shankerlal Trivedi & Others, Flat No. 6, Chitrakoot, Kachiguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 5-8-283 to 314, Rambagh, Chiragalllane, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 12th July 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bharatram Bhupal S/o Raju Ramachander Rao,
Rajbhavan Road, Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

(2) Shri Shankerlal & others, Flat No. 6, Chitrakoot
Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th July 1974

Ref. No. RAC-19/74-75—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear No 5-8-277 and 292 to 5-8-320/1 situated at Rambagh, Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-8-277 to 292 and 5-8-320/1, Chiragali Lane, Hyderabad.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

19-196GI/74

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Date : 12th July 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri P. Ramachandra Raju and Smt. P. Leela Devi,
No. 1, Conran Smith Road, Gopalapuram, Madras-
86.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th July 1974

Ref. No. F. 834/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Kasturi Renga Iyengar Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore on 13-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. G. Sarojini Devi, W/o Shri G. Venkateswara Rao, Gogineni Puram, Gudur, Nellore, Andhra Pradesh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with Mini theatre) admeasuring 2½ grounds and bearing R. S. No. 1575/5 (Part) situated at No. 10, Kasturi Renga Iyengar Road, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-8, Madras-6.

Date : 9-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th July 1974

Ref. No. F. 973/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil, situated at 1/140A & 1/140B, Mount Road and No. 1, Kammalar Street, Madras-6, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madras (JSR II) on 2-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Mohamed Iqbal, S/o Shri Mohamed Sheriff, No. 5-B, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4.
(Transferor)
- (2) M/s. N. V. Padmanabhan, N. V. Subiamanian, N. V. Hariharan, N. V. Ramakrishnan, N. V. Srinivasan and N. V. Gopalakrishnan (Minor) represented by his father and natural guardian Shri N. P. Venkatarama Iyer, Prayari Amsom, Nurani Village, Palghat District, Kerala State.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 2070 sq. ft. and bearing Municipal Door Nos. 1/140-A and 1/140-B, Mount Road and Door No. 1, Kammalar Street, Thousand Lights, Madras-6.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 11-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras-6, the 11th July 1974

Ref. No. F. 974/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 47 situated at Wallajah Road, Triplicane, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madras (JSR II) on 15-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. N. Karpagavalli, 28, Arunachala Achari Street, Triplicane, Madras-5.
(Transferor)
- (2) K. Jayaraman, No. 5, Kayatheriamman Koil West St., Chidambaram, S. A. District.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) measuring 1462½ sq ft. and bearing R. S. No. 3022/17 situated at Door No. 47, Wallajah Road, Triplicane, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 11-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Keshav Ranu Jawale,
 (2) Smt. Bhimabai Keshavrao Jawale, at
 Siddhibag, Ahmednagar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 9th July 1974

Ref. No. CA 5/December '73/Ahmednagar/124/74-75.—

Whereas, I, G. Krishnan,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal House No. 4674, City S. No. 4634/2, Ward No. 9, situated at Ahmednagar

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmednagar on 10-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri Kondopant Ramchandra Pawase
 (2) Smt. Laxmibai Kondopant Pawase
 (3) Shri Haribhau Kondopant Pawase,
 ut Babulgaon, Tal. Pathardi, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ahmednagar in Ward No. 9 bearing Municipal House No. 4674, City Survey No. 4634/2, Building, Area : 78 Sq. Mts. Ground floor and First floor, Free-hold.

G. KRISHNAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income Tax,
 Acquisition Range, Poona.

Date : 9-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. ARI/599-6/Nov.73.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. C.S. 428 of Colaba Division, situated at the junction of Wodehouse Road and Ormiston Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 5-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hilla Pesi Bharrocha & Mrs. Parviz Hormusji Kapadia.
(Transferor)

(2) Shri Samarthamal Phoolchand Seth.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land hereditaments and premises situate at the junction of Wodehouse Road and Ormiston Road in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay admeasuring 1,460 square yards equal to 1,220.560 square metres or thereabouts (and according to survey Register 147 square yards equal to 1233.38 square metres) and which is bounded on the North-East by the Ormiston Road and on the South East by accommodation Road and on the South-West by Plot No. 3 of the Wodehouse Road Estate and on the North-West by the Wodehouse Road which said piece of land is known as Plot No. 4 Wodehouse Road and assessed by the Collector of Land Revenue under Laughton's Survey No. part of 9563 and bearing Cadastral Survey No. 42 of Colabo Division and bearing Municipal 'A' Ward No. 1307(53, Street No. 27-7 and 2, Wodehouse Road, Ormiston Road Accommodation Road and which premises are known as 'Bennett Villa'.

S. S. PHADKE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5th August, 1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Keshav Shamrao Talpade.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref. No. ARI/659-12/Nov.73.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

Nos. C. S. 1264(P1) & 3/1264 Girgaum Division situated at junction of Lamington Road & Girgaum Back Road (**and more fully described in the Schedule annexed hereto**), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 27-11-1973

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Hilla Pesi Bharrocka & Mrs. Parviz Homi Kapadia.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land of pension and Tax-redeemed land or ground with messuages tenements or buildings standing thereon situate lying and being at the junction of Lamington Road and Girgaum Back Road and known as Tribhowandas Terrace in the Registration SubDistrict of Bombay containing by admeasurement 2898 sq. yards equivalent to 2425 sq. meters or thereabouts registered in the office of the Collector of Land Revenue and forming part of property bearing Collector's New No. 488 CRR No. 103 Old Survey No. 18, New Survey No. 7362 and Cadastral Survey Nos. 1264 (part) and 3/1264, Girgaum Division, Bombay and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward No. 1663(1), 1663(1A), 1663(1B) and 1663(1C) Street Nos. 33A, 211, 211A, 2aaB, 1-2-2A, 3D and bounded as follows, that is to say, on or towards the East by the Lamington Road, on or towards the West by the property of Shapurji Sorabji Wahimwalla, on or towards the South by Girgaum Back Road, on or towards the North by the property of Parmanand Vallabhji and shown surrounded by a red coloured boundary line on the plan annexed.

S. S. PHADKE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Bombay

Date : 5th August, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Platuma Textiles Pvt Ltd

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
 M KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th August 1974

Ref No ARI/660 13/Nov 73—Whereas, I, S S Phadke, the Inspecting Asst Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing Plot No 95, C S No 1778 of Fort Division situated at Marine Drive (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub Registrar Bombay on 27-11-1973 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Bhagwandas Harjivandas Chokshi

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece of land known as Plot No 95 in Block No 1 of the Back Bay Reclamation Estate of the Government of Bombay with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon and known as 'Parijat' situate lying and being on the East Side of Marine Drive now known as Netaji Subhash Road in the Registration SubDistrict of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1929 Square Yards or thereabout and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Rent Roll No 10125 and Cadastral Survey No 1778 of Fort Division and in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under 'C' Ward No 22 and Street No 8F Marine Drive and bounded as follows that is to say on or towards the EAST by Plot No 94 of the said Estate, on or towards the WEST by Marine Drive or Netaji Subhash Road, on or towards the NORTH by Plot No 95-A of the said Estate and on or towards the SOUTH by Fifteensix (56) Feet Road

S S. PHADKE,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Date 5th August, 1974

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 1st August 1974

Ref. No. 22-R/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra,
I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 207 situated at Distt. Bulandshahr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulandshahr on 28-11-1973

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Akhtari Begum.

(Transferor)

(2) Shri M/s Royal Steel Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land measuring 2 Bighas, 7 Biswas and 5 Biswansi is situated in Bulandshahr distt.

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 1st August, 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Pyarey Lal Jalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash Singhaniya & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st August 1974

Ref. No. 6-O/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra,
I.A.C., Acquisition Range, Lucknow
being the competent Authority
under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land
Nos. 125, 126 and 127 situated at Distt. Sitapur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered under
the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Sitapur on 6-11-1973
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the transferor(s) and the transferee(s) has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been record-
ed by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will be
fixed, and notice thereof shall be given to every person
who has made such objection, and the transferee of the
property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plots measuring 1.42 acres surrounded by wall with building
and oil mills, is situated at Mauja Tareenpur in Distt. Sitapur.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 1st August, 1974

Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Sarbati Devi Jalan through Mukhtar and Sri Pyarey Lal Jalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash Singhaniya & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st August 1974

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plots measuring 0.73 acres surrounded by wall with building and oil mills is situated at Mauja Tareenpur in Distt. Sitapur.

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 1st August, 1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sobha Devi Jalan through Mukhtar and Sri Percy Lal Jalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st August 1974

Ref. No. 6-0/Acq.—Whereas, I. K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 125, 126 and 127 situated at Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 6-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Om Prakash Singhaniya & others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots measuring 1.42 acres surrounded by wall with building and oil mills is situated at Mauja Tarcenpur in Distt. Sitapur.

K. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 1st August, 1974

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1975

New Delhi, the 17th August, 1974

F.13/4/74-EJ(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, TRIVANDRUM and a selected Indian Mission abroad on 25th February, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 17th August, 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:—

- (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' Sub-cadre)*;
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade II (for inclusion in the select list of the Grade)*;
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade II (for inclusion in the select list of the Grade); 100
(Includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 8 vacancies for Scheduled Tribes Candidates);
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade II;*
- (v) Posts of Stenographer in the office of the Central Vigilance Commission, Delhi.*
- (vi) Posts of Stenographer in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.*

*Vacancies not intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only, and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

NOTE.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers; and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Tests in English (cf. para 3 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 31st October, 1975.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1975 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 14th October, 1974 (28th October, 1974 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th October 1974), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1974 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1974 examination, his candidature for the 1975 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para III of Annexure I.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January 1964, but

before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 3.00 (Re. 1.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 5 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) General Knowledge, and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix I to the Rules, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE : CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 8 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS, VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to be reach him by the last date prescribed in the notice.

No application, received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 14th October, 1974.

A candidate already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of the Department or office concerned who will complete the endorsement at the end of the application and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings

or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Three identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY 1975 CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE :—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 12.00, Rs. 3.00 in the case

of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Schedule Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "051, Public Service Commission—Examination fees." The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 2 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 4.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service-Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualification.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

NOTE 2.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate, (of Note 3 under para 3 (ii) and Note 2 above).

This is to certify that

(1) Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of Shri _____ has passed _____ class of this school, which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic*.

(2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is _____. This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school*.

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

Date _____

Place _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Three copies of photograph.*—A candidate must submit three identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the remaining two copies should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents or surviving parent(s) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer issuing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of _____ of the State/Union Territory* of _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959'

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* District/Division* of the State/Union Territory of.....

Signature_____

†Designation_____

(with seal of office)

State/Union Territory*

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/** Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

**(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) claiming age concession under Rule 5(c)(vi) or 5(c)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c)(ix) or 5(c)(x), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(c)(iv) should produce, an attested/certified copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(c)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(c)(xi) or 5(c)(xiii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(C)(xiii) or 5(C)(xiv) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____
of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature _____
Designation _____
Date _____

(viii) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(C)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

1. Director of Civil Administration,
2. Administrators of the Concessions,
3. Mam'adars.

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Dept. of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgment.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110006), and may be obtained from him direct by mail order or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks 'A', New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN REFERENCE OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOK PUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-(110011). AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

21-196GI/74

- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK LETTERS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE RECEIVED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ADVT. NO. 33

Applications are invited for the following posts :

- * Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST and Govt. servants unless stated otherwise).
- * Qualifications relaxable at Commission's discretion.
- * Higher initial pay may be given according to qualifications.
- * For details and applications forms write—Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with unstamped, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving item number, name of post and Advt. No.
- * Reservation of posts : For SC & ST—S. No. 3, 15 and one post at 20. For SC—Two posts (including one anticipated) at S. No. 20 and if no SC candidates available reserved for ST. One post at S. No. 7, two at 14 and one permanent post at No. 20 and if no SC candidates available reserved for ST and failing both unreserved. For ST—One post at S. No. 14 and if no ST candidates available reserved for SC and failing both unreserved.
- * Nature of posts—Permanent : S. No. 1 and one at 20 but appointment on temporary basis Temporary—One at S. No. 21 and S. No. 11 but likely to be made permanent. S. Nos. 2 to 10, 12 to 14, 16 to 19, three at No. 20 and one at 21 likely to continue indefinitely. S. No. 15 likely to continue.
- * Application Fee in Indian Postal Orders of Rs. 8 (Rs. 2 for SC & ST) : candidates abroad pay fee to Indian Embassy.

* Closing date : 16th September 74 (30th September for candidates abroad, Andaman, Nicobar & Lakshadweep).

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes; ST—Scheduled Tribes;
EQ—Essential Qualifications

1. *One Chief Engineer (Water) Water Supply & Sewage Disposal Undertaking, Municipal Corporation of Delhi.* Pay. Rs.2000—125—2250. Age.—50 years. E.Q.—Degree in Civil Engg. and abt 15 yrs exp. of design and execution of works incl laying of water supply drainage and sewage works out of which 5 yrs must be in a capacity eq. to that of supdtg. engr. in a State Govt. Central or local body.

2. *One Principal Design Officer (Elect).* Naval HQ. Def Min. Pay.—Rs. 1300—50—1700 (Revised). Age.—45 yrs. E.Q.—Deg. in Elect/Telecom Engg. and 8 yrs practical exp. in Design/Installation of ships.

3. *One Principal Design Officer (Engr).* Naval HQ. Def Min. Pay.—Rs. 1300—50—1700 (Revised). Age.—50 yrs. E.Q.—Deg. in Elect/Telecom Engg. and 8 yrs. practical exp. in Design of Ships.

4. One Sr Design Officer Gr I (Elect) in the Indian Navy, Def. Min. Pay.—Rs. 1100—50—1600 (Revised). Age.—40 yrs. E.Q.—Deg in Elect/Telecom Engg and 5 yrs practical exp in Design/Installation of Ships.

5. Three Principal Scientific Officers, Gasturbine Res Est, Bangalore R & D Orgn Def Min. Pay.—1100—50—1200—100—1500. Age.—Pref below 45 yrs. E.Q. For all three posts.—(A) (i) At least a II Cl Deg in Mech/Aero Engg. For 1st Post : (ii) Abt 6 yrs' exp in de/testing/design fields of gas turbine technology of which 3 yrs at least must be in a responsible directing capacity. For 2nd Post : (ii) Abt 6 yrs exp in the design and analysis of gas turbine aircraft systems of which at least 3 yrs must be in a responsible directing capacity. For 3rd Post : (ii) Abt 6 yrs exp in analysis, design, dev evaluation and testing of aircraft gas turbine engine control systems, of which at least 3 yrs must be in a responsible directing capacity.

6. One Principal Scientific Officer, Def R & D Orgn, Poona, Def Min. Pay.—Rs. 1100—50—1200—100—1500. Age.—Pref below 45 yrs. E.Q.—At least a II Cl MSc. (Phy) and abt 6 yrs teaching and res exp in either Theoretical or Experimental Solid State Phy at graduate level of which at least 3 yrs must be in a responsible directing and administrative capacity.

7. Two System Analysis/Programmers, Console Controllers, Indian Navy, Def Min. Pay.—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (Revised). Age.—35 yrs. E.Q.—Deg in Mech/Marine/Elect/Elecon/Indstrl Engg/Naval Arch and abt 3 yrs exp in programming/system analysis in an Electronic Data Processing Unit. OR Master's deg in Phy/Math/Stat/Operational Res and abt 3 yrs exp in programming/System analysis in an Electronic Data Processing Unit.

8. One Sr Scientific Officer, Gr I, Naval Sc & Tech Lab, Visakhapatnam. R & D Orgn, Def Min. Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. E.Q.—At least II Cl deg in Mech Engg and 4 yrs exp in structural design testing and evaluation.

9. One Sr Scientific Officer Gr I, R & D Orgn, Def Min. Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Pref below 40 yrs. E.Q.—At least II Cl Deg in Naval Arch and abt 4 yrs exp in design and production of boats and small water craft.

10. One Sr. Scientific Officer, Gr I R & D Orgn, Def Min. Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Pref below 40 yrs. E.Q.—At least a II Cl Deg in Aero Engg and 4 yrs exp in res/dev/design in the field of aircraft propulsion systems with specialisation in performance analysis and evaluation of power plants.

11. One Sr Tech Officer, D'te of Production & Inspection (Naval) Def Min. Pay.—Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age.—40 yrs. E.Q.—Cert as a 1st Cl Engr (Steam or Motor) issued by the Min of Transport, Govt of India with abt 3 yrs exp as a II Engr of a foreign going vessel. OR Deg in Marine Engg with abt 5 yrs practical exp in operation/repair/maintenance/design of I. C. machinery and equipment.

12. One Sr. Scientific Officer, Gr. I, Def. Instt of Physiology & Allied Sciences, Delhi Canit. R & D Orgn, Def. Min. Pay : Rs. 700—50—1250 (Likely to be revised). Age : Pref. below 40 years. E.Q. : At least II Cl. Master's Deg in Bio-Chem and 4 yrs exp in the field of Clinical Bio-Chem & Nutrition.

13. One Sr Scientific Officer, Gr. II, Def Instt of Physiology & Allied Sciences, Delhi Canit. R & D Orgn, Def Min. Pay : Rs. 400—40—800—50—950 plus NPA @ 25% of pay as per existing rules. Age : Pref below 30 yrs. E.Q. : (i) A medical qualification included in the I or II Schedule (other than Licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the III Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956, (ii) 2 yrs exp in res/teaching in Human Physiology/General Medicine.

14. Three Medical Officers (Asstt Surgeons Gr I), Naval HQ, New Delhi, Def Min. Pay : Rs. 350—25—500—30—

590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 plus 33.1, 3% of pay as NPA subject to minimum of Rs. 150/- p.m. (Likely to be revised). Age : 30 yrs. E.Q. : (i) Same as in item 13 above. (ii) Completion of compulsory rotatory m.e.n.hip.

15. One Assst Director (Dietetics) Under the Food & Nutrition Board Agri Min. Pay : 400—40—450—30—600—35—670—EB—35—950 (Likely to be revised). Age : 40 yrs. E.Q. : Master's Deg in Bio-Chem or Food Nutrition or Home Sc or Home Econ & 3 years exp as Nutritionist in Central or State Govts or Res or Public Health Orgns.

16. One Sr Scientific Officer Gr II, R & D Orgn, Def Min.—Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Pref below 30 yrs E.Q. : At least II Cl Deg in Aero Engg and abt 2 yrs exp in Design and Dev of Liquid Rocket Propulsion Systems.

17. Three Sr Scientific Officers Gr II, Aeronautical Dev Est, Bangalore, R & D Orgn, Def Min. Pay : Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised.). Age : Pref below 30 yrs. E.Q. : For all posts : (i) At least II Cl Deg in Telecom/Elecon Engg. For Category I (1 post) : (ii) 2 yrs exp in Vfir/Ufir techniques for airborne application including telemetry. For Category II (1 post) : (ii) 2 yrs res & dev exp in microwave communication systems incl strip line techniques. For Category III (1 post) : (ii) 2 yrs exp in design of digital circuits with special emphasis on fabrication techniques of avionic hardware.

18. Two Sr Scientific Officers, Gr II (Mech Engg) (Lecturer), Naval College of Engg. I.N.S. shivaji, Naval HQ Def Min. Pay . Rs. 400—40—800—50—950 (subject to revision). Age : Pref below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl Deg in Mech Engg and 2 yrs exp in teaching Mech Engg subjects.

19. One Sr. Scientific Officer Gr. II, R & D Orgn, Def Min. Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Pref below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl Deg in Chem Engg/Chem Tech & abt 2 yrs exp in manufacturing process of light organic/inorganic chemicals, design & production of pilot plants.

20. Four (Incl One Anticipated) Jr. Mining Geologists, Indian Bureau of Mines, Min of Steel & Mines.—Pay : Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised to Rs. 700—1300). Age : 35 yrs. E.Q. : Dip of the Indian School of Mines or Master's Deg in Geology or Applied Geology; 118 in different aspects of prospecting for minerals and utilisation of minerals; and abt 3 yrs exp in detailed prospecting and proving of minerals specially lead, zinc, copper, coal, iron & sulphur.

21. Two Sr Scientific Assts. Dir Gen of Emp Trg. & Min of Labour, Pay : Rs. 325—15—475—EB—20—575 Revised Rs. 550—900. Age : 30 yrs. E.Q. : Master's Deg in Psychology or Edu or Post-graduate Dip in Guidance.

CORRIGENDUM

One Lecturer in English (Jr Scale) & One Lecturer in Commerce (Jr Scale), Andaman & Nicobar Adm, Port Blair. (UPSC Advt No. 21 item Nos 14 & 15 published on 25-5-74. Recit t othe post has since been cancelled. Fee paid by candidates will be refunded in due course.

STENOGRAPHERS' EXAMINATION 1975

(TO BE HELD ON 25TH FEBRUARY 1975)

Only candidates born after 1st Jan. 1950 and before 2nd Jan. 1957 eligible. Age relaxable for SC/ST and certain other categories. Qualifications : Matriculation or equivalent. Details and forms obtainable from Secretary on payment of Re. 1/- by MO or Cash at UPSC counter.

Closing date : 14th Oct. 1974 (28th Oct. 1974 for candidates abroad).

A. C. BANDYOPADHYAY,
Secretary.

Union Public Service Commission.